@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 25 फरवरी 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 106 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

19 मार्च की वार्ता में नहीं निकला हल तो 25 मार्च को होगा दिल्ली कूच, किसान नेता का एलान: पंधेर

राजपुरा, 24 फरवरी। दिल्ली कूच को लेकर किसान नेताओं की रविवार को शंभू बॉर्डर पर हुई बैठक के बाद सोमवार सुबह एक बार फिर दोनों पक्षों के नेताओं की बैठक हुई। बैठक के बाद किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि फिलहाल 25 फरवरी को दिल्ली कूच का फैसला टाल दिया गया है। पंधेर ने कहा कि केंद्र सरकार से पहले दो मीटिंग हो चुकी हैं। अब 19 मार्च को फिर मीटिंग है।

अगर उस मीटिंग में भी कोई हल नहीं निकलता तो 25 मार्च को 101 किसानों का जत्था दिल्ली कूच करेगा। यह फैसला किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के नेताओं की बैठक में लिया गया। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समेत कई मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल और केंद्र सरकार के बीच शनिवार को चंडीग? में हुई छठे दौर की बैठक भी बेनतीजा रही थी। बैठक करीब ढाई घंटे चली थी, लेकिन इसमें कोई समाधान नहीं निकला। अब अगली बैठक 19 मार्च को होगी। बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बैठक अच्छे माहौल में हुई। कुछ आंक? मांगे गए हैं। किसानों के पास अपने आंक? हैं और केंद्र सरकार के पास अपना डेटा है। दोनों आंक?ों को मिलाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील की। डल्लेवाल ने उनसे कहा कि जब तक सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी नहीं मिलती अनशन खत्म नहीं होगा। डल्लेवाल खनौरी बॉर्डर से एंबुलेंस में पहुंचे थे। पंजाब सरकार की तरफ से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, वित्त मंत्री हरपाल चीमा और लाल चंद कटारूचक्क मौजूद थे। किसानों की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल व किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर की अगुआई में 28 किसान नेता शामिल हुए।

9.8 करोड़ किसानों के खाते में भेजी गई 19वीं किस्त: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 24 फरवरी। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के भागलपुर पहुंचे थे। जहां से उन्होंने पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी की। इस मौके पर पात्र किसानों के बैंक खाते में 2-2 हजार रुपये पहुंचने लगे हैं। आपके बैंक खाते में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के 19वीं किस्त के पैसे आए हैं या नहीं इस बारे में जानने के लिए आपको अपने बैंक जाना होगा। वहां जाकर आप पासबुक एंट्री करवाके इस बारे में पता कर सकते हैं खाते में 19वीं किस्त के पैसे ट्रांसफर हुए हैं या नहीं। आपके बैंक अकाउंट में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के पैसे आए हैं या नहीं। इस बारे में आप अपने नजदीकी एटीएम मशीन से मिनी स्टेटमेंट निकलवाकर भी पता कर सकते हैं। अगर आपके खाते में 19वीं किस्त के पैसे आए हैं, तो इस स्थिति में किस्त के पैसे ट्रांसफर होने के बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मैसेज आया होगा। अगर आपके खाते में 19वीं किस्त नहीं आई है और आपने पीएम किसान सम्मान निधि योजना में ई-केवाईसी और भूलेखों का सत्यापन भी नहीं कराया है तो आपको जल्द से जल्द इन दोनों जरूरी कार्यों को करा लेना चाहिए। ई-केवाईसी और भूलेखों का सत्यापन कराने के बाद आपके खाते में अटकी हुई 19वीं किस्त आ सकती है। देश में कई किसान ऐसे हैं, जिनके खाते में पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त नहीं आई है। वे किसान जिन्होंने योजना में ई-केवाईसी और भूलेखों का सत्यापन नहीं कराया है उनको 19वीं किस्त का लाभ नहीं मिला है। इसके अलावा जिन किसानों ने योजना में आवेदन करते समय गलत जानकारी दर्ज की थी उन्हें भी 19वीं किस्त का लाभ नहीं मिला है। पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त के रूप में केंद्र सरकार ने लगभग 20 हजार करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खाते में भेजी है। वहीं,

अकेले बिहार के किसानों के बैंक खाते में लगभग 1600 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19वीं किस्त जारी कर चुके हैं और अब वे किसानों और कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे हैं। बिहार की पावन धरती से अन्नदाता बहनों-भाइयों के खातों में पीएम-किसान की 19वीं किस्त ट्रांसफर करने के साथ विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन कर अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने 19वीं किस्त जारी कर दी है। पीएम ने डीबीटी के माध्यम से योजना से जुड़े किसानों के बैंक खाते में 2-2 हजार रुपये की किस्त भेजी गई। इस मौके पर 9.8 करोड़ किसानों को लाभ दिया गया। भागलुपर में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पीएम नरेंद्र मोदी का स्वागत कर रहे हैं। साथ ही वे किसानों और लोगों को संबोधित कर रहे हैं। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पीएम नरेंद्र मोदा का स्वागत कर रहे हैं और साथ ही कार्यक्रम में आए किसानों और लोगों को संबोधित कर रहे हैं।

नगर निगम चुनावों से पहले राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की मुलाकात

कौमी संवाददाता

मुंबई, 24 फरवरी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है। रविवार को मुंबई के अंधेरी इलाके में एक शादी समारोह के दौरान दोनों नेता आमने-सामने आए और बातचीत की। यह मुलाकात आगामी नगर निगम चुनावों से पहले गठबंधन की संभावनाओं को लेकर चर्चा का विषय बन गई है। हालांकि, अभी तक किसी भी पार्टी ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की मुलाकात पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति में इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच लंबे समय से राजनीतिक दूरियां बनी हुई हैं। लेकिन हाल केदो महीनों में यह उनकी तीसरी मुलाकात थी, जिससे

यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों नेता एक बार फिर एक साथ आ सकते हैं। राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना से अलग होकर 2006 में अपनी नई पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बनाई थी। हालांकि, पिछले साल नवंबर महीने में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद गुट) में शामिल शिवसेना (यूबीटी) को मात्र 20 ही सीटें मिली थीं, जबकि अकेले चुनावी रण में उतरी मनसे को एक भी सीट नहीं मिली थी। मुंबई में नगर निगम चुनाव जल्द होने वाले हैं, ऐसे में दोनों दलों के बीच गठबंधन की संभावना बढ़ सकती है।

मुंडे के करीबी की गिरफ्तारी के बाद इस्तीफे की मांग पर बोले पवार

मुंबई, 24 फरवरी। महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद) के प्रमुख और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने बीड सरपंच हत्या मामले में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री धनंजय मुंडे से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कोई भी आत्मसम्मान वाला व्यक्ति यही करता। बीड सरपंच हत्या मामले में धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मिकी कराड को गिरफ्तार किया गया है। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे बीड जिले से राकांपा विधायक हैं। वह सरपंच की हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में आरोपी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बाद से आलोचनाओं के घेरे में है। विपक्ष सरपंच की हत्या की निष्पक्ष जांच के लिए मंत्री मुंडे को हटाने की मांग कर रहा है। वाल्मिक कराड महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी हैं। सरपंच संतोष देशमुख की 9 दिसंबर, 2024 को कथित तौर पर अगवा कर प्रताड़ित करने के बाद हत्या कर दी गई थी। वह बीड जिले में एक ऊर्जा फर्म द्वारा की जा रही जबरन वसूली की कोशिश को रोकने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने अब तक सरपंच की हत्या के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपी कृष्णा अंधाले अभी भी फरार है।

जाति- पंथ और भाषा से ऊपर उठकर समाज में सद्भाव बढ़ाने की ज़रूरत: प्रमुख मोहन भागवत

मुंबई, 24 फरवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन के सभी स्वयंसेवकों से जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा से परे विभिन्न समूहों के बीच मैत्री बढ़ाने के लिए काम करने की अपील की है। रविवार को यहां एक बौद्धिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक समाज के कल्याण के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं। आरएसएस के सरसंघचालक भागवत ने सामाजिक बदलाव के लिए पंच परिवर्तन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक प्रगति के लिए यह आवश्यक पांच प्रमुख परिवर्तन हैं। इनमें सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी प्रथाएं और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी हिंदुओं को आपसी सम्मान और सहयोग के माध्यम से विभिन्न उपयोगों के लिए समान मंदिर, श्मशान और जल को साझा करना चाहिए। आरएसएस की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, भागवत ने कहा कि समाज में विभिन्न जातीय समूहों के बीच सतत सांप्रदायिक सद्भाव और रिश्तेदारों और कुलों के बीच सद्भावना ही राष्ट्र को सकारात्मक दिशा और परिणाम की ओर ले जाएगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए पूरे समाज को जल संरक्षण, पौधारोपण और प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग न करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथ ही संघ प्रमुख ने कहा कि हर भारतीय को भोजन, आवास, यात्रा और यहां तक आत्म-अभिव्यक्ति से मेल खाने वाली भाषा का उपयोग करना चाहिए।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट पर भड़की कांग्रेस

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 24 फरवरी। यूएसएआईडी फंडिंग को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भाजपा के झूठ को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। बता दें कि, वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी एजेंसी वर्तमान में भारत सरकार के सहयोग से सात परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है और उनमें से किसी का भी मतदाता मतदान प्रतिशत से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को भी खारिज किया है और राहुल गांधी के साथ-साथ पार्टी पर भारत को कमजोर करने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया है। वित्त मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि एजेंसी ने 2023-24 में 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में, भारत सरकार के साथ साझेदारी में यूएसएआईडी की तरफ से कुल 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग) के बजट की सात परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस पर कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ही प्रधानमंत्री और उनकी झूठ ब्रिगेड, जिसमें उनके चतुर विदेश

मंत्री भी शामिल हैं, के झूठ को पूरी तरह से उजागर किया है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएसएआईडी वर्तमान में भारत सरकार के सहयोग से लगभग 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त बजट के साथ सात परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। जयराम रमेश ने कहा, इनमें से एक भी परियोजना का मतदान प्रतिशत बढ़ाने से कोई लेना-देना नहीं है। ये सभी केंद्र सरकार के साथ और उसके माध्यम से हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, सात परियोजनाओं के तहत यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) की तरफ से कुल 97 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है। इस महीने की शुरुआत में जब एलन मस्क के नेतृत्व वाले डीओजीई (सरकारी दक्षता विभाग) ने दावा किया था कि उसने मतदान प्रतिशत को बढ़ावा देने के लिए भारत को 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बार-बार दावा किया कि जो बाइडन के नेतृत्व वाले पिछले प्रशासन के तहत यूएसएआईडी ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्तपोषण किया था। हालांकि इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से दी गई जानकारी चिंताजनक है और सरकार इस पर गौर कर रही है।

सीएम ममता बनर्जी ने आरजी कर कांड की पीड़िता को बताया बहन

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 24 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म-हत्याकांड की पीड़िता को अपनी बहन बताया। उन्होंने कहा कि पीड़िता के परिवार के साथ उनकी संवेदनाएं हैं। उन्होंने अपराध के जिम्मेदारों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। धोनो धान्यो ऑडिटोरियम में सीनियर, जूनियर डॉक्टर और मेडिकल छात्रों को संबोधित करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम अपराजिता विधेयक लेकर आए। जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। ममता बनर्जी ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में मारी गई बहन के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। हम इस मामले में उचित सजा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी घटना के विरोध में सड़क पर उतरी थी। हमारी सरकार ने अपराजिता विधेयक पारित किया था, लेकिन यह अभी राष्ट्रपति के पास लंबित है। उन्होंने कहा कि मैं अपने भाइयों को हमारी बहनों की सुरक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की जिम्मेदारी सौंपती हूं। यहां आज कोई लैंगिक असमानता नहीं है। यह बहुत ही सकारात्मक विकास है। सरकार

निश्चित रूप से अपना काम करेगी, लेकिन मेरा मानना है कि मेरे भाई इस मामले में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने तीन सितंबर को सर्वसम्मति से अपराजिता महिला और बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून और संशोधन) विधेयक 2024 पारित किया, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की गई है। यदि उनके कार्यों के परिणामस्वरूप पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या उसे निष्क्रिय अवस्था में छोड़ दिया जाता है। वहीं, अन्य अपराधियों को पैरोल के बिना आजीवन कारावास की सजा की मांग की गई। प्रस्तावित कानून की अन्य महत्वपूर्ण विशेषताओं में प्रारंभिक रिपोर्ट के 21 दिनों के भीतर दुष्कर्म के मामलों की जांच पूरी करना, पिछली दो महीने की समय सीमा में कमी और एक विशेष टास्क फोर्स शामिल है जहां महिला अधिकारी जांच का नेतृत्व करेंगी। अपराजिता विधेयक को राज्यपाल की तरफ से राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दिया गया है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। आठ अगस्त को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला।

कूड़ा प्रबंधन को लेकर अदालत ने राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 24 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने कूड़ा प्रबंधन को लेकर एनसीआर के राज्यों से जवाब तलब किया है। अदालत ने सोमवार को कहा कि कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग करना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि ठोस कूड़ा प्रबंधन 2016 के नियमों का पालन न होने से देश के कई शहर प्रभावित हो रहे हैं। पीठ ने कहा कि हम देख रहे हैं स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन ठोस कूड़ा प्रबंधन नियमों का पालन किए बिना शहरों को स्मार्ट कैसे बनाया जा सकता है? कोर्ट ने एनसीआर में आने वाले राज्य दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से कूड़ा प्रबंधन नियमों का पालन न करने पप जवाब मांगा। कोर्ट ने कहा कि अगर कूड़े को सही तरीके से अलग नहीं किया जाएगा, तो कूड़े से बिजली बनाने वाली परियोजनाएं अधिक प्रदूषण पैदा करेंगीं। प्रदूषण मामले को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने एनसीआर में ठोस कूड़ा प्रबंधन में कचरे को अलग-अलग न किए जाने पर चिंता जताई। इस पीठ ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना सही है कि कूड़े को स्रोत पर ही अलग-अलग कर देना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है।

विधानसभा अध्यक्ष चुने गए विधायक विजेंद्र गुप्ता

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 24 फरवरी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष पद पर रोहिणी विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर पहुंचे विजेंद्र गुप्ता को सदन ने चुना है। निर्वाचित विधायक के लिए एक प्रस्ताव पेश किया गया। पहला प्रस्ताव मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने और दूसरा कैबिनेट मंत्री रविंदर इंद्राज पेश किया। इन प्रस्तावों का समर्थन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और प्रवेश वर्मा ने किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। अध्यक्ष पद का चुनाव प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली ने कराया। निर्वाचन के बाद अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता का पहला उद्बोधन सदन में हुआ। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। सत्ता बदलती रहती है लेकिन सदन की गरिमा, मूल्य और परंपराएं शाश्वत रहते हैं। अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों का पूरी सत्यनिष्ठा से पालन करूंगा। सत्ता पक्ष व प्रतिपक्ष, दोनों पक्षों के सदस्य समान हैं। सदन के लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षण करना प्राथमिकता रहेगी। सबको मिलकर दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना है। यही हम सबका संकल्प होना चाहिए। सदन के सदस्यों को पूरे सामंजस्य के साथ कार्य करना चाहिए, तभी वे जनता के प्रति अपने दायित्वों का पूरी तरह निर्वहन करने में सक्षम होंगे। सदन जनता की आशाओं का केंद्र बिंदु होता है। महत्वपूर्ण विषयों पर प्रश्न पूछने चाहिए और सदन में होने वाली विभिन्न चर्चाओं के दौरान अपने विचार प्रकट करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन नियमों से चलता है। सब इन नियमों से बंधे हैं। इसलिए मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है कि कार्यवाही के दौरान सभी निर्धारित नियमों का पालन करें। निर्धारित नियमों से अलग किसी भी प्रकार के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इतनी शक्ति, धैर्य और विवेक प्रदान करे कि हम आने वाले पांच वर्षों के दौरान दिल्ली की जनता की भलाई के लिए सार्थक योगदान दे सकें। दिल्ली विधानसभा का सदन ऐतिहासिक है। अध्यक्ष का पद लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं का प्रतीक है। भारत के संसदीय इतिहास के पहले निर्वाचित अध्यक्ष विठ्ठल भाई पटेल ने ठीक 100 वर्ष पहले 1925 में इस आसन को सुशोभित किया था। इस सभागार में गोपाल कृष्ण गोखले, विठ्ठल भाई पटेल, पं. मदन मोहन मालवीय, सुंदर सिंह मजीठिया, पंडित मोतीलाल नेहरू, लाला लाजपत राय जैसे लोगों ने सुशोभित किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी यहां दो बार आए थे। निर्वाचित प्रतिनिधियों का सदन बना तो यहां पर सरदार गुरमुख निहाल सिंह, जग प्रवेश चंद्र, लाल कृष्ण आडवाणी, मीर मुश्ताक अहमद, पुरुषोत्तम गोयल,

चरती लाल गोयल, सुभाष चोपड़ा, अजय माकन, चौ. प्रेम सिंह, डा. योगानंद शास्त्री, एमएसधीर, राम निवास गोयल जैसे अनुभवी नेताओं ने इस आसन की शोभा बढ़ाई है। विजेंद्र गुप्ता के अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष नये विधानसभा अध्यक्ष को उनके आसन तक ले गए। विधानसभा अध्यक्ष को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आपका अनुभव और ज्ञान विधानसभा के लिए बहुमूल्य साबित होगा। सदन के सदस्यों को बोलने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। इस पद पर तक पहुंचने के लिए काफी संघर्ष किया है, लेकिन उम्मीद है कि भविष्य में ऐसा संघर्ष नहीं होगा। सदन का कुशलतापूर्वक नेतृत्व करेंगे। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने नये अध्यक्ष को बधाई दी। इसी के साथ उन्होंने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल पर भी जोरदार हमला बोला। कहा कि यह समय का चक्कर है कि जो आपको सदन से उठाकर बाहर फेंकते थे आज इस विधानसभा के सदस्य तक नहीं बन सके। बधाई प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अध्यक्ष ने आम आदमी पार्टी के विधायक अनिल झा को भी बोलने का मौका दिया, लेकिन आप विधायकों के शोर में विपक्षी सदस्य कुछ भी नहीं बोल सके। इस पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने तंज भी कसा। विजेंद्र गुप्ता दो बार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके है। पिछले अध्यक्ष के साथ उनका तीखा नोंक झोंक सदन में देखने को मिलता था।

महाकुंभ पर टिप्पणी को लेकर भड़के सीएम योगी

लखनऊ, 24 फरवरी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर टिप्पणी करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महाकुंभ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के माध्यम से विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली। सुअरों को गंदगी मिली। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली। आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफसुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को अव्यवस्था मिली। सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है। सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था क्योंकि तब के मुख्यमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं था। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के व्यवहार को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि ये लोग संविधान की बात करते हैं। लोकतंत्र की बात करते हैं और महापुरुषों के सम्मान की बात करते हैं लेकिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के लोगों का जो आचरण था वो बताता है कि वो संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन के आयोजनों से यूपी को नई पहचान मिली है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। यही कारण है कि लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। हम लोगों ने अब तक 16 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा है जिससे कि 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

ग़ाज़ा में पोलियो वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाने के अभियान का नया दौर शुरू

गाजा। इसराइल के क़ब्ज़े वाले ग़ाज़ा में, 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 6 लाख बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाने के अभियान का नया दौर, शुरू हुआ है। मौजूदा अभियान, पिछले वर्ष के पोलियो वैक्सीन अभियान की अगली कड़ी है जिसमें लाखों छोटे बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाई गई थीं। ग़ाज़ा में हाल के समय में, अपशिष्ट जल के नमूनों में पोलियो वायरस पाया गया था, जिससे नज़र आता है कि इसका प्रसार जारी है, जिसके कारण, बच्चों को पोलियो का संक्रमण होने का जोखिम है। इस अभियान का नेतृत्व फ़लस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा है और इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, संयुक्त राष्ट्र की फ़लस्तीन शरणार्थी एजेंसी - NRWA और अन्य भागीदारों के सहयोग से लागू किया जा रहा है। UNRWA के महाआयुक्त फ़िलिपे लज़ारिनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एजेंसी के स्वास्थ्य केन्द्रों और सचल इकाइयों पर तैनातों टीमों के 1 हज़ार 700 सदस्य, इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी -WHO के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा है कि तमाम टीमें धरातल पर मुस्तैदी के साथ, इस अभियान को सुचारू व सफल बनाने के लिए, सक्रिय हैं। यूएन एजेंसियों ने बताया है कि इस अभियान में कुल 1 हज़ार 660 टीमें, पोलियो वैक्सीन की ख़ुराकें पिला रही हैं।

चीन से बढ़ते खतरों के बीच ताइवान अपनी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : उपराष्ट्रपति

ताइपे । ताइवान की राजधानी ताइपे में हैलिफैक्स इंटरनेशनल सिक्योरिटी फोरम 2025 के समापन समारोह में उपराष्ट्रपति ह्सियाओ बि-खिम ने कहा कि ताइवान अपनी आत्मरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने सहयोगियों और समान विचारधारा वाले देशों से वैश्विक शांति और समृद्धि बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए ताइवान बहुत महत्वपूर्ण है। अपने भाषण में ह्सियाओ ने ताइवान के हवाई क्षेत्र में चीन की लगातार घुसपैठ और ताइवान पर हो रहे साइबर हमलों का जिक्र किया। ताइवान के प्रमुख समाचार पत्र ताइपे टाइम्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि ताइवान ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और उसकी सेना से होने वाले खतरों का सामना करने के लिए एक खास तरीका अपनाया है। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने 2025 हैलीफ़ैक्स ताइपे फ़ोरम के उद्घाटन में हिस्सा लिया। अपने भाषण में राष्ट्रपति लाई ने हैलीफ़ैक्स इंटरनेशनल सिक्योरिटी फ़ोरम का ताइवान के लिए मजबूत समर्थन देने और इस फ़ोरम को आयोजित करने के लिए उत्तरी अमेरिका के बाहर पहले स्थान के रूप में ताइवान को चुनने के लिए धन्यवाद किया।

सलमान रुश्दी पर चाकू से हमले का मामला : कौन है हादी मतार, जिसे अदालत ने ठहराया दोषी

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क के एक व्याख्यान मंच पर मशहूर ब्रिटिश-भारतीय लेखक सलमान रुश्दी पर कई बार चाकू से हमला करने वाले न्यूजर्सी के एक शख्स को हत्या के प्रयास और हमले का दोषी ठहराया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 27 वर्षीय हादी मतार को अब 30 वर्ष से अधिक जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। अगस्त 2022 में हुए हमले में रुश्दी को गंभीर चोटें आई थीं। उनके लीवर को नुकसान पहुंचा, एक आंख की रोशनी जाती रही उनका हाथ लकवाग्रस्त हो गया क्योंकि हाथ की तंत्रिका को नुकसान पहुंचा था। जूरी ने हमले की जगह के पास पश्चिमी न्यूयॉर्क राज्य के चौटाउक्का काउंटी कोर्ट में दो सप्ताह की सुनवाई के बाद मतार को दोषी करार दिया। जूरी ने मतार को साक्षात्कारकर्ता हेनरी रीस पर भई हमले का भी दोषी पाया। वह लेखक के साथ मंच पर मौजूद थे। हमले के दौरान रीस के सिर में मामूली चोट लगी थी। मतार की सजा की तारीख 23 अप्रैल तय की गई है। 77 वर्षीय रुश्दी ने गवाही दी कि वह ऐतिहासिक चौटाउक्का इंस्टीट्यूशन में मंच पर थे, जब उन्होंने एक व्यक्ति को अपनी ओर भागते हुए देखा। घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमलावर की आंखें देखकर वह दंग रह गए, जो काली थीं और बहुत क्रूर लग रही थीं। पहले तो उन्हंने सोचा कि उसे मुक्का मारा गया है, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उन्हें चाकू मारा गया है - कुल 15 बार - और उनकी आंख, गाल, गर्दन, छाती, धड़ और जांघ पर घाव हुए थे।

चुनावों में असफलता के बाद एफडीपी नेता लिंडनर ने छोड़ी राजनीति

मॉस्को। जर्मनी में मौजूदा सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग हुये फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (एफडीपी) के नेता और पूर्व वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर ने अपनी पार्टी के चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद राजनीति से हटने की पुष्टि की। लिंडनर ने इससे पहले कहा था कि अगर चुनावों के परिणामस्वरूप एफडीपी बुंडेस्टाग में नहीं पहुंची तो वह पार्टी का नेतृत्व छोड़ देंगे और राजनीति छोड़ देंगे। लिंडनर ने 'एक्स' पर कहा, संघीय चुनाव एफडीपी के लिए हार लेकर आए, लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे जर्मनी के लिए एक नई शुरुआत भी लेकर आए। मैंने इसी के लिए लड़ाई लड़ी। अब मैं सक्रिय राजनीति छोड़ रहा हूं।

299 में से 154 जिलों के वोटों की गिनती के साथ एफडीपी 5 प्रतिशत सीमा तक पहुंचने में विफल रहती है और इसलिए बुंडेस्टाग में प्रवेश नहीं करती है। पार्टी को केवल 4.1 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन प्राप्त मिला।

युद्ध के तीन साल : पुतिन बोले - रूसी सैनिक यूक्रेन में 'राष्ट्रीय हितों' की कर रहे रक्षा

एजेंसी

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में उनके सशस्त्र बल 'राष्ट्रीय हितों' की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने बदलती विश्व व्यवस्था में देश की सेना को मजबूत करने का संकल्प लिया।पुतिन का यह बयान ऐसे समय में आया जब यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने वाले हैं। 24 फरवरी, 2022 तो मॉस्को ने कीव पर पूर्ण पैमाने का आक्रमण किया था। रूस के 'डिफेंडर्स ऑफ द फादरलैंड डे' पर क्रेमलिन द्वारा जारी एक वीडियो में पुतिन ने कहा, 'आज, अपने जीवन को जोखिम में डालकर, साहस के साथ, वे (सैनिक) अपनी मातृभूमि, राष्ट्रीय हितों और रूस के भविष्य की रक्षा कर रहे हैं।'देश के प्रमुख दैनिक 'द मॉस्को टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, रूस की सुरक्षा और संप्रभुता की गारंटी के

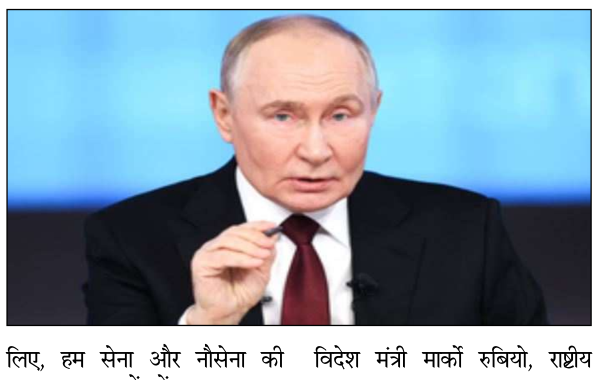

लिए, हम सेना और नौसेना की लड़ाकू क्षमताओं में सुधार करना जारी रखेंगे।इससे पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने इस सप्ताह रियाद में यूएस प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ शामिल थे। इस वार्ता का उद्देश्य रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत करना और अपने संबंधों को बेहतर बनाना था। विज्ञप्ति के अनुसार, रूसी पक्ष ने संघर्ष के मूल कारणों को समाप्त करने, स्थायी एवं सतत शांति प्राप्त करने के लिए उचित परिस्थितियां बनाने, क्षेत्र के सभी देशों की सुरक्षा और वैध हितों को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। निकट भविष्य में नियुक्त किए जाने वाले विशेष दूतों के माध्यम से इस क्षेत्र में संयुक्त कार्य जारी रखने के लिए एक समझौता हुआ। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'रियाद में रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत रूस-अमेरिका संबंधों को बहाल करने और दोनों देशों के बीच विश्वास का निर्माण करने की दिशा में एक कदम था।'

पोप फ्रांसिस की हालत नाज़ुक, दोनों फेफड़ों में संक्रमण

एजेंसी

वेटिकन सिटी। वयोवृद्ध पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। वह कुछ समय से अस्वस्थ हैं। ताजा रक्त परीक्षण में गुर्दे की विफलता के हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने रविवार सुबह जेमेली अस्पताल की 10वीं मंजिल पर स्थापित अपार्टमेंट से पवित्र मास में भाग लिया।

सीएनएन न्यूज चैनल की खबर में वेटिकन के हवाले से यह जानकारी दी गई। वेटिकन ने जारी बयान में कहा कि 88 वर्षीय पोप अपने दोनों फेफड़ों में निमोनिया के संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें लगातार ऑक्सीजन दी जा रही है। वेटिकन ने कहा कि उनकी स्थिति दिन-प्रतिदिन जटिल हो रही है। फ्रांसिस दोनों फेफड़ों में निमोनिया के निदान के बाद अस्पताल में रहेंगे। ऑरलैंडो हेल्थ मेडिकल ग्रुप यूरोलॉजी के डॉ. जैमिन ब्रह्मभट्ट ने कहा है कि उनकी हालत अभी भी काफी गंभीर है। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के

अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया था। यही नहीं, सिनेसिटा में पोप फ्रांसिस के साथ 17 फरवरी को होने वाली कलाकारों की बैठक को भी रद्द कर दिया गया। पोप फ्रांसिस का असल नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो है।

जर्मनी के आम चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी की जीत

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी के आम चुनाव में विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ने जीत दर्ज की। इसी के साथ मर्ज का जर्मनी का नया चांसलर बनने का रास्ता साफ हो गया। 69 वर्षीय फ्रेडरिक मर्ज को रूढ़िवादी नेता माना जाता है। जर्मनी के समाचार पत्र बिल्ड ने चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी के जीत दर्ज करने की पुष्टि की है। उनकी पार्टी ने आम चुनाव में सबसे बड़ा वोट शेयर हासिल किया है। उन्होंने ओलाफ स्कोल्ज की वाम सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) को शिकस्त दी है। जर्मन ब्रॉडकास्टर एआरडी के अनुसार, मर्ज के नेतृत्व वाले ब्लॉक (क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) और क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) ने 28.5 प्रतिशत मत हासिल किया है। जर्मनी की दूसरी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी ने 20.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किया है। 11 नवंबर, 1955 को

जर्मनी के ब्रिलोन में जन्मे मर्ज का परिवार कानून के क्षेत्र से जुड़ा रहा है। मर्ज ने भी कानून की पढ़ाई की है। वह 1972 में राजनीति में आए।1981 में चार्लोट से शादी की। चार्लोट जज हैं। उनके तीन बच्चे हैं। 1989 में मर्ज यूरोपीय संसद के लिए चुने गए। 1994 में उन्होंने होचसॉएरलैंडक्रेइस निर्वाचन क्षेत्र से जीतने के बाद जर्मन संघीय संसद बुंडेस्टाग में प्रवेश किया।

नेपाल के प्रधानमंत्री को भारत से न्योते का इंतजार, विदेश मंत्री ने कहा- निमंत्रण मिलते ही होगा दौरा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भारत भ्रमण के लिए निमंत्रण की प्रतीक्षा में हैं। जेनेवा प्रस्थान करने से पहले पत्रकारों से बातचीत में डॉ. राणा ने कहा कि भारत से निमंत्रण मिलते ही वो दिल्ली के दौरे पर जाएंगे।

मस्कट भ्रमण से लौट कर विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने एक दिन बाद ही जेनेवा जाने से पहले प्रधानमंत्री ओली के भारत भ्रमण को लेकर कहा कि जल्द ही भारत सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री ओली के लिए निमंत्रण आ सकता है। यदि प्रधानमंत्री ओली का भारत भ्रमण नहीं हुआ तो अप्रैल में बैंकाक में होने वाले बिमस्टेक शिखर सम्मेलन में दोनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकात की उम्मीद है। डॉ. आरजू राणा ने कहा कि 2-4 अप्रैल में थाईलैंड की राजधानी में बिमस्टेक के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री के साथ साइडलाइन वार्ता होने की

उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी प्रधानमंत्री ओली और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासभा के दौरान साइडलाइन वार्ता हुई थी। प्रधानमंत्री ओली के पहले चीन भ्रमण पर सफाई देते हुए नेपाल की विदेश मंत्री ने कहा कि भारत से निमंत्रण नहीं आने के कारण ही उन्होंने पहले चीन का भ्रमण किया था। डॉ. राणा ने यह भी बताया कि हाल ही में मस्कट में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से साइडलाइन मुलाकात के दौरान भी उन्होंने प्रधानमंत्री ओली के भारत भ्रमण को लेकर आग्रह किया है।

भारी बर्फबारी के कारण तुर्की के 18 प्रांतों में 2,173 सड़कें अवरुद्ध, जनजीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी

अंकारा । भारी बर्फबारी और बर्फीले तूफानों ने तुर्की के 18 प्रांतों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। टीआरटी की रिपोर्ट के अनुसार, 2,173 सड़कें बंद हो गई हैं।

पूर्वी वान प्रांत के महानगरीय क्षेत्र में 19 इलाकों और 35 छोटे गांवों का संपर्क टूट गया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एरसिस जिले में बर्फ की मोटाई 40 सेंटीमीटर तक पहुंच गई है, जहां सड़कें साफ करने का काम जारी है। पूर्वी मुस प्रांत में प्रशासन बर्फबारी से लोगों को होने वाली परेशानी कम करने के लिए लगातार काम कर रहा है, लेकिन अब भी 46 गांवों की सड़कें बंद हैं। दक्षिण पूर्वी बिटलिस प्रांत में भी हालात गंभीर हैं। यहां 50 गांवों की सड़कें पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई हैं। पूर्वी हक्कारी में भारी बर्फबारी के कारण 34 बस्तियों का संपर्क कट गया था, जिनमें से 32

को फिर से जोड़ दिया गया है। हालांकि, शेमदीनली ज़िले के एलन गांव और युकसेकोवा ज़िले के अक्टोपरेक छोटे गांव में हिमस्खलन के खतरे के कारण रास्ते खोलने का काम नहीं हो सका है। काला सागर क्षेत्र में ऊंचाई वाले गांवों में बर्फबारी का अधिक असर पड़ा है। कस्तामोनु में पहाड़ी इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ है, जबकि सीनोप में 282 गांवों की सड़कें बर्फ से ढक गई हैं। सीनोप प्रांतीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सोमवार दोपहर तक बर्फबारी और ठंड के हालात बने रह सकते हैं। ट्राब्ज़ोन में सुबह से बर्फ गिर रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। तेज हवाओं के कारण काला सागर में ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिससे मछली पकड़ने वाली नौकाएं बंदरगाहों पर खड़ी रहने को मजबूर हैं। इसी तरह, रिजे में भी 81 गांवों की सड़कें बंद हो गई हैं और प्रशासन उन्हें साफ करने के प्रयास में जुटा है। पूर्वी एरज़ुरुम प्रांत में तेज बर्फबारी और हवाओं के कारण आठ इलाकों की सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि अर्दहान में चार गांवों का संपर्क अभी भी टूटा हुआ है। प्रशासन ने सभी प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने और जब तक सड़कें पूरी तरह साफ नहीं हो जाती, तब तक जरूरी होने पर ही यात्रा करने की सलाह दी है।

नेपाल में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने काठमांडू के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के सात नागरिकों को देर शाम गिरफ्तार किया है। यह लोग वीजा की अवधि समाप्ति या अवैध रूप से नेपाल में घुस कर रह रहे थे।

काठमांडू जिले के क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने सोमवार को बताया कि चोरी छिपे काठमांडू के विभिन्न इलाकों में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न इलाकों से बांग्लादेश के सात नागरिकों को गिरफ्तार किया।

एसएसपी बस्नेत ने बताया कि गिरफ्तार बांग्लादेश के तीन नागरिकों के वीजा की अवधि को समाप्त हुए एक साल हो गया जबकि चार के पासपोर्ट पर वीजा ही नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि सभी अवैध रूप से भारत के रास्ते नेपाल के घुसे होंगे। पुलिस ने इनकी पहचान मोहम्मद अकुल इस्लाम (26), मोहम्मद आलममुल्ला (40), मोहम्मद जहांगीर आलम (37), मोहम्मद अमीनुल हक (36), मोहम्मद अब्दुल अहक (39), मोहम्मद नसरुद्दीन (28) और मोहम्मद मोहसार हुसैन (46) के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों के संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना मिली है। बस्नेत ने कहा कि ये सभी यहां के मेनपावर कंपनियों के साथ सेटिंग कर बांग्लादेशियों को यहां से खाड़ी देशों में भेजने का धंधा चला रहे थे। इसके एवज में यह लोग लाखों रुपये की वसूली भी करते थे।

भेज देंगे वापस : अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान की धमकी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अफगान नागरिकों के मामलों को खारिज कर दिया गया या समय पर कार्रवाई नहीं की गई तो उन्हें वापस उनके देश भेज दिया जाएगा। वॉयस ऑफ अमेरिका के अनुसार तुर्की में स्थानीय मीडिया से बात करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, यदि किसी शरणार्थी को किसी अन्य देश ने उचित प्रक्रिया के बाद लेना है लेकिन वह देश ऐसा करने से इनकार कर दे तो हमारे लिए, वह शरणार्थी पाकिस्तान में एक अवैध आप्रवासी होगा, और उसे उसके मूल देश, वापस भेजने के लिए हमें मजबूर होना पड़ सकता है। पिछले काफी समय से काबुल-इस्लामाबाद के बीच रिश्ते तनावपूर्ण चल रहे हैं ऐसे में पाकिस्तान का यह कदम तनाव और बढ़ाएगा। व्हाइट

हाउस की ओर से जारी एक कार्यकारी आदेश के अनुसार, पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक आदेश पारित कर अमेरिकी शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम को तब तक के लिए निलंबित कर दिया था, जब तक कि शरणार्थियों का अमेरिका में प्रवेश अमेरिका के हितों के अनुरूप नहीं होता। हालांकि, अफगानिस्तान ने अभी तक इशाक डार के नवीनतम बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एक अलग घटनाक्रम में, पाकिस्तानी सरकार मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अफगान महिला न्याय आंदोलन की सदस्य जहरा मौसवी को वापस अफगानिस्तान भेजने की योजना बना रही है। उन्हें वर्तमान में इस्लामाबाद में पाकिस्तानी पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है। अफगानिस्तान के अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक मानवाधिकार संगठनों की बार-बार चेतावनी के बावजूद, पाकिस्तान ने कई अफगान शरणार्थियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है और उन्हें विभिन्न बहानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। अपने देश में युद्ध और संघर्ष से भागकर, अफ़गानिस्तान के लोग दशकों से पाकिस्तान में शरण लेते रहे हैं। 2021 में तालिबान के सत्ता में वापस आने के बाद, लाखों अफगान उत्पीड़न के डर से पाकिस्तान चले गए। 2023 में, प्रवासियों की स्थिति और खराब हो गई क्योंकि पाकिस्तानी अधिकारी अपमानजनक रणनीति और सामूहिक निर्वासन में शामिल हो गए।

सूडान के व्हाइट नील राज्य में हैजा से तीन दिनों में 83 लोगों की मौत : एनजीओ

एजेंसी

खार्तूम। स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने बताया कि सूडान के व्हाइट नाइल राज्य में हैजा से मौत को लेकर भयावह आंकड़ा साझा किया है। इसके मुताबिक पिछले 72 घंटों में हैजा से 83 लोगों की मौत हो गई है।गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने शनिवार को एक बयान में कहा, व्हाइट नाइल में हैजा फैलने से 83 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1,197 अन्य संक्रमित हुए हैं, जिनमें से शुक्रवार तक 259 लोग ठीक हो चुके हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, नेटवर्क ने स्थिति को वनाशकारी बताते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अस्पताल में बिस्तरों की कमी और बीमारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त केंद्र खोलें।नेटवर्क ने स्थानीय प्राधिकारियों से जागरूकता अभियान तेज करने, बाजारों को संक्रमणमुक्त करने, पारंपरिक तरीकों से पेयजल वितरण को रोकने तथा जल नेटवर्क की कमी वाले क्षेत्रों में क्लोरीन वितरित करने का भी आह्वान किया। इस बीच, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने चेतावनी दी कि व्हाइट नाइल राज्य के प्रमुख शहर कोस्टी में स्वास्थ्य स्थिति बहुत खतरनाक मोड़ ले रही है, जहां 800 से अधिक हैजा के मामले सामने आए हैं और कई लोगों की मौत हुई है। एक अन्य गैर सरकारी संगठन, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति में पुष्टि की कि ÷बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो गई है, और 800 से अधिक लोग तेज दस्त, डिहाइड्रेशन, उल्टी आदि के लक्षणों के साथ कोस्टी टीचिंग अस्पताल में हैजा उपचार केंद्र में इलाज करा रहे हैं, जिसे एमएसएफ द्वारा सहायता प्राप्त है। इसमें बताया गया कि पहले 100 मरीज बुधवार रात को उपचार केंद्र पहुंचे और शुक्रवार दोपहर तक यह संख्या 800 से अधिक हो गई। प्रेस विज्ञप्ति में कोस्टी में एमएसएफ के चिकित्सा समन्वयक फ्रांसिस लायो ओकान के हवाले से कहा गया, स्थिति चिंताजनक है और नियंत्रण से बाहर होने वाली है।एमएसएफ ने इस आपात स्थिति से निपटने के लिए अन्य संगठनों से सहायता की अपील की है, साथ ही यह भी कहा है कि संक्रमण का सबसे संभावित स्रोत व्हाइट नील नदी है। दरअसल, 16 फरवरी को राज्य के उम-दबाकिर बिजलीघर पर ड्रोन से हमला किया गया था, जिससे आस-पास के प्रमुख शहरों के जलघर प्रभावित हुए और स्थानीय निवासियों को व्हाइट नील नदी से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यूक्रेन को नाटो सदस्यता दिलाने के एवज में राष्ट्रपति पद छोड़ने को तैयार हैं जेलेंस्की

कीव।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि वह अपने देश को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन(नाटो) की सदस्यता के बदले राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक श्री जेलेंस्की ने कहा है कि वह लंबे समय तक राष्ट्रपति बने रहने के अभिलाषी नहीं है और उनके देश को नाटो से संबंद्ध कर लिया जाता

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

इजरायल ने रोकी फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, हमास के सामने रखी यह शर्त

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई स्थगित करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जब तक हमास इजरायली बंधकों की रिहाई के दौरान अपने 'अपमानजनक समारोह' बंद नहीं कर देता तब तक यह रोक जारी रहेगी। गाजा युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने 6 इजरायली बंधकों की रिहाई की जबकि इजरायल को 602 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना था।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, 'हमास की ओर से बार-बार किए गए उल्लंघनों, जिनमें हमारे बंधकों को अपमानित करने वाले समारोह और प्रचार उद्देश्यों के लिए हमारे बंधकों का निंदनीय शोषण शामिल है, के मद्देनजर यह फैसला लिया गया कि शनिवार को होने वाली आतंकवादियों (फिलिस्तीनी कैदी) की रिहाई तब तक के लिए स्थगित

रहेगी, जब तक कि अगले बंधकों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती और रिहाई पर होने वाले अपमानजनक समारोह बंद नहीं होते। 19 जनवरी को युद्ध विराम शुरू होने के बाद से, हमास ने 25 इजरायली बंधकों को रिहा किया है। लगभग सभी की एक सार्वजनिक समारोह में रिहाई हुई है जिन्हें इजरायल फिलिस्तीनी ग्रुप का प्रचार स्टंट बताता है। हालांकि शनिवार को बंधक हिशाम अल-सईद की रिहाई एक अपवाद रही। हमास ने बिना किसी सार्वजनिक कार्यक्रम के उन्हें रेडक्रॉस को सौंप दिया।

हिशाम रिहा होने वाले पहले मुस्लिम इजरायली हैं। हालांकि शनिवार सुबह हमास ने पांच बंधकों की रिहाई पूरे धूम-धाम से की थी। हमास ने हिशाम अल-सईद को बिना किसी बड़े कार्यक्रम के रिहा करने का कोई कारण नहीं बताया। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला करके 251 बंधकों को पकड़ लिया और लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था जिसके बाद युद्ध शुरू हो गया।

गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के हमले में कम से कम 48,319 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायल के हमलों से गाजा की लगभग दो-तिहाई इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई।

चरस तस्करी मामले में महिला गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चरस बेचने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला हिमाचल प्रदेश से चरस लाकर गुजरात के सूरत में बेच रही थी। पुलिस ने महिला के पास से करीब दो किलोग्राम चरस (मलाना क्रीम) बरामद की है। बरामद चरस की अंतराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये कीमत बताई जा रही है। पुलिस की पूछताछ में महिला ने खुलासा किया है कि वह पिछले करीब एक साल से हिमाचल प्रदेश से चरस लेकर दिल्ली आती थी। यहां समय बिताने के बाद वह चरस लेकर गुजरात के सूरत पहुंचकर पार्टी के हवाले कर देती थी। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि उनकी टीम पिछले काफी समय से नशे का धंधा करने वाले लोगों की जांच में जुटी थी। इस दौरान टीम को सूचना मिली कि एक महिला चरस लेकर दिल्ली आने वाली है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने दिल्ली के मुकरबा चौक, जीटी करनाल रोड पर जांच शुरू की। महिला को आते हुए देखकर उसे पकड़ा गया। बाद में उसके पास से करीब दो किलोग्राम चरस बरामद हुई। महिला किससे चरस लेकर आई। इसका पता लगाया जा रहा है।

नाबालिग लड़की को पुलिस ने अहमदाबाद से खोजा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने घर से लापता 15 साल की नाबालिग लड़की को खोज निकाला। नाबालिग को ज्यादा मोबाइल चलाने पर मां ने डांटा था जिससे नाराज होकर वह अपने परिवार को छोड़कर मौसी के घर पहुंच गई। मौसी ने भी उसे छिपाकर रखा। कई दिनों की मशक्कत के बाद क्राइम ब्रांच ने नाबालिग को गुजरात के अहमदाबाद से सकुशल बरामद किया। नाबालिग को दिल्ली लाकर जेजे बोर्ड के समक्ष पेशकर उसे शेल्टर होम भेज दिया गया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि अमर कालोनी निवासी एक परिवार ने छह फरवरी को अपनी 15 साल की बेटी के गायब होने की खबर दी थी। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने भी जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि नाबालिग अपनी मां का मोबाइल अपने साथ ले गई है। पुलिस ने सीसीडीआर दिखवाया। इसके अलावा 20 मोबाइल नंबर की जांच हुई। इसके बाद नाबालिग की लोकेशन अहमदाबाद गुजरात में मिली। एक टीम को फौरन वहां रवाना कर दिया गया। टीम ने आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नाबालिग को ढूंढ निकाला।

अवैध हथियार के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियार के मामले में फरार चल रहे नीरज बवाना गिरोह के एक भगोड़े को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान दीपक शर्मा उर्फ पप्पू (28) के रूप में हुई है। आरोपित को उत्तम नगर थाने में अवैध हथियार के एक मामले में अदालत ने भगोड़ा घोषित किया हुआ था। दीपक के खिलाफ अलग-अलग थानों में सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि उनकी टीम को खबर मिली थी कि नीरज बवाना गिरोह का बदमाश अपने किसी साथी से मिलने के लिए हरिनगर आने वाला है। अवैध हथियार के मामले में पुलिस को उसकी तलाश है। पुलिस टीम ने हरिनगर इलाके में जाल बिछा दिया। इस बीच आरोपित अपने साथी से मिलने के लिए वहां पहुंचा तो पुलिस की टीम ने उसे काबू कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अगस्त 2024 को अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

रेडलाइट पर यूटर्न के दौरान दो गाड़ियां भिड़ी, लगा जाम

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के कापसहेड़ा इलाके में रविवार सुबह लाल बत्ती पर यूटर्न ले रही एक कार को पीछे से आई दूसरी कार ने टक्कर मार दी। जिससे एक गाड़ी सड़क पर पलट गई। दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। घटना के कारण सड़क पर जाम लग गया। इस दौरान मौके पर पहुंचे ट्रैफिककर्मी से राहगीर बहस करते भी दिखे। दक्षिण पश्चिमी जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी का कहना है कि किसी तरह से कोई शिकायत नहीं मिली है। दुर्घटना करने वाली गाड़ी के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक कापसहेड़ा पुलिस को द्वारका लिंक रोड पर दो गाड़ियों के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। तत्काल पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। जांच में सामने आया कि रेड लाइट पर सौरव झा नामक युवक अपनी कार यूटर्न ले रहा था। तभी पीछे से आ रही एक अन्य कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाली गाड़ी को संदीप नामक युवक चला रहा था। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एक कार सड़क पर पलट गई। इससे सड़क पर जाम लग गया। मौके पर पहुंचा ट्रैफिककर्मी जब दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों के फोटो लेने लगे तो राहगीरों ने जाम खुलवाने को लेकर उससे बहस की। पुलिस ने बाद में दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को मौके से हटाया। इसके बाद यातायात सुचारू हुआ।

निर्वाचन आयोग ने बुलाई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस

पटना/नई दिल्ली, 24 फरवरी। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह सम्मेलन चार और पांच मार्च 2025 को इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट नई दिल्ली में आयोजित होगा। यह पहला मौका होगा जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में इस तरह की बैठक आयोजित की जा रही है। इस बार सम्मेलन की विशेषता यह है कि पहली बार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को एक जिला निर्वाचन अधिकारी (ष्ठश्वह्र) और एक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (श्वक्रह्र) को नामांकित करने के निर्देश दिए गए हैं

सरकारी खजाना खाली लेकिन वादे होंगे पूरेः मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) ने वर्तमान सरकार के लिए सरकारी खजाना खाली छोड़ा है। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए महिलाओं के लिए 2500 प्रतिमाह की योजना को लागू कराएगी।

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आज प्रदेश कार्यालय में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक हुई। इस बैठक में आगामी विधानसभा सत्र और अपने-अपने क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। एक प्रश्न के उत्तर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार बनने के बाद से पिछले चार दिनों में लगातार बैठकें हुई हैं। हम विषयों को समझ रहे हैं। अधिकारियों के साथ सरकार ने वित्तीय स्थिति का आकलन किया है। हमने पाया है कि राज्य का राजस्व पूरी तरह से खाली है। इसके बावजूद हम विस्तार से योजना बनायेंगे और शत-प्रतिशत अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में सबसे महत्वपूर्ण विषय कैग की रिपोर्ट का होगा। पिछली सरकार को जनता की मेहनत की कमाई का दुरुपयोग करने के लिए लिए जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्हें (आआपा को) हर एक रुपये का हिसाब जनता को देना होगा। उन्होंने बताया कि कल से दिल्ली का पहला विधानसभा सत्र शुरू होने जा रहा है और इसमें दिल्ली की जनता से जुड़े हुए कामों पर ध्यान होगा।

आआपा और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के आरोपों का जवाब देते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता ने पिछले कार्यकालों के दौरान देखा है कि आम आदमी पार्टी ने क्या किया है। उनके काम का क्या तरीका है। उनका क्या विजन है। हमारा ध्यान केवल और केवल दिल्ली की जनता पर है।

प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सोमवार से दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र शुरू होने जा रहा है। विधानसभा सत्र से पूर्व आज भारतीय जनता पार्टी विधायकों की बैठक हुई है। सत्र से पूर्व विधायकों की यह बैठक होती है। हमारी सरकार का केवल एक ही एजेंडा है कि दिल्ली को विश्वस्तरीय बनाना। लोगों के दुख-तकलीफ दूर करना और उनके लिए काम करना। बैठक में जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने को चर्चा हुई है। हमारा काम ही आम आदमी पार्टी के मुंह बंद कर देगा।

दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाने का काम हम सब मिलकर करेंगे : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सांसद कमलजीत सहरावत एवं बांसुरी स्वराज के साथ आज राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय महाविशेष द्वारकेश बाहुबली स्वामी महामस्तकाभिषेक के अवसर पर जैन मुनी चारूकीर्ति पंडिताचर्याव्रिया भदारक महास्वामी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज की हमारे पर हमेशा से ही बड़ी कृपा रही है और उसी का परिणाम है कि दिल्ली के संपूर्ण विकास की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। रेखा गुप्ता ने कहा कि जो विश्वास इस समाज ने उनपर जताया है उसे हमेशा पूरा करने की वह कोशिश करेंगी। रेखा गुप्ता ने अंत में कहा की महावीर जयंती का कार्यक्रम जो संसद भवन में हुआ था उसे इस साल भी बड़े उत्सव के साथ मनाएंगे और विकसित दिल्ली के लिए हम लगातार काम करेंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गृहमंत्री अमित शाह से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट करके मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को नए दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और जनकल्याण की नीतियों पर जो भरोसा दिखाया है, उसे अटूट रखते हुए मुख्यमंत्री के रूप में आपका यह कार्यकाल निश्चित ही दिल्ली को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और जनता की सभी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

इसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गृहमंत्री अमित शाह धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आपके सहयोग एवं मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार दिल्ली की जनता के सपने पूर्ण करने और विकसित

दिल्ली के लक्ष्य के लिए हर क्षण प्रयत्नशील रहेगी। उल्लेखनीय है कि सोमवार से दिल्ली विधानसभा सत्र शुरू होगा और मंगलवार को सदन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट को रखा जाएगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सीएजी रिपोर्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी संयोजन अरविंद केजरीवाल पर खूब हमले किए थे।

गीता कालोनी फ्लाईओवर से नीचे गिरे बाइक सवार मामा-भांजा, एक की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गीता कालोनी फ्लाईओवर पर बने लूप से बाइक सवार दो युवक नीचे गिर गए। राहगीरों ने गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। अस्पताल में एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मामले की सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृतक 30 वर्षीय सोनू के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में घायल 27 वर्षीय सोनू आईसीयू में भर्ती है। हादसे का शिकार हुए दोनों युवक आपस में मामा-भांजे हैं, मामा की दी है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि मृतक 30 वर्षीय सोनू अपने परिवार के साथ भागीरथी विहार, उत्तर-पूर्वी पर कार्यरत है। छुट्टी होने के चलते वह अपने मामा के पास आया था। दोनों ने शराब का सेवन किया।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Nayab Uddin S/O Mehtab Uddin R/O 2312, Katra Alam Beg, Ballimaran, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006, declare that name of mine my father and my mother have been wrongly written as Nayabuddin, Mehtabuddin and Zulekhan Begum in my all educational documents and in my Passport No. C0748516 and name of mine and my father have been wrongly written as Nayabuddin and Mehtabuddin in my Driving Licence No. P01012005200747. The actual name of mine, my father and my mother are Nayab Uddin, Mehtab Uddin and Zulekha Begum respectively.

NAME CHANGE
I, No-15676138M Rank-NK Name-CHHATAN Presently residing at HOUSE No-366, GRAM-AND-HARIYA, PO-AMLA, TEH-AMLA, DIST-BETUL, MADHYA PRADESH-460551, have changed my name from CHHATAN to CHHATAN BARDE for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MALABIKA PRAGYAN PARAMITA Spouse of JC-768577L Rank- SUB Name-MEGHANADA PRADHAN Presently residing at BASUDEVPUR, PO-KHALISAHI, PS-KHANDAPARA, DIST-NAYAGARH, ODISHA-752077, have changed my name from MALABIKA PRAGYAN PARAMITA to MALABIKA PRAGYAN PARAMITA PRADHAN for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UZAIR AHMED son of MUKHTAR AHMED residing at B-13-6, 2ND FLOOR, SHAIL APTS, JOGA BAI EXTENSION, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name and shall hereafter be known as UZER AHMED.

NAME CHANGE
I, RUCHI W/O Late Shri RAVINDER KUMAR residing at 3387, BAZAR DELHI GATE, DARYA GANJ, DELHI-110002, have changed my name to RUCHIKA KUMAR after marriage as per my documents AADHAR CARD and PAN CARD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NIRESH Wife of JC-736797F Rank-NB/SUB Name-SATYAPAL SINGH Residing at THALUGARHI, HATHRAS, SADABAD, UTTAR PRADESH-281306, have changed my name from NIRESH to NIRESH DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14653605W Rank-HAV Name-RASHID EQBAL Residing at H. No-B26, SECTOR-C, SUNDER NAGAR COLONY, ASHOKA GARDEN, HUZUR, BHOPAL, MADHYA PRADESH-462023, have changed my name from RASHID EQBAL to RASHID EQUBAL for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ashok Kumar Ramnarayan Gupta S/O Ram Narayan Gupta R/O804, Tower F, Indsam-75 Noida, Guatam Budha Nagar Uttar Pradesh 201301 Have changed my name to Ashok Kumar Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Savitri Lal Rajak D/O Deonandan Lal W/O Rohit Kumar R/O 1078 Sec-D Pocket 1 Opposite Vasant Kunj South West Delhi 110070, Have Changed my minor daughter's (Ahana Lal) name and shall hereafter be known Ahana Kumar

NAME CHANGE
It is for general information that I, ARUN SINGH BHATI S/o DESHRAJ SINGH, R/o 185/15-B, Krishna Gali No. 4, Moujpur, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as ARUN and RENU in my minor son namely PIYUSH, aged 13 years in his School Record. The actual name of mine and my wife are ARUN SINGH BHATI and RENU DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RISHMA KUMARI W/O SANTOSH KUMAR PAHUJA, R/O WZ-119, STREET NO-02, GURU NANAK NAGAR, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018 have changed my name from RISHMA KUMARI to RESHMA KUMARI PAHUJA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Deepika D/o Satya pal Singh R/o Add-Flat no.1202 Tower -5 OC-05 Orange County Gh-04,Ahinsa Khand -1 Indrirapuram , Ghaziabad Uttar Pradesh-201014 have changed my name from Deepika to Deepika Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD AATIF S/O ABDUL JABBAR residing at B-2/16-C DDA FLATS, INDER LOK, DELHI-110035 have changed my name to MOHAMMAD ATIF for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I SUSHIL KUMAR GROVER S/O RAM AVTAR R/O B-6, SAWAN PARK ASHOK VIHAR PHASE-3, ASHOK VIHAR H.O P O: DISTRICT NORTH WEST DELHI, DELHI-110052, declare that name of mine has been wrongly written as SUSHIL KUMAR in my minor son namely PRATHAM GROVER aged 11 years in his school record. The actual name of mine is SUSHIL KUMAR GROVER which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as SWABHI alias SWABHI BAWA S/o SUDARSHAN SINGH residing at 76,77 , Second Floor, Gali No. -5 , Block -R, Phase -2 , Vikas Nagar, Uttam Nagar, D. K Mohan Garden, West Delhi, Delhi -110059 have changed my name and shall hereafter be known as SWABHI BAWA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sunil Kumar S/O Sukhdev R/O B-92 DDA Janta Flats, Kalkaji South Delhi 110019, Have Changed my minor daughter's (Vaishnavi) name and shall hereafter be known Sreeja.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SAMIULLAH S/o- MOHAMMAD EKARAM, residing at H. No.- 932, Gali No.-12, Behind Yes Bank, Kapeshera, Po- Gurgaon Road, Dist-South West Delhi, Delhi- 110037, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as IKRAM ALI and RIZWANA KHATOON in my class 10th and 12th CBSE marksheet and Certificate and Bachelor of Arts (Honours) Political Science IGNOU graduation educational documents. The actual name of my father and my mother are MOHAMMAD EKARAM and RIJWANA KHATUN respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SANJAY MEHRA son of Shri BUTA RAM, residing at 12/34, Ground Floor, Subhash Nagar, West Delhi, Delhi-110027, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SANIYA in my minor daughter SANIYA MEHRA aged 14 years in her School Record. The actual name of my minor daughter is SANIYA MEHRA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Pradeep Kumar S/o Mr. Prithvi Singh is the owner of Freehold Residential House No. 238, (Property ID- ICRUU861) Gali No. 2, area measuring 100 Sq. Yds., situated at Lal Dora in the area of Village Sikanderpur Ghosi, Tehsil Wazirabad, District Gurugram, Haryana. by virtue of Transfer Deed Dated 21.05.2024 as Doc. No. 3442, in Book No. 1, Vol. No. 169/5607, on Pages 9.5/41-44, on Dated 21.05.2024, SR- Wazirabad., In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed Dated 16.11.2022, executed by Mr. Munshi & Mr. Jay Bhagwan in favour of Mrs. Manoj Devi as Doc. No. 15737, in Book No. 1, Vol. No. 3709, on Pages 183.25/55-56, on Dated 16.11.2022, SR- Wazirabad. Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Gurugram, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Afshan Sarwar D/O: Ghulam Sarwar R/O Permanent, address house no 695 Road no 01, aliganj Near mobile Tower, Gaya, Gaya, Bihar - 823001,Present address QTR 558 SECTOR- 7 RK PURAM, NEW DELHI- -110022, declare that name of my father has been wrongly written as Gholam Sarwar in my 10th,12th and all educational documents , The actual name of my father is GHULAM SARWAR,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sunil Kumar S/O Ram Avtar, R/O HNo 53 A(53/1), East Portion, Village Malikpur, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, North West Delhi, Delhi - 110009, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Sunil Diwakar and Usha Diwakar in my minor daughter namely Nisha Diwakar aged 17 years in her 10th class educational document.The actual name of mine and my wife are SUNIL KUMAR AND USHA DEVI. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ARUN SINGH BHATI S/o DESHRAJ SINGH, R/o 185/15-B, Krishna Gali No. 4, Moujpur, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of my wife has been wrongly written as RENU in my minor Daughter namely VANSHIKA, aged 12 years in her School Record. The actual name of my wife is RENU DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DINESH KUMAR JAIN S/O RATTAN LAL JAIN R/O 515/5,STREET NO-5, NEAR NATIONAL SCHOOL, PATEL NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO DINESH JAIN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SORAV S/o RAJESH R/o B-603, Phase-2, JJ Colony, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041 declare that name of mine has been wrongly written as SOURAV in my SC Caste Certificate No. SC/03/31/33250/10/8/2010/ 8931028327. The actual name of mine is SORAV which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JC-472648A Rank-SUB Name-JITENDRA SINGH RATHORE Presently residing at VPO-JASRASAR, TEH+DIST-CHURU, RAJASTHAN-331001, have changed my mother's name from PREMA KANWAR to PREM KANWAR for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD ASLAM SIDDIQUI S/O LATE MASOOD ALAM SIDDIQUI R/O 605, 21, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, have changed my name from MOHAMMAD ASLAM to MOHAMMAD ASLAM SIDDIQUI for all purpose in future

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O CHANDRU MAL , R/O WZ-119, UGF, STREET NO-02, GURU NANAK NAGAR, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018 have changed my name from SANTOSH KUMAR to SANTOSH KUMAR PAHUJA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Thakur Prasad S/O Om Prakash R/O H.No. A-291/A Gali No.7, Near Community Hall, Mandoli, Extn. Delhi, DIST: North East Delhi-110093, have changed the name of my minor daughter namely Shaily Alias Nabhya Shri aged 2 years and she shall hereafter be known as Nabhya Shri

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी / 84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **ज़ाहिद,** पुत्र मोहम्मद सईद, निवासी- मकान नंबर 271, गली नंबर 06, तिसरा पुस्ता संडे मार्केट खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट नंबर 149/2021 धारा 33/52/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम थाना संगम विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ज़ाहिद** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ज़ाहिद** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **ज़ाहिद, प्रथम सूचना रिपोर्ट नंबर 149/2021 धारा 33/52/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम थाना संगम विहार, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 25.03.2025 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री संकल्प कपूर
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-04
दक्षिण जिला, कमरा नं. 211
साकेत कोर्ट काम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/2207/SD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **शहजाद गौड पुत्रः शमशाद गौड, पताः** केला गोदाम वाली गली के सामने बंगाली पर डाबर तालाब लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **CC No. 145/2015,** थानाः गाजीपुर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद गौड** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद गौड** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 145/2015,** थानाः गाजीपुर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **शहजाद गौड** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—03
जिला पूर्व, कोर्ट नं. 16, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2267/ED/2025
(Court Matter)

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेसर्स **नानी रिसॉर्ट्स और फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड** को **ग्राम हर्सारू के राजस्व क्षेत्र, सेक्टर-88A, गुड़गांव मानेसर परिसर, गुड़गांव, हरियाणा** में **डीडीजेएवाई 2016 के तहत सस्ते आवासीय प्लॉटेड कॉलोनी परियोजना** आरओएफ प्रवासा के विस्तार के लिए राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, हरियाणा (देखें पत्र संख्या SEAC/HR/2024/269;ECIdentificationNo.EC24C3801HR5971393N; दिनांक **20/02/2025)** से पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है।

NANI RESORTS AND FLORICULTURE PRIVATE LIMITED
REGISTERED OFFICE
M-18, Greater Kailash, Part-II, New Delhi-110048

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Ashwani Verma S/O Kewal Kirshan Verma R/O K-1/157, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, declare that the name of mine and my father have been wrongly written as Ashwani Kumar and Kewal Kirshan in my Driving Licence no. - DL04 20020045151. The actual name of mine and my father are Ashwani Verma and Kewal Kirshan Verma

NAME CHANGE
I, SHKUNTLA DEVI Mother of No-15681157F Rank-HAV Name-BABLU KUMAR Presently residing at ARIYAN, SISWAN, NAWADA, SISMA, BIHAR-805111, have changed my name from SHKUNTLA DEVI to SHAKUNTALA DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1952 vide affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I DEEPIKA BATRA D/O BHARAT BHUSHAN BATRA W/O VIKRAM KUMAR R/O B-24-C, STREET NO-17, BHARAT VIHAR RAJA PURI, D. K. MOHAN GARDEN WEST DELHI, DELHI-110059, declare that name of mine and my father has been wrongly written as DEEPIKA and OM KUMAR in my PAN Card No-APFPD1063A. The actual name of mine and my father are DEEPIKA BATRA and BHARAT BHUSHAN BATRA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KHURSHID ALAM S/O SHABBIR HUSSAIN R/O 1122, Sarwat, Muzaffarnagar, Muzaffar Nagar City, Uttar Pradesh-251002 declare that the name of my wife has been wrongly written as SARBAT JAMAL in my PPO NO-POSTAL/2014/UP/15263/RP-2838/GP2-P-V. The actual name of my wife is SARVAT JAMAL respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SHEWALE ANJANA DILIP Mother of No-15715963H Rank-L/NK Name-SHEWALE VIJAY DILIP Presently residing at ROOM NO-985, SS-3, GANPATI MANDIR, SECTOR-5, VPO-KOPAR KHAIRNE, DIST-THANE, MAHARASHTRA-400709, have changed my name from SHEWALE ANJANA DILIP to ANJANA DILIP SHEWALE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/02/1968 instead of my correct date of birth as 06/04/1972 vide Affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHEWALE PANDURANG DILIP Father of No-15715963H Rank-L/NK Name-SHEWALE VIJAY DILIP Presently residing at ROOM NO-985, SS-3, GANPATI MANDIR, SECTOR-5, VPO-KOPAR KHAIRNE, DIST-THANE, MAHARASHTRA-400709, have changed my name from SHEWALE PANDURANG DILIP to DILIP PANDURANG SHEWALE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/03/1968 instead of my correct date of birth as 07/03/1958 vide Affidavit dated 24/02/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my clients SH. KRISHAN son of Shri JALE SINGH and his wife Mrs. SANTOSH both are residence of R129 A, Block R, Mohan Garden Uttam Nagar Delhi-110059 have severed all relations with their son namely Sachin and his wife SMT. Muskan Lakra have disowned & disinherited them from all their movable and immovable properties and social relations due to 'Muskan s unruly behavior and her threat to false implication of entire family of my clients. Whosoever deals with them in any matter, shall do so at his/her own risk & consequences and my clients shall not be held liable for that.

GUL AFROZ ADVOCATE
Ch. 11, old civil supply building
Tis hazari court, DELHI

चंडीगढ़-शिमला हाईवे पर तेज स्पीड कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई

कार में सवार सभी 4 लोगों की मौत हो गई

एजेंसी

पंचकूला। पंचकूला में रविवार सुबह चंडीगढ़-शिमला हाईवे पर तेज स्पीड कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इससे कार में सवार सभी 4 लोगों की मौत हो गई। इनमें हिसार और पंचकूला का 1-1 जबकि 2 मोहाली के रहने वाले हैं। मृतकों में 2 नाबालिग थे। वहीं इसके पीछे दूसरी गाड़ी में आ रहे उनके 3 दोस्तों की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस की जांच के मुताबिक कार का टायर फटा था, जिस वजह से वह बेकाबू हो गई। सुबह 5 बजे हाईवे पर हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची। इनमें से 3 लोगों की लाशें सड़क पर पड़ी थीं जबकि चौथा व्यक्ति क्षतिग्रस्त कार के भीतर ही फंसा हुआ था। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचित कर दिया है। 'पंचकूला पुलिस ने बताया कि 2 गाड़ियों में 7 दोस्त रविवार सुबह परवाणू से पंचकूला की तरफ आ रहे थे। आगे वरना कार (HR-26EK-0056) चल रही थी, जिसमें 4 दोस्त सवार थे। इनके पीछे वाली दूसरी गाड़ी में 3 दोस्त सवार थे। जब वे चंडीगढ़-शिमला हाईवे पर आए तो सोलन-शिमला बाईपास पर आगे चल रही वरना कार का बायां टायर अचानक फट गया।'

सांसद किरण चौधरी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए की मांग

भिवानी। राज्य सभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर भिवानी में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है। श्रीमती किरण चौधरी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इसकी एक प्रति प्रेषित कर मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है। इस पत्र पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव की व्यवहार्यता की जाँच करने का आश्वासन दिया है। श्रीमती किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर मांग की कि भिवानी में जिला मुख्यालय पर एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है, जो वर्ष 2025-26 के सत्र से आरंभ होने का प्रस्तावित है। यह कॉलेज न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएगा, बल्कि इस क्षेत्र और आसपास के जिलों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। उन्होंने लिखा कि भिवानी जिले के युवाओं का खेलों के प्रति गहरा लगाव है और राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक तालिकाओं में भिवानी का स्थान सर्वोपरि है। भिवानी को मिनी क्यूबा के नाम से भी जाना जाता है।

नगर परिषद अम्बाला छावनी में भाजपा प्रधान व 32 पार्षद होंगे तो ऊपर से नीचे तक योजनाओं का करंट ठीक आएगा: अनिल विज

भिवानी। राज्य सभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर भिवानी में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है। श्रीमती किरण चौधरी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इसकी एक प्रति प्रेषित कर मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है। इस पत्र पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव की व्यवहार्यता की जाँच करने का आश्वासन दिया है। श्रीमती किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर मांग की कि भिवानी में जिला मुख्यालय पर एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है, जो वर्ष 2025-26 के सत्र से आरंभ होने का प्रस्तावित है। यह कॉलेज न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएगा, बल्कि इस क्षेत्र और आसपास के जिलों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। उन्होंने लिखा कि भिवानी जिले के युवाओं का खेलों के प्रति गहरा लगाव है और राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक तालिकाओं में भिवानी का स्थान सर्वोपरि है। भिवानी को मिनी क्यूबा के नाम से भी जाना जाता है।

रोहतक को मजबूर नहीं मजबूत मेयर चाहिए : दीपेन्द्र सिंह हुड्डा

रोहतक। कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि रोहतक को मजबूर नहीं मजबूत मेयर चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में बीजेपी सरकार ने रोहतक में विकास के काम पर कभी फोकस नहीं किया। घोटाले पर घोटाले हुए, लेकिन कोई जांच नहीं हुई क्योंकि ऊपर की दोनों सरकारें बीजेपी की ही थी। खुद भाजपा सांसद ने खुलासा किया था कि रोहतक में अमृत योजना में तीन सौ करोड का घोटाला हुआ। उन्होंने कहा कि शहर की सीवरेज सफाई के लिये आये पैसों से सफाई तो हुई नहीं, लेकिन तीन सौ करोड साफ हो गए। सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा रोहतक में कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी सूरजमल किलोई व पार्षद उम्मीदवारों के समर्थन आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच चुका है।

लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्यरत : मुख्यमंत्री नायब सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूरे हरियाणा में विकास की विचारधारा के साथ कार्य करवाएं जा रहे हैं। समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिले, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से सरकार सार्थक कदम बढ़ा रही है। आमजन के हितों की अनदेखी न हो इस पर सरकार का पूरा फोकस है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी फरीदाबाद में अपने दौरे के दौरान आमजन से सीधा संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान महान विभूतियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर सपूतों को नमन भी किया। उन्होंने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि रेल, सडक के साथ ही मेट्रो कनेक्टिविटी के साथ आने वाले दिनों में बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो का विस्तार करके क्षेत्र को सौगात देने का कार्य भी वर्तमान सरकार द्वारा किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा की भावना से सरकार कार्य कर रही है और लोगों

को उनके घर द्वार पर सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाते हुए लाभान्वित किया जा रहा है। बिना किसी भेदभाव के समान विकास कराने का लक्ष्य लेकर केंद्र व प्रदेश सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि जन सुविधा के लिए सरकार ने उपमंडल से लेकर जिला स्तर के कार्यालयों में समाधान शिविरो का आयोजन कर हर वर्ग से जुड़ी समस्याओं का निदान प्रत्येक कार्य दिवस पर सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सरकार लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए कार्य कर रही है। आज लोगों को अपने कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, इसके लिए सभी जरूरी सेवाएं ऑनलाइन की जा रही है। इससे पूरी पारदर्शिता के साथ कम समय में आमजन के कार्य हो रहे हैं। पूरे हरियाणा में आवागमन सुविधा को बेहतर बनाया गया है और मजबूत सड़क सुरक्षा तंत्र के साथ सडकों का जाल बिछाकर परिवहन को सुगम बनाया गया है। वहीं गरीब और जरूरतमंदों के लिए परिवहन विभाग की हैप्पी कार्ड योजना काफी लाभकारी सिद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर भी काफी सजग है। प्रदेश सरकार चिरायु योजना के तहत जरूरतमंद लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाकर उनके परिवारों को 5 लाख रुपए तक सालाना मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया करवा रही है। इसमें जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपए तक है उनके मुफ्त में आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। वहीं तीन लाख तक की सालाना आय वाले परिवार के लिए 1500 रुपए के शुल्क पर इस सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो को भी आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ निशुल्क देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार किए गए हैं। हरियाणा में छात्राओं को उच्च शिक्षा देने के उद्देश्य से महाविद्यालयों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की पहल करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। उन्होंने बताया कि आज युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची के सरकारी नौकरियां दी जा रही है। इससे अब हर वर्ग के युवा अपनी मेहनत के दम पर सरकारी नौकरी पाने में सफल हो रहे हैं। वहीं खेलों में भी हरियाणा का डंका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बज रहा है। प्रदेश के खिलाड़ी विश्व स्तर की स्पर्धाओं में मेडल हासिल करके देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

विरोधी पार्टियों के बहकावे में नहीं आएगी जनता: रेखा शर्मा

जींद। जुलाना कस्बे की परशुराम धर्मशाला में भाजपा की राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा पहुंची और जनसभा को संबोधित किया। रेखा शर्मा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार चल रही है और जुलाना में भाजपा का उम्मीदवार ही जीतेगा। विरोधी पार्टी के लोगों ने गलत प्रचार कर दिया था, एक समय था जब लोग बहकावे में आ गए थे लेकिन अब नही आएंगे। प्रदेश में भाजपा की सरकार के साथ लोग चलेंगे।

पूरा प्रदेश भाजपा के साथ हैं। रात के 12 बजे भी मुख्यमंत्री मिलते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री जमीन से जुड़े हुए हैं। प्रदेश के मंत्री और सांसद की हर सीट पर जिम्मेवारी लगाई गई है। रेखा शर्मा ने भाजपा के उम्मीदवार डा. संजय के पक्ष में वोट करने की अपील की। रेखा शर्मा की मौजूदगी में दर्जनों लोगों ने कांग्रेस छोड़ भाजपा पार्टी का पटका पहन लिया। रेखा शर्मा ने कहा कि भाजपा में एक कार्यकर्ता को पूरा मान सम्मान दिया जाता है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल, डा. संजय जांगडा, सत्यवान खटकड़, डा. पुष्पा तायल आदि मौजूद रहे।

दान और धर्म सनातन का आधार :रामबिलास शर्मा

एजेंसी

महेंद्रगढ़। श्री रामलीला परिषद् के मुख्य मंच के दाई तरफ बने नये भवन का उद्घाटन नगर के गणमान्यजनों की उपस्थिति में पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा ने संतों के सानिध्य में किया। जानकारी देते हुए प्रबंधक अतुल दीवान, कोषाध्यक्ष राजेश लावणिया ने बताया कि नगर की प्राचीनतम संस्था श्री रामलीला परिषद् के प्रांगण में दो कमरे, एक हॉल और शौचालय का निर्माण श्री रामलीला परिषद् ने समाजसेवी नवीन गोयल पंसारी के सहयोग से स्व. श्रीमती शान्ति देवी धर्मपत्नी स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री मोहन लाल गोयल की पुण्य स्मृति में करवाया है जिसका उद्घाटन आज सम्पन्न हुआ। पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता श्री रामलीला परिषद के प्रधान दिनकर बोहरा ने की। मुख्य अतिथि का परिषद में पहुँचने पर ढोल नगाड़ों और पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। पंडित केशव शर्मा ने मंत्रोच्चरण के साथ पूजन करवाया उसके बाद नये भवन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में महंत शक्तिनाथ सिसोठ धाम, योगी वचनाईनाथ पथरवा, बाबा इतवारगिरी महेंद्रगढ का कार्यक्रम में सानिध्य रहा। मुख्य अतिथि और नव भवन निर्माणकर्ता

नवीन गोयल समाजसेवी का पुष्पमाला, शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। परिषद् परिवार की तरफ से कार्यकारी प्रधान अमित मिश्रा और कोषाध्यक्ष राजेश लावणिया ने मंच के माध्यम से सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रामबिलास शर्मा ने कहा कि दान और धर्म सनातन का आधार हैं। इस प्रकार सामाजिक और धार्मिक कार्यों में लगाया गया धन कई गुना प्रतिफल देता है। सभी लोगों को समाज हित के लिए दान करना चाहिए। समाज के प्रति हमारे उत्तरदायित्व की जिम्मेदारी हम सबको समझनी चाहिए। नवीन गोयल समाज के लिए एक मिसाल है। गौरतलब है कि नवीन गोयल द्वारा पूर्व में भी एक वातानुकूलित कमरे का निर्माण परिषद् प्रांगण में अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में करवाया हुआ है। इस अवसर पर चेतनप्रकाश गौड़, सुधीर दीवान, सुभाष अग्रवाल, विजय अग्रवाल, रमेश कौशिक, जिला पार्षद देवेन्द्र यादव, विवेक खैरवाल, दिनेश यादव, डा. तरुण यादव, मयंक लावणिया, सुशील बिढ़ाट, नरेश जोशी, सूर्यप्रकाश कौशिक, विष्णु सोनी, दलीप गोस्वामी, राजेश लोहिया, ओमप्रकाश भोमा, रामचन्द्र जांगड़ा, राजेन्द्र पोपली, राजेश बोहरा, पतराम यादव, राजू सोनी, गिरधर कनौडि, अनिल सेठ, मुकेश झुकिया, महावीर भांडोरिया, प्रमोद शास्त्री, सुरेश शास्त्री सहित सैकड़ों की संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

धड़ों में बंटी कांग्रेस अभी चुनाव लड़ने की सोच भी नहीं पाई : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने हिसार में दावा करते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय है। जनता ने ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की ठान ली है। कांग्रेस को घेरते हुए बड़ौली ने कहा कि गुटों में बंटी कांग्रेस चुनाव लड़ना तो दूर अपने सभी धड़ों को भी एकजुट नहीं कर पाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हिसार में आधा दर्जन नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया और मेयर प्रत्याशी प्रवीण पोपली के लिए वोट मांगी। हिसार पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली का लोगों ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार भाजपा को जनादेश देकर जनता ने डबल इंजन की सरकार बनाई है और अब निकाय चुनाव में जनता भाजपा का साथ देकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का पूरा मन बना चुकी है। बड़ौली ने कहा कि लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि केंद्र व हरियाणा में भाजपा की सरकार है, इसलिए क्षेत्र का विकास ट्रिपल इंजन की सरकार में संभव है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों को वोट देकर

जनता शहर के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और कांग्रेस को इस चुनाव में भी मुंह की खानी पड़ेगी। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जो हर वर्ग की आशाओं पर खरा उतरती है। केन्द्र की मोदी और प्रदेश की नायब सरकार अपने संकल्प पत्रों को पूरा करते हुए जनकल्याण की योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो वादा करती है उसे गारंटी के साथ पूरा करती है।

बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं को 2100 रुपये देने का जो वादा किया है उसे जल्द ही पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा बजट के बाद महिलाओं को 2100 रुपये देने का संकल्प पूरा करने का ऐलान कर दिया है। नायब सरकार के निर्णय से प्रदेश की आधी आबादी खुश है। प्रदेश अध्यक्ष ने शहर की जनता ने अपील करते हुए कहा कि वे कमल के फूल के बटन के निशान पर वोट देकर शहर की छोटी सरकार बनाएं।

रोहतक में फर्नीचर के गोदाम में लगी आग, सारा सामान हुआ राख

रोहतक। सुखपुरा चौक स्थित पॉवर हाउस के समीप जींद रोड पर बने एक फर्नीचर के गोदाम में रविवार सुबह भयंकर आग लग गई, जिससे गोदाम में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इस दौरान गोदाम में रखा एक गैंस सिलेडर आग की चपेट में आने से फट गया, जिस कारण गोदाम में बनी शैड भी टूट गई सूचना मिलने पर दमकल विभाग की पांच गाडिया मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान आग बुझाने के चक्कर में गोदाम का मालिक भी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए ले जाया गया। पुलिस के अनुसार अशोक ने बताया कि जींद रोड पर उसका फर्नीचर का गोदाम है, जिसे सोफे व बैड आदि तैयार करने का काम किया जाता है। सुबह गोदाम पर काम कर रहे कारीगर ने उसे फोन कर सूचना दी कि गोदाम में भयकर आग लग गई है और गैंस सिलेडर भी फट गया है। सूचना मिलते ही वह तुरंत अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचा और कारीगरों के साथ मिलकर आग से सामान हटाने का प्रयास करने लगा।

इको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जंगल सफारी का प्रस्ताव लगभग तैयार : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के चलते आज बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण सरंक्षण एक वैश्विक चिंता का विषय बनता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिए हमें प्रकृति व वन्य जीव सरंक्षण के प्रति संवेंदनशील होना होगा। अब तो निजी क्षेत्र के साथ-साथ कई नए युवा स्टार्टअप भी प्रकृति व वन्यजीव सरंक्षण में रूचि दिखा रहे हैं जो सरकारी प्रयासों के साथ-साथ एक सराहनीय पहल है। आज यहाँ जारी एक वक्तव्य में राव नरबीर सिंह ने कहा कि आगामी 3 मार्च, 2025 को विश्व वन्यजीव दिवस पर हमें विलुप्त होती वन्यजीव प्रजातियों को संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मन की बात के 119वें एपिसोड में भी वन्यजीवों को बचाने की बात कही है। हरियाणा वन विभाग अरावली क्षेत्र में ईको सिस्टम को बढ़ावा देने व इसको सरंक्षित करने के प्रति गंभीरता से कार्य कर रहा है। अरावली क्षेत्र में जंगल सफारी व अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट की रूपरेखा तैयार की गई है। अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट का शुभारंभ केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव गत दिनों कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जंगल सफारी परियोजना पहले पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की जानी थी परंतु अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसकी जिम्मेदारी वन एवं वन्य जीव विभाग को सौंपी है। विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं विभाग के अधिकारियों के साथ नागपुर (महाराष्ट्र) के गोरेवाड़ा वन्यजीव सफारी तथा जाम नगर, गुजरात के वनतारा परियोजना का दौरा कर चुके हैं।

चुनावों में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत देते हुए विजय बनाने की अपील की

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा में निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से हरियाणा का घोषणा पत्र जारी किया गया। गुरुग्राम के कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता में घोषणा पत्र जारी करते हुए वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश के मतदाताओं से निकाय चुनावों में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत देते हुए विजय बनाने की अपील की।

गुरुग्राम के कांग्रेस भवन में घोषणा पत्र जारी करने के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, पूर्व मंत्री कप्तान अजय सिंह यादव, प्रभारी करण दलाल, पूर्व मंत्री गीता भुक्कल, पूर्व मंत्री सुखबीर सिंह कटारिया, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, वर्धन यादव, मोहित ग्रोवर, पर्ल चौधरी, मीडिया कॉर्डिनेटर एवं शहरी कॉर्डिनेटर पंकज डावर, ग्रामीण कॉर्डिनेटर विरेंद्र यादव, पंकज भारद्वाज, सहप्रभारी ठाकुर राजाराम समेत कई नेता मौजूद रहे। पत्रकार वार्ता में हरियाणा के चुनावी घोषणा पत्र पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने विस्तार से चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने हरियाणा निकाय चुनाव का घोषणा पत्र पढ़ा। गुरुग्राम का घोषणा कांग्रेस की मेयर पत्र सीमा पाहुजा ने पढ़ा।

10 साल में भी सरकार मूलभूत सुविधाएं नहीं दे पाई: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

इस अवसर पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जनता कांग्रेस का मेयर व अधिक से पार्षद चुनकर सदन में भेजे। गुरुग्राम के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने घोषणा पत्र सांझा करते हुए कहा कि नगर निगम, गुरुग्राम चुनाव-2025 के कांग्रेस का यह घोषणा पत्र स्थानीय मुद्दों, समस्याओं पर आधारित है। 10 साल से भाजपा की सरकार के शासन में गुरुग्राम में वे मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई, जिनके वायदे करके भाजपा सत्ता में आई है। नगर निगम पर भी भाजपा काबिज रही, लेकिन तस्वीर नहीं बदली। कांग्रेस पार्टी अपने घोषणा पत्र के माध्यम से गुरुग्राम की जनता से यह वायदा करती है कि गुरुग्राम की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया जाएगा। हर समस्या का तय समय में समाधान, हर सुविधा विश्वस्तरीय दी जाएगी।

रोजाना एक घंटा मैदान में रहने वाला हमेशा रहता है स्वस्थ : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि जो व्यक्ति रोजाना एक घंटा मैदान में रहता है, उसे कभी बीमारी नहीं आती है। प्रदेश के हर स्कूल में भी एक घंटा खेल होना चाहिए। इससे स्वास्थ्य बना रहेगा। स्वास्थ्य बना रहने के साथ आत्म विश्वास में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि आज की इस प्रतियोगिता में जो जीते हैं और जो हारे हैं। सभी ने बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया। हार के बाद एक नया जोश उत्पन्न होता है, जो भविष्य की जीत को तय करता है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय आज सेक्टर - 3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में यूटी क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में हिम्स हॉक्स टीम ने वाइल्डवुड वॉरियर्स को हराकर टाइटल जीता। विजेता टीम को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने ट्राफी देखकर सम्मानित किया। इस

प्रतियोगिता में मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब खिलाड़ी शिवम बामरी को मिला। फाइनल मुकाबले के बेस्ट खिलाड़ी और बेस्ट गेंदबाज राहुल सिंह रहे और देवांश कौशिक को बेस्ट बल्लेबाज का खिताब मिला।

बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी दक्षता, शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया है। मेरी कामना रहेगी कि आप सभी जीवन में ऊंची उपलब्धियां हासिल करें। उच्च मनोबल व दृढ निश्चय द्वारा ही सभी कठिनाईयों का सामना कर लक्ष्य की प्राप्ती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जयंती है। उन्होंने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुरीतियों को समाज से दूर करने में अपना योगदान दिया। मैं उन्हें नमन करता हूं और आप सभी से उनके द्वारा दिए गए संदेशों को जीवन में अपनाने का आग्रह करता हूं। राज्यपाल ने बताया कि जुलाई 2019 में बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त करने के बाद व 35 वर्षो के अथक प्रयासों के बाद, यूटी क्रिकेट एसोसिएशन ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यूटीसीए के 500 से अधिक खिलाड़ियों ने बीसीसीआई टूर्नामेंटों में चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है। कई खिलाड़ियों ने वर्ष 2021 से वर्ष 2025 के बीच अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की है। उन्होंने बताया कि यूटीसीए सालाना 60 से अधिक बीसीसीआई-स्वीकृत मैचों की मेजबानी करता है, जिसमें प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी खेल शामिल हैं। एसोसिएशन राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी शिविर आयोजित करता है, जिससे चंडीगढ़ की स्थिति एक प्रमुख क्रिकेट केंद्र के रूप में मजबूत होती है। बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि इस प्रतियोगिता से निश्चय ही सभी खिलाड़ियों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

तावडू में वार्षिक कलचर अकेढमी स्पोंटस एंड वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

एजेंसी

तावडू। उपमंडल के गांव मौहम्मदपुर अहीर में स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक कलचर अकेढमी स्पोंटस एंड वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी

नरेश कुमार ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विद्यालय प्राचार्य मंजीत वर्मा, पूर्व चेयरमैन रोहताश, अर्जन सिंह, राम किशन, राम नारायण, एसएमसी प्रधान पूनम देवी आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन विनोद शर्मा तथा सुदेश कुमारी ने किया। खेलों का आयोजन पीटीआई खजान सिंह द्वारा कराया गया। कार्यक्रम में सौ मीटर दौड, 2 सौ मीटर दौड, कब्बडी, शाटपुट, रिले दौड व वार्षिक परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रसंशा पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को हर कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने से उनके हुनर की पहचान होती है और उन्हें भविष्य में आगे बढने की प्रेरणा भी मिलती है।

हरियाणा में पहली बार होगा फुटबॉल सुपर लीग: सूरजपाल अम्मू

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक सोहना में हुई। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष अध्यक्षता सूरजपाल अम्मू ने की। बैठक में हरियाणा के विभिन्न जिलों से फुटबॉल कोच और अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। इस दौरान फुटबॉल कोच सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा में फुटबॉल को आगे बढ़ाने के तरीकों, ट्रायल आयोजनों और शिविरों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरजपाल ने हरियाणा सुपर लीग करने की बात कही। यह लीग हरियाणा में पहली बार होने जा रहा है। अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने भी बताया कि कोच और प्लेयर्स का तालमेल होना बहुत

जरूरी है। यह मीटिंग प्रशिक्षकों को सामना कर रहे विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए रखी गयी थी। बैठक के दौरान फुटबॉल के विभिन्न बिन्दुओं पर सभी ने अपनी अपनी बात रखी एवं आगामी कंपीटिशन की तैयारी एवं डेट्स पर चर्चा हुई। प्रशिक्षकों की मीटिंग भी हरियाणा में पहली बार हुई है। बैठक में हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आनंद मेहता, झज्जर से अशोक गुलिया, ओम तंवर, संदीप दलाल हिसार, मंदीप तंवर, जींद से आनंद,राजेश फतेहाबाद, मनी यमुनानगर, सुखविंदर हिसार,

NAME CHANGE
I hitherto known as JAI BHAGWAN S/o RAMPAT SHARMA R/o House No. - 553, Upper Ground Floor, Sector 9A, Gurgaon, Haryana - 122001 have changed my name and shall hereafter be known as JAI BHAGWAN SHARMA.

विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर गिरकर 635.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई । विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में भारी गिरावट से 14 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन सप्ताह बाद 2.54 अरब डॉलर लुढ़ककर 635.7 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे सप्ताह चढ़ता हुआ 7.7 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 638.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 14 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.52 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 539.6 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.94 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 74.2 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.9 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर की तेजी के साथ 4.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रेलवे में एसी थ्री टियर की बंपर डिमांड! पांच साल में राजस्व में जबरदस्त उछाल, आंकड़े कर देंगे हैरान

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में यात्रा का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। एक समय स्लीपर क्लास राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देता था, लेकिन अब एसी 3 टियर ने इसकी जगह ले ली है। पिछले पांच वर्षों में इस श्रेणी से रेलवे को होने वाली कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया है। 2024-25 में, रेलवे के कुल अनुमानित 80,000 करोड़ रुपये के यात्री राजस्व में अकेले एसी थ्री टियर का योगदान 30,089 करोड़ रुपये (38त्न) रहने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ 26 करोड़ यात्री (कुल 727 करोड़ में से 3.5फीसदी) इस श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक कमाई करने वाली श्रेणी बन गई है। बजट 2025-26 के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में, भारतीय रेलवे का कुल यात्री राजस्व 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। जिसमें से अकेले एसी थ्री टियर से 30,089 करोड़ रुपये (38फीसदी) आ सकते हैं। दूसरी ओर, स्लीपर क्लास से महज 19.5त्न का राजस्व मिलने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि केवल 26 करोड़ यात्री (727 करोड़ यात्रियों में से 3.5त्न) इस श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक राजस्व दे रहा है यह प्रवृत्ति भारत में यात्रा के प्रति बढ़ती प्राथमिकता और आर्थिक सुधार को दर्शाती है। अधिक यात्री अब आरामदायक और बेहतर सुविधाओं वाली यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके कारण एसी थ्री टियर से आने वाले राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है।

बढ़ते तापमान से 2030 तक 30फीसदी कृषि कर्ज डूबने का खतरा, जलवायु परिवर्तन से प्रति व्यक्ति आय में गिरावट

नई दिल्ली। बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के कारण अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कृषि एवं आवासीय कर्ज के 30 फीसदी हिस्से के डूबने का जोखिम है। बीसीजी की एक विश्लेषण रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में करीब 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इस कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ रही है और कृषि उत्पादन घट रहा है। इसके परिणामस्वरूप, बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं से प्रभावित लोगों की प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आई है रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज, प्रकृति और उसके पारिस्थितिकी तंत्र पर काफी हद तक निर्भर है। इसलिए, कोई भी प्राकृतिक आपदा उनके मुनाफे को प्रभावित करती है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत के 42 फीसदी जिलों में तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगले पांच साल में तापमान वृद्धि से 321 जिले प्रभावित हो सकते हैं, जिससे लोगों की कमाई पर असर पड़ सकता है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक एवं भागीदार एशिया प्रशांत अभिनव बंसल ने कहा, भारत कोयले और कच्चे तेल से दूर होकर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत को यह बदलाव लाने/परिवर्तन करने के लिए सालाना 150-200 अरब डॉलर का निवेश करना होगा।

अदाणी समूह ने बीते वित्त वर्ष में चुकाया 58104 करोड़ का कर; पाक-बांग्लादेश में प्रत्यक्ष व्यापार बहाल

मुंबई। अदाणी समूह की कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023-24 में 58,104 करोड़ रुपये का कर चुकाया है। समूह ने वित्त वर्ष 2022-23 में 46,610 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया था। अदाणी समूह ने बताया कि भुगतान किए गए करों में वैश्विक कर, शुल्क और अदाणी पोर्टफोलियो की कंपनियों की ओर से वहन किए गए अन्य शुल्क, अन्य हितधारकों की ओर से जुटाए व भुगतान किया गया अप्रत्यक्ष कर योगदान व शुल्क और कर्मचारियों के लाभ के लिए सामाजिक सुरक्षा योगदान शामिल हैं। दरअसल, अरबपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले समूह ने वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024) के लिए अपनी कर पारदर्शिता रिपोर्ट जारी की है। समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट्स की ओर से प्रकाशित स्वतंत्र रिपोर्टों में इसकी जानकारी दी गई है।

एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट में नया साइलो और रैपिड लोडिंग सिस्टम चालू

एजेंसी

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एसईसीएल) परियोजनाओं के माध्यम से अपनी खदानों से सुरक्षित और टिकाऊ कोयला निकासी बढ़ाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर में एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट ने शुक्रवार को अपने नवनिर्मित रैपिड लोडिंग सिस्टम और साइलो 3 और 4 से पहला कोयला रेक लोड करके सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया। यह पर्यावरण के अनुकूल और कुशल कोयला परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अनुसार नए चालू किए गए दीपका सीएचपी-साइलो एफएमसी प्रोजेक्ट की वार्षिक कोयला निकासी क्षमता 25 मिलियन टन है, जिससे मेगा प्रोजेक्ट की सम्प्रेषण दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नए साइलो के चालू होने से पहले दीपका 15 एमटीपीए की क्षमता वाले मेरी-गो-राउंड (एमजीआर) सम्प्रेषण प्रणाली पर निर्भर था। साइलो 3 और 4 के चालू होने के साथ दीपका की कुल कोयला प्रेषण क्षमता अब बढ़कर 40 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है, जो प्रभावी रूप से परिवहन बुनियादी ढांचे को उत्पादन स्तरों के साथ संरेखित करती है। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में एसईसीएल ने पीएम गतिशक्ति योजना के तहत एफएमसी इंफ्रा के विकास को प्राथमिकता दी है। एसईसीएल ने 233 एमटीपीए की संचयी क्षमता के साथ 17 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें से, 151 एमटीपीए की कुल क्षमता वाली 9 परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं, जो कोयला परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। 82 एमटीपीए क्षमता वाली शेष 8 एफएमसी परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं और उन्हें अगले 2-3 वर्षों में चालू करने का लक्ष्य है। एफएमसी को व्यापक रूप से एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन मोड के रूप में मान्यता प्राप्त है। दीपका में एफएमसी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन से कई लाभ मिलते हैं, मसलन दक्षता में सुधार और सटीक लोडिंग, रेक में कोयले की अंडरलोडिंग और ओवरलोडिंग दोनों को कम करना। तेज़ लोडिंग समय के कारण टर्नअराउंड समय कम हो गया है और रेक की उपलब्धता में सुधार हुआ है। कोयले की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिससे संदूषण और नुकसान कम हुआ है। सड़क परिवहन पर निर्भरता कम हुई है, जिससे डीजल खर्च में बचत हुई है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दाल और मीठे में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दाल और मीठे में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा सप्ताहांत पर 124 रिंगिट उबलकर 4849 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.44 सेंट की बढ़ोतरी लेकर 47.03 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15751 रुपये प्रति

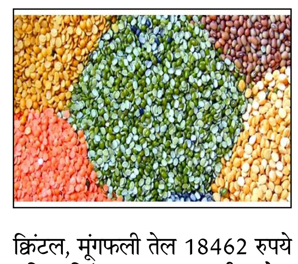

क्विंटल, मूंगफली तेल 18462 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15457 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13187 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16044 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से 2025 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं। फरवरी के महीने में एफपीआई अभी तक स्टॉक मार्केट से 23,710 करोड़ रुपये के निकासी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिसिप्रोकल ड्यूटी के ऐलान और स्टील तथा एल्युमिनियम के इंपोर्ट पर नए टैरिफ लगाने की बात उठने के कारण बाजार में वैश्विक स्तर पर चिंता बनी हुई है, जिसकी वजह से एफपीआई अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार साल 2025 में एफपीआई एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं।

जनवरी के महीने में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इसके बाद फरवरी में भी घरेलू बाजार से अपने पैसे की निकासी करते हुए एफपीआई ने 21 फरवरी तक 23,710 करोड़ रुपये की निकासी कर ली। इस तरह 2025 में एफपीआई कुल 1,01,737 करोड़ रुपये निकासी कर चुके हैं। विदेशी निवेशकों की ओर से की जा रही इस जोरदार बिकवाली के कारण निफ्टी

ने इस अवधि में वार्षिक आधार पर 4 प्रतिशत का निगेटिव रिटर्न दिया है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक स्तर पर मची हलचल, खासकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की नीतियों की वजह से निवेशकों में चिंता बनी हुई है।

विशेष रूप से जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वॉर को तेज करने का संकेत दिया है, उससे ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। ऐसी स्थिति में विदेशी पोर्टफोली निवेशक भारतीय शेयर बाजार समेत दुनिया के सभी उभरते बाजारों में निकासी करके जोखिम प्रबंधन की रणनीति अपना रहे हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि वैश्विक मोर्चे पर बनी चिंता के साथ ही घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजे और डॉलर इंडेक्स की मजबूती के कारण रुपये की कीमत में आई गिरावट के कारण भी इंडियन एसेट्स को लेकर ग्लोबल अपील कमजोर हुई है।

सर्राफा बाजार में तेजी, 88 हजार के करीब पहुंचा 24 कैरेट सोना

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 88 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,770 रुपये से लेकर 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,450 रुपये से लेकर 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में

24 कैरेट सोना आज 87,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.65 लाख करोड़ की गिरावट, टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 1.65 लाख करोड़ से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 14,931.63 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), हिन्दुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में कुल 1,65,784.90 करोड़ रुपये की गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 53,185.89 करोड़ रुपये कम होकर 13,69,717.48 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 44,407.77 करोड़ रुपये घट कर 9,34,223.54 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 18,235.45 करोड़ रुपये कम होकर 8,70,579.68 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 17,962.62 करोड़ रुपये घट कर 5,26,684.38 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 17,086.61 करोड़ रुपये घट कर 7,53,700.15 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 11,949.42 करोड़ रुपये कम होकर 5,01,750.43 करोड़ रुपये के स्तर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 2,555.53 करोड़ रुपये घट कर 12,94,152.82 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 401.61 करोड़ रुपये गिर कर 6,43,955.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 14,547.30 करोड़ रुपये उछल कर 16,61,369.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 384.33 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,20,466.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,61,369.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 13,69,717.48 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,94,152.82 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,34,223.54 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,70,579.68 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,53,700.15 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,43,955.96 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,26,684.38 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,20,466.75 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,01,750.43 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों की लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में तेजी

एजेंसी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव तेजी लिए रहे। सप्ताहांत मूंगफली तेल चार रुपए एवं सोयाबीन रिफाइंड चार रुपए प्रति किलो महंगा बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली सुस्त बताई गई। सोमवार को मूंगफली तेल 1380 से 1400 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1420 से 1440 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1285 से 1290 रुपये पर खुलकर 1325 से 1330 रुपये बिका। पाम तेल 1415 से 1420 रुपये खुलकर 1435 से 1440 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव लगभग बने रहे। सरसों, सोयाबीन में रिफाइनरी वालों की खरीदी सीमित रही। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती दर्ज की गई।

एआई डाउनलोड्स में चीन और अमेरिका से भी आगे निकला भारत : वित्त मंत्री

एजेंसी

कोट्टायम। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में इनोवेशन की तेज गति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में देश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत एआई डाउनलोड्स में चीन और अमेरिका से भी आगे निकला गया है।

वित्त मंत्री ने आईआईआईटी कोट्टायम के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के उस बयान जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारत को 'एआई के उपयोग की राजधानी' बताया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह एक 'बहुत बड़ा बयान' है क्योंकि इसका मतलब है कि हम सिर्फ एआई के बारे में बात नहीं कर रहे हैं या केवल एआई में शोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम इसे बड़े पैमाने पर लागू कर रहे हैं।

भारत द्वारा तेजी से एआई को

अपनाने को लेकर वित्त मंत्री ने कहा कि 2024 में देश में एआई से जुड़े हुए 3 अरब ऐप डाउनलोड हुए थे। यह आंकड़ा अमेरिका के 1.5 अरब और चीन के 1.3 अरब से काफी अधिक है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि हम न केवल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में अग्रणी हैं बल्कि हम यह भी आकार दे रहे हैं कि एआई को कैसे नियंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि पेरिस में हाल ही में एआई एक्शन समिट में (जिसकी भारत ने फ्रांस के साथ सह-अध्यक्षता की थी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई सिर्फ एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। हमें एक ऐसे एआई की जरूरत है जो नैतिक, समावेशी और भरोसेमंद हो। उन्होंने आगे बताया कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का पेटेंट-टू-जीडीपी रेश्यो 2013 में 144 से बढ़कर 2023 में 381 हो गया है। यह दिखाता है कि देश में बीते दस वर्षों में पेटेंट की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।

मनसुख मांडविया सामाजिक न्याय और ईएसआईसी के 74वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय संवाद का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 74वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय संवाद का उद्घाटन करेंगे। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हुंगबो इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वार्ता के उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, श्रम सचिव सुमिता डावरा भी उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन आईएलओ द्वारा सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की दिशा में नीति और कार्रवाई के लिए वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय

दिग्गजों को एक साथ लाने के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। नवंबर, 2023 में शुरू किए गए इस गठबंधन में बहुत कम समय में 90 सरकारों सहित 336 भागीदार शामिल हो चुके हैं। श्रम मंत्रालय के मुताबिक क्षेत्रीय वार्ता के उद्घाटन सत्र में गठबंधन के साझेदारों, सरकारों, भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों, नियोक्ता और श्रमिक संगठनों, शिक्षाविदों और उद्यमों के प्रतिनिधियों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के विशेषज्ञों और ईएसआईसी के सदस्यों एवं अधिकारियों सहित 500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे।

'सात परियोजनाओं के लिए मिले 75 करोड़ डॉलर', वित्त मंत्रालय ने कहा- कोई प्रोजेक्ट चुनाव से जुड़ा नहीं

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) फंडिंग विवाद के बीच वित्त मंत्रालय ने बड़ा खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अमेरिकी एजेंसी ने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं की फंडिंग की। लेकिन इसमें से कोई भी परियोजना चुनाव या मतदान बढ़ाने से जुड़ी नहीं है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा समय में भारत सरकार के साथ साझेदारी के तहत अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने सात परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की सात परियोजनाओं के तहत एजेंसी द्वारा कुल 97 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने रिपोर्ट में परियोजनाओं की जानकारी भी दी है। इसके तहत अमेरिकी एजेंसी ने कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, सफाई एवं स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं के लिए फंडिंग की।

अगले सप्ताह 2 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 5 कंपनियों के शेयरों की होगी स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ लॉन्चिंग के लिहाज से काफी सुस्त रहने वाला है। इस सप्ताह सिर्फ दो नए पब्लिक इश्यू लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों इश्यू एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा निवेशकों के पास पिछले सप्ताह 20 और 21 फरवरी को खुले तीन आईपीओ में भी 24 और 25 फरवरी तक बोली लगाने का मौका है। इस सप्ताह पांच कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होकर कारोबार की शुरुआत करेंगे।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही 24 फरवरी को न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस का 31.70 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 27 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 234 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 4 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन 25 फरवरी को श्रीनाथ पेपर का 23.36 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 44 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 3,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 5 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा पिछले सप्ताह 20 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एचपी टेलीकॉम इंडिया के 34.23 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 24 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 108 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 1,200 शेयर का है। ये इश्यू अभी तक फुली सब्सक्राइब हो चुका है। कंपनी के शेयर 28 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह 20 फरवरी को ही सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए स्वस्थ फूड टेक के 14.92 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानी 24 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 94 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 1,200 शेयर का है। अभी तक इश्यू को चार गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। कंपनी के शेयर 28 फरवरी को एबीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।इसके अलावा 21 फरवरी को ओपन हुए बीजासन एक्सप्लोटेक के 59.93 करोड़ रुपये के आईपीओ में 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 165 से 175 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 800 शेयर का है। कंपनी के शेयर 3 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

अगले कारोबारी सप्ताह के दौरान 5 कंपनियां अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करने वाली हैं। इनमें कल यानी 24 फरवरी को क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा कल ही एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर रॉयल आर्क इलेक्ट्रोड्स और तेजस कार्गो के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इसके बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 28 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एचपी टेलीकॉम इंडिया के शेर लिस्ट होंगे। इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर स्वस्थ फूड टेक के शेयर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

थायरॉइड के चलते रहती है थकान और कमजोरी, खाना शुरू कर दें ये 5 सुपरफूड

थायरॉइड मरीजों को अपनी डाइट में ऐसे सुपरफूड्स शामिल करने चाहिए जो थकान को कम करें और शरीर को एनर्जी दें. बता दें कि थायरॉइड के कारण थकान और कमजोरी हो सकती है. ऐसे में जानते हैं कि अपनी डाइट में कौन-कौन सी चीजों को शामिल करें.

थायरॉइड की समस्या का सामना करने वाले लोग अक्सर थकान और कमजोरी को फील करते हैं. थायरॉइड ग्रंथि शरीर में मेटाबोलिज़्म को नियंत्रित करती है. जब यह सही से काम नहीं करती है- तो थकान, वजन बढ़ना, डिप्रेशन समेत कई हेल्थ प्रॉब्लम होने लगती है. ऐसे में जरूरी है कि अपनी डाइट में हेल्दी फूड कॉम्बिनेशन को शामिल करना चाहिए.

डायटीशिन मोहिनी डोंगरे कहती हैं कि कुछ सुपरफूड्स ऐसे होते हैं जो थायराइड ग्रंथि को सपोर्ट करते हैं और शरीर को एनर्जी देते हैं. इनमें एंटीऑक्सीडेंट, आयोडीन, सेलेनियम, जिंक और अन्य जरूरी पोषक तत्व होते हैं जो थायराइड को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं.

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज सेलेनियम, विटामिन ई और जिंक जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. सेलेनियम थायराइड हार्मोन के उत्पादन और उसकी गतिविधि को बेहतर बनाने में मदद करता है. ये बीज शरीर में सूजन को भी कम करते हैं, जिससे थकान और कमजोरी में राहत मिलती हैय

अखरोट

अखरोट ओमेगा-3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत हैं, जो हृदय की सेहत के लिए फायदेमंद हैं. यह थायराइड से होने वाली थकान को भी कम करते हैं. अखरोट में आयोडीन और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व होते हैं जो थायराइड ग्रंथि की कार्यप्रणाली को संतुलित करते हैं.

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जिया जैसे पालक, मेथी, सरसों की साग और बथुआ थायरॉइड में फायदेमंद हैं. ये आयरन, कैल्शियम और विटामिन ष्ट से भरपूर होती हैं, जो शरीर में थकान और कमजोरी को कम करती हैं. अपनी डाइट में इन हरी सब्जियों को जरूर शामिल करें.

बेरीज

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, और रास्पबेरी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं. इनमें फ्लेवोनोइड्स और विटामिन ष्ट होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं. थायरॉइड के कारण शरीर में सूजन और तनाव हो सकता है, जिसे इन बेरीज के सेवन से कम किया जा सकता है. इन फलों को खाने से इम्यून सिस्टम को भी मजबूती मिलती है.

संतरा

संतरा विटामिन सी का रिच सोर्स माना जाता है. यह शरीर को ऊर्जा देने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है. विटामिन सीथायराइड ग्रंथि के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह थायराइड हार्मोन के स्तर को संतुलित करने में मदद करता है.

फडणवीस-शिंदे के बीच बढ़ती दरार से महायुति की स्थिरता पर सवाल

सभी फ़ैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं, जो आधुनिक समय की समकालीन राजनीति में बोला जाने वाला सबसे बड़ा झूठ है। उदाहरण के लिए, यह भ्रामक बयान कि भाजपा विधायकों ने बैठक की और रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने का फ़ैसला लिया! दिल्ली के मुख्यमंत्री को पदभार ग्रहण करते ही जो एक बड़ा फ़ैसला लेना चाहिए था, वह पहले ही छीन लिया गया था, यानी %यमुना की सफ़ाइ मिशन।किसी को यह समझने में मुश्किल नहीं होनी चाहिए कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके द्वारा विस्थापित पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच दरार बढ़ती जा रही है। फडणवीस अभी महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री भी हैं और वह मुख्यमंत्रियों के खिलाफ जाने के लिए हमेशा तैयार ही रहते हैं जैसा कि उन्होंने उद्धव बालासाहेब ठाकरे जैसे नेता के मुख्यमंत्रित्व काल में किया था। क्या यह एक बेतुकी बात होगी, जो मूल मुद्दे से भटकती है, कि मुंबई शहर में सब कुछ ठीक नहीं है, जहां जल्द ही निकाय चुनाव होने वाले हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपनी कमर कस लेनी चाहिए। मीडिया ऐसा दिखा रहा है जैसे शिंदे खलनायक हैं और फडणवीस एक चमकता हुआ योद्धा। शिंदे कोहमारे बीच %ठंडा ठंडा, कूल कूल रिश्ता ह जैसे बेतुके बयान देने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जैसे कि यह कोला का विज्ञापन हो!

सच तो यह है कि शिंदे द्वारा किसी भी दरार से इनकार करना उन %अफवाहों% के खिलाफ है कि महायुति आंतरिक कलह की चपेट में है और सत्ता परिवर्तन की जरूरत है। फिर किसी तुलना से बचने के लिए, शिंदे ने कहा कि अगर उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते, तो आज शिवसेना एक इकाई होती। पुरानी यादें उपमुख्यमंत्री को मार रही हैं और मुख्यमंत्री में इतनी हिम्मत नहीं है कि वे अपने डिप्टी को पीछे हटने के लिए कह सकें। ऐसा कुछ तो उन्हें विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के समय करना चाहिए था।मौजूदा दरार के लिए किसे दोषी ठहराया जाना चाहिए? भाजपा के शीर्ष पर तंबू फैलाये ऑक्टोपस को? वह व्यक्ति जिसका नाम नहीं लिया जा सकता या जिसे बेबाक मज़ाक का निशाना नहीं बनाया जा सकता? वह व्यक्ति जिसे महाराष्ट्र की जीत की तरह दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का श्रेय लेने के लिए चुना गया था? महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा को शिंदे सेना की ज़रूरत नहीं थी और पहले तो उपमुख्यमंत्री की ज़रूरत ही नहीं थी, दो की तो बात ही छोड़िए! मुख्यमंत्री फडणवीस समेत हर कोई जानता है कि भाजपा में कौन फ़ैसला लेता है, किसे फैसला लेने की इजाज़त है। यह भी हर कोई जानता है कि एक व्यक्ति वाली भाजपा नेतृत्व में तानाशाही की प्रवृत्ति है।सभी फ़ैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं, जो आधुनिक समय की समकालीन राजनीति में बोला जाने वाला सबसे बड़ा झूठ है। उदाहरण के लिए, यह भ्रामक बयान कि भाजपा विधायकों ने बैठक की और रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने का फ़ैसला लिया! दिल्ली के मुख्यमंत्री को पदभार ग्रहण करते ही जो एक बड़ा फ़ैसला लेना चाहिए था, वह पहले ही छीन लिया गया था, यानी %यमुना की सफ़ाई% मिशन, जिसे दिल्ली के उपराज्यपाल ने %रेखा गुप्ता% के लॉन्च से ठीक पहले लॉन्च किया था- मुख्यमंत्री गुप्ता अब झाग उड़ते हुए देख सकती हैं! यमुना नदी तट पर विकास कार्य में यमुना को साबरमती नदी तट के बराबर खड़ा करने की क्षमता है, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को झूले पर घुमाया था, जिसे शी आज भी अच्छी तरह याद रखेंगे।यह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच दरार से ध्यान हटाने के लिए नहीं है, जो कि कोई बड़ी घटना नहीं थी, अगर फडणवीस आलाकमान के दबाव में आकर शिंदे सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के साथ सत्ता साझा करने के लिए सहमत नहीं होते।फिर शिंदे भाजपा के पिछलग्गू की तरह व्यवहार भी नहीं कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री अपनी खुद की यात्रा की योजना बनाने में व्यस्त हैं। शिंदे सेना के सांसदों, शिंदे सेना के विधायकों और शिंदे सेना पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर शिंदे अपनी सेना की रणनीति तैयार कर रहे हैं।शिंदे ने भाजपा नेतृत्व की किताब से सीख लेते हुए एक समानांतर व्यवस्था स्थापित की है, जिसका उदाहरण मंत्रालय में एक चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ है, जो शिंदे की पहल है, जो आम तौर पर लोगों की मदद करने के लिए है। इस पर कौन आपत्ति करेगा?उपमुख्यमंत्री का चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ पहले भी स्थापित किया गया था। यह मुख्यमंत्री के चिकित्सा राहत कोष प्रकोष्ठ के साथ समन्वय करेगा और गरीब और जरूरतमंद मरीजों की मदद करेगा। इसलिए काम का दोहराव नहीं है। केवल एक सीएम वार-रूम है। अब भी प्रमुख परियोजनाओं को वार रूम से आगे बढ़ाया जायेगा।क्या यही है, फडणवीस और शिंदे के बीच तथाकथित दरार? इसमें छिपे हुए तत्व होने चाहिए। शायद शिंदे नहीं चाहते कि उनके समर्थक उद्धव बालासाहेब ठाकरे की सेना में वापस चले जायें या, क्या इसका संबंध आगामी मुंबई नगर निगम चुनावों से है। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि जब मुंबई में नगर निगम चुनावों की बात आती है तो शिवसेना (यूबीटी) को शिंदे सेना पर बढ़त हासिल है, जो देश की वित्तीय राजधानी में वर्षों से शिवसेना के वर्चस्व पर निर्भर करता है। शिंदे ने अपने समर्थकों को यह बात बताई और उनसे कहा कि वे शिवसेना-यूबीटी को एक और शिकस्त देने के लिए तैयार रहें, जैसा कि उन्होंने 2024 के विधानसभा चुनावों में किया था।मंगलवार को शिंदे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी निकाय चुनावों की तैयारी करने और शिवसेना-यूबीटी को हराने के लिए कहा, जैसा कि उन्होंने 2024 के चुनावों में किया था, जिसके बारे में शिंदे ने दावा किया था कि इसने शिवसेना-यूबीटी को %एक बड़ा झटका% दिया है। शिंदे का मानना है कि निकाय चुनावों में उद्धव ठाकरे की सेना को हराने से बालासाहेब ठाकरे द्वारा स्थापित सेना और भी टूट जायेगी तथा शिंदे सेना का विस्तार होगा।शिंदे कहते हैं कि उनकी शिवसेना को विस्तार करना चाहिए और निकाय चुनाव शिवसेना-यूबीटी के लिए मृत्यु-घंटी बजा देंगे। संक्षेप में, उपमुख्यमंत्री शिंदे के पास शिवसेना के अपने गुट के लिए बड़ी योजनाएं हैं और वे %कार्य करने वाले% हैं। स्वाभाविक रूप से, भाजपा एकनाथ शिंदे से सावधान है और बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव एक परीक्षा है, जिसमें शिंदे और उद्धव बालासाहेब ठाकरे दोनों ही जीत के लिए लड़ रहे हैं।इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सबसे अलग हैं, जो विधानसभा चुनाव के बाद सबसे आगे थे,जब एक पूर्ण हिंदुत्व-आधारित रणनीति ने उन्हें बड़ा बहुमत दिलाया था। लेकिन एक व्यक्ति के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास की वापसी के साथ, बटेंगे तो कटेंगे अब चलन में नहीं है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपनी सख्त छवि खो दी है, जबकि शिंदे खुद को प्रतिस्थापन के रूप में पेश कर रहे हैं।शिंदे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तुलना करने की कोशिश की, उन्होंने कहा, हम विकास का विरोध करने वालों के खिलाफ लड़ाई में हैं, लगभग ऐसा ही जैसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मोदी और मोदी के मार्की विकसित भारत के बीच खड़े हों। इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शिंदे के सामने अपनी धार खो रहे हैं, जिन्हें सुपर चीफ मिनिस्टर को जवाब देने की ज़रूरत नहीं है।

संपादकीय

रेखा के हवाले दिल्ली

ढाई दशक बाद भाजपा के दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के उपरांत ग्यारह दिन की गोपनीयता के बाद बुधवार को नये मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के नाम का खुलासा हुआ। बृहस्पतिवार को तमाम तामझाम के साथ रामलीला मैदान में उनका राज्याभिषेक भी हो गया। प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रियों, राजग के घटक दलों के नेताओं और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों तथा भाजपा के दिग्गजों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के अलावा छह मंत्रियों ने शपथ ली। शपथ लेने के बाद रेखा गुप्ता ने दिल्ली को संपन्न,विकसित, आत्मनिर्भर बनाकर राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प जताया। वे सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित व आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। यह संयोग ही है कि वे भी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरह वैश्य बिरादरी से ताल्लुक रखती हैं और हरियाणा मूल की हैं। वे हरियाणा मूल की तीसरी मुख्यमंत्री हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिला वोटरों ने राजनीतिक परिदृश्य बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। फलत~ राजनीतिक दलों ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिये लुभावनी योजनाएं घोषित की हैं। ऐसी योजनाओं का असर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड के हालिया चुनावों में देखने को भी मिला है। ऐसे में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने महिला मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास भी किया है कि महिलाएं उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने महिलाओं को हर माह पच्चीस सौ रुपये देने का वायदा इसी मकसद से किया था। वैसे ऐसी ही घोषणाएं कांग्रेस व आप ने भी की थी। उल्लेखनीय तथ्य है कि भाजपा शासित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में रेखा गुप्ता पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं दूसरी ओर एक बार उनके चयन से भाजपा ने फिर साबित किया कि संघ व उसके आनुषंगिक संगठनों से आये नेताओं को ही शीर्ष पदों के चयन में वरीयता दी जाती है।वहीं रेखा गुप्ता इस मायने में भाग्यशाली हैं कि वे पहली बार विधायक बनने के बावजूद मुख्यमंत्री का ताज हासिल करने में सफल रही हैं। हालांकि, वह भाजपा के विभिन्न संगठनों में पिछले तीन दशकों से सक्रिय रही हैं और तीन बार दिल्ली नगर निगम पार्षद भी रही हैं। हालांकि, इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाये जाने को लेकर खूब चर्चा रही। इसकी वजह उनकी राजनीतिक विरासत के अलावा, उनका आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को हराना भी था। जनता ने भी उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री की टक्कर का मानकर जिताया। कयास लगाये जा रहे थे कि कई कारणों से नाराज जाट समुदाय को मनाने की कोशिश में उन्हें यह पद मिल सकता है। लेकिन जैसा कि भाजपा की रणनीति रही है, वह राजनीति में परिवारवाद के तमगे से बचने का प्रयास करती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर परिवारवाद का विरोध भाजपा का मुख्य एजेंडा भी रहा है। कुछ विवाद भी प्रवेश वर्मा की बयानबाजी को लेकर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक मर्यादा को लांघने वाले रेखा गुप्ता के पुराने ट्वीट भी सोशल मीडिया पर खासे वायरल हो रहे हैं। वैसे तो भाजपा कह सकती है कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा देगी। लेकिन नई मुख्यमंत्री को आप सरकार के शैक्षिक सुधारों, मुफ्त बिजली-पानी, मोहल्ला क्लीनिक व अन्य लोककल्याण के कार्यक्रमों के बड़े विकल्प देने होंगे। दिल्ली की जनता लगातार प्रदूषण, जल भराव, विकास, कूड़े के ढेरों तथा ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रही है। पूर्व मुख्य मंत्रियों व एलजी से टकराव के चलते दिल्ली के विकास की गति थम सी गई थी। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें बेटियों की सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि फिर दिल्ली में निर्भया कांड जैसे हादसे न हों। वहीं चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख एजेंडे में शामिल रही यमुना की सफाई को भी उन्हें अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। वहीं उन्हें ध्यान रखना होगा कि भले की आम आदमी पार्टी सत्ता से बाहर हुई हो,लेकिन अच्छे-खासे विधायकों के साथ वह एक मजबूत प्रतिरोधी विपक्ष के रूप में विधानसभा में मौजूद है।

ट्रम्प के सामने घुटने न टेके भारत

दुनिया को फिर से ठीक-ठाक करने के अपने बेतुके प्रोजेक्ट को अंजाम देने में व्यस्त अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की है

यदि राष्ट्र के पास एक ऐसी विदेश नीति हो जिस पर सभी दल सहमत हों, उसे अपना सकें और राजनीतिक विभाजनों से परे भारतीय आम सहमति के रूप में पेश कर सकें तो मोदी और भारत को इसमें मदद मिलेगी । इसके लिए भाजपा को कांग्रेस एवं अपने पक्ष के अन्य दलों की जरूरत है जो ट्रम्प के सामने मजबूत, स्पष्ट और विशिष्ट मांगों का एक सेट रखें।दुनिया को फिर से ठीक-ठाक करने के अपने बेतुके प्रोजेक्ट को अंजाम देने में व्यस्त अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की है। इस तरह ट्रम्प के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मिलने वाले कुछ नेताओं में मोदी शामिल हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस मुलाकात पर कहा- यह स्पष्ट हो गया कि मोदी ट्रम्प को खुश करने वाले नवीनतम नेता थे।

आत्ममुग्ध, अहंकारी, यहां तक कि आत्मकेंद्रित के रूप में वर्णित एक शक्तिशाली विश्व नेता को खुश करने में सिद्धांत रूप में कुछ भी गलत नहीं है। तो भी खुश करने की यह कोशिश उन स्थितियों और नीतियों के अति उत्साही समर्थन से अलग है जिन्होंने दुनिया भर में कई सवाल एवं चिंताएं खड़ी की हैं। भारत ने ट्रम्प की प्रशंसा एक प्रेरक नेता के रूप में की लेकिन यह सब कहीं न कहीं अलग क्षेत्र में चला गया जब विस्किट भारत% (विकसित भारत) का विचार मेगा (एमएजीए मेक अमेरिका ग्रेट अगेन% का मतलब-अमेरिका को फिर से महान बनाओ) की राजनीति की भाषा में बदल गया।मोदी ने इसे इस तरह व्यक्त किया- %अगर मैं अमेरिका की भाषा में कहूं तो विकसित भारत का मतलब है %मेक इंडिया ग्रेट अगेन% यानी मिगा- एमआईजीए। जब संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत एक साथ काम करते हैं यानी मेगा जब मिगा से जुड़कर काम करेगा तो समृद्धि के लिए मेगा साझेदारी बनती है तथा यह मेगा भावना हमारे लक्ष्यों को नया पैमाना एवं दायरा देती है।

यह अतिशयोक्तिपूर्ण भाषा इस तथ्य के बावजूद आई कि मोदी के साथ बैठक से कुछ घंटे पहले ही ट्रम्प ने बिना किसी हिचकिचाहट के पारस्परिक टैरिफ की घोषणा की जिसका स्पष्ट रूप से भारत पर असर पड़ेगा। ट्रम्प ने वास्तव में मोदी के साथ अपनी टिप्पणी में टैरिफ को रेखांकित करते हुए भारत को %दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ वाला देश% कहा और कहा कि %भारत जो भी शुल्क लेगा, हम उससे वसूलेंगे।% यह विशेष रूप से आश्चर्यजनक नहीं है। यह हमेशा स्पष्ट था कि ट्रम्प अपने नियमों के अनुसार खेलेंगे और जैसा उन्होंने अन्य देशों के साथ किया है, वे भारत को दबाव में डालेंगे। उनके कुछ तरीके उनकी पुस्तक %आर्ट ऑफ द डील% में बताए गए सरल विचारों पर आधारित हैं- एक अहंकारी रियल एस्टेट डेवलपर की मैनुअल जिसे अन्य क्षेत्रों और स्वयं जीवन में लागू करने के लिए बनाया गया है। 1997 में आई इस पुरानी किताब के अध्याय- 2 को 2005 में एक बड़े बाजार संस्करण में पुन~ प्रकाशित किया गया जिसका शीर्षक है %ट्रम्प कार्ड्स~ द एलिमेंट्स ऑफ द डील%। किताब इस प्रकार शुरू होती है- %सौदा करने का मेरा तरीका काफी सरल व सीधा है। मैं बहुत ऊंचा लक्ष्य रखता हूं और फिर मैं बस जो चाहता हूं उसे पाने के लिए जोर लगाता रहता हूं। कभी-कभी मैं जितना चाहता हूं उससे कम पर समझौता कर लेता हूं लेकिन ज्यादातर मामलों में मुझे फिर भी वही मिलता है जो मैं चाहता हूं।

अमेरिकी विदेश नीति हमेशा अमेरिकी हितों के बारे में रही है जो अल्पकालिक और एक साधन द्वारा चिह्नित है, जिसमें खुलेपन, लोकतंत्र या शांति के सिद्धांतों के कई खोखले दावे हैं। अब मुखौटा गिर गया है, मूल्यों का ढकोसला खत्म हो गया है और ताकत का नंगा खेल शुरू हो गया है। आगे बढ़ने की उम्मीद करते हुए भारत को इस साझेदारी को ध्यान से नेविगेट करने की आवश्यकता होगी और इसलिए भारत को पूछने व रेडलाइन तथा गैर-परक्राम्य की अपनी सूची के साथ तैयार रहना होगा। संक्षेप में कहें तो ट्रम्प के खेलने के तरीके का उपयोग ट्रम्प के खिलाफ ही करना होगा।यदि राष्ट्र के पास एक ऐसी विदेश नीति हो जिस पर सभी दल सहमत हों, उसे अपना सकें और राजनीतिक विभाजनों से परे भारतीय आम सहमति के रूप में पेश कर सकें तो मोदी और भारत को इसमें मदद मिलेगी । इसके लिए भाजपा को कांग्रेस एवं अपने पक्ष के अन्य दलों की जरूरत है जो ट्रम्प के सामने मजबूत, स्पष्ट और विशिष्ट मांगों का एक सेट रखें बजाय इसके कि वे दूसरे पक्ष की हर मांग के आगे झुक जाएं।

लेकिन विदेशी मामलों में भी राजनीतिक कटुता आ गई है। नौकरशाह से विदेश मंत्री बने एस. जयशंकर ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से कटाक्ष करके इसमें कुछ इज़ाफा किया है जो जाहिर तौर पर द्विदलीय समर्थन की कीमत पर भाजपा तथा प्रधानमंत्री के साथ उनकी स्थिति को सुरक्षित करता है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा अमेरिका में अनधिकृत भारतीयों को निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू करने के तरीके की औपचारिक और सार्वजनिक रूप से निंदा करने के लिए इस तरह की कटुता के बिना भी सर्वदलीय आम सहमति बनाना मुश्किल नहीं होना चाहिए था।निर्वासन आदेशों के तहत भारतीय नागरिकों को भेजने के लिए सैन्य विमान का उपयोग और अमेरिकी एजेंसियों द्वारा एक वीडियो में जंजीरों में बंधे भारतीय नागरिकों का वीडियो विधिवत प्रचारित करने का कृत्य अनुचित तथा भारतीय नागरिकों के सम्मान और अधिकारों की कीमत पर भारत की नकारात्मक छवि दिखाने की कोशिश करता है। यह चौंकाने वाली बात है कि भारतीयों के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जा रहा है जैसा वेनेज़ुएला के कुछ गिरोह के सदस्यों के साथ हो रहा है और जिन्हें %बेहद खतरनाक व आपराधिक अवैध एलियंस% कहा जाता है तथा जिन्हें क्यूबा में अमेरिका संचालित कुख्यात ग्वांतानामो बे जेल शिविरों में भेज दिया गया है।भारतीयों के साथ ऐसा व्यवहार करने के लिए भारत को अमेरिका की निंदा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस पर खुलकर बात न करने का फैसला किया। हालांकि उन्होंने बताया कि गरीब लोगों को गुमराह कर अपने जाल में फंसाने वाले और सीमाओं के पार अवैध रूप से लोगों की तस्करी में मदद करने वाले गिरोहों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह सही स्थिति है। लेकिन अगला तार्किक कदम यह होगा कि अमेरिका से कहा जाए कि वह बिना दस्तावेज वाले भारतीयों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार न करें या वापस भेजते समय उन्हें बेड़ियों में न डालें।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ और भारतीय विदेश मंत्री को पहले यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि स्तरीय यह अमेरिका के लिए सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि निर्वासितों को हटाने के लिए विमानों के उपयोग संबंधी आईसीई (अमेरिका के आव्रजन और ग्राहक प्रवर्तन) की मानक संचालन प्रक्रिया 2012 से प्रभावी है। यह बयान तकलीफ में पड़े लोगों की कैसे मदद कर सकता है? आम भारतीयों के साथ हुए इस व्यवहार पर क्या %विश्व गुरु% राष्ट्र के विदेश मंत्री जयशंकर को शर्म नहीं आती?

अमेरिका से अगर 20 हजार भारतीयों में से सभी को वापस भेजा जाना है तो नियोजित निर्वासन के लिए लगातार उड़ानों की आवश्यकता होगी। यह संख्या बढ़ भी सकती है क्योंकि अमेरिकी आव्रजन विभाग के छापे जारी हैं। जो लोग पकड़े जाते हैं, उन्हें वकीलों, चिकित्सा सहायता और अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए और इन सुविधाओं के बिना हिरासत में रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उनमें से किसी को भी जंजीरों में जकड़ कर वापस भेजने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।यहां उन अन्य मुद्दों की बात नहीं हो रही है जिन पर ट्रम्प आगे बढ़ना जारी रखेंगे। दोनों देशों की टीमों के बीच ऊर्जा सौदों और रक्षा आपूर्ति के बारे में चर्चा जारी है। अमेरिका के साथ भारत एक सीमा तक ही खेल खेल सकता है। भारत किस सीमा तक झुक सकता है यह बताने के लिए एक स्पष्ट रेखा खींचनी जरूरी है। ट्रम्प को खुश करने के लिए भारत को झुकना नहीं चाहिए।

10 ब्यूटी सीक्रेट्स

हर स्मार्ट लडकी हमेशा चमकते और दमकते रहना चाहती है। जाहिर है, आप भी चाहती होंगी। यहा ब्यूटी एक्सपर्ट लक्ष्मी मुंडेतिया बता रही हैं ऐसे ही उपयोगी ब्यूटी सीक्रेट्स, जो आपको देंगे एक नई पहचान।

1. काजल और लिपलाइनर हमेशा लगाना:

आपका ब्वॉयफ्रेंड अचानक आपको कॉफी का ऑफर दे सकता है या एक ही घटे में आपको इंटरव्यू के लिए जाना पड सकता है। इसलिए काजल और लिपलाइनर का इस्तेमाल जरूर करें। सुषमा के मुताबिक काजल भारतीय स्त्री की खूबसूरती में हमेशा ही चार चाद लगाता है। यह आखों का आकर्षण बढाने का आसान तरीका है। इसी तरह लिपलाइनर भी लगाना जरूरी होता है, क्योंकि यह लंबे समय तक टिकता है और फैलता भी नहीं है। अगर आप अपनी पसंदीदा लिपस्टिक लगा रही हैं तो साथ में लिपलाइनर लगाना न भूलें।

इसे आजमाएं: मैक स्मोल्डर इंटेंस ब्लैक आई कोल, शैंबूर लिप टैटू लाइनर

2. सनस्क्रीन जरूर लगाना:

यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह सौंदर्य बढाने में मदद नहीं करता बल्कि त्वचा को धूप की तेज अल्ट्रावॉयलेट किरणों से सुरक्षा प्रदान करती है। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. जमुना पई के मुताबिक धूप से बचने के लिए हर चार घटे में सनस्क्रीन का प्रयोग करना जरूरी है। शोध से यह पता चलता है कि यूवीए किरणें त्वचा के सावलेपन का कारण होती हैं। साथ ही ब्राउन स्पॉट और झुर्रिया भी इन्हीं के कारण होती है। इसलिए चाहे घर पर रहे या बाहर निकलें, लेकिन सनस्क्रीन जरूर लगाएं। लेकिन सनस्क्रीन के नाम पर कोई भी प्रोडक्ट न खरीद लें। उसका लेबल जरूर पढ लें। उसमें दिया गया एसपीएफ यूवीबी किरणें, जो त्वचा के झुलसने और स्किन कैंसर होने से बचाता है। एसपीएफ 15 से 30 भारतीय स्किन टाइप के लिए मुफीद होते है। उसमें मौजूद सामग्री पर भी ध्यान दें जो वास्तव में आपको यूवीए किरणों से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करें। मसलन हेलियोप्लेक्स और मेक्जोरिल युक्त हो।

इसे आजमाएं: लैकमे सन एकसपर्ट, न्यूट्रोजेना अल्ट्रा शियर ड्राई-टच सनब्लॉक

3. हर दूसरे दिन शैंपू: क्या कभी आपने अपना पुराना एल्बम पलटते हुए इस बात पर ध्यान दिया है कि आपकी दादी और नानी के बाल आपकी उम्र में कैसे और कितने स्वस्थ थे। आपके बाल अगर उतने स्वस्थ और अच्छे नहीं तो इसका सीधा कारण है प्रदूषण, जंक फूड और स्ट्रेस। इंटरनेशनल हेयर एक्सपर्ट जमाल हाम्मदी के मुताबिक भारतीय युवतियों की सबसे आम समस्या है बालों का रूखापन, क्योंकि हर दूसरी स्त्री कामकाजी है और चारों तरफ प्रदूषण का सामना, धूप का प्रकोप, काम का बोझ और स्ट्रेस का सामना करती है। साथ ही स्ट्रेस के कारण जंक फूड की तरफ रुझान बढ़ने लगता है। इन सबका सीधा असर बालों की सेहत पर पडता है। फैशन अपनाने के कारण स्ट्रेटनिंग, ब्लो-ड्राइंग, कलरिंग और केमिकल ट्रीटमेंट से गुजरती हैं, जिस कारण बालों से कुदरती मॉयस्चर निकल जाता है। ऐसे में बालों की खास देखभाल बहुत जरूरी है। इससे भी जरूरी है अपने बालों की किस्म के मुताबिक हफ्ते में तीन बार शैंपू करना। सबसे बडी बात यह कि स्त्री चाहे किसी भी उम्र की हो, मेकअप किया हो या नहीं, लेकिन जिस दिन शैंपू करती है उस दिन वह बेहद सुंदर दिखती है। इसलिए शैंपू करने में कोताही न बरतें।

इसे आजमाएं: सनसिल्क ब्लैकशाइन विद आवला पर्ल कॉम्प्लेक्स, डव इंटेंस डैमेज थेरेपी शैंपू एंड कंडिशनर

4. भरपूर नींद:

रातभर तारे ही गिनती न रह जाएं। रोजाना समय पर सोने के लिए ठान लें और नियम बनाएं कि आप एक निश्चित समय पर सोएंगी। टिश्यू और सेल्स को रेजुवेनेट करने के लिए नींद बहुत जरूरी है। त्वचा को रेजुवेनेट करने के लिए रात में एक अच्छी नाइट क्रीम लगाएं। रेटिनॉल बेस्ड क्रीम चुनें जो पिग्मेंटेशन, पोर्स और बारीक लकीरों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही कोलेजन को बढाते हैं।

इसे आजमाएं: न्यूट्रोजेना हेल्दी स्किन एंटी-रिंकल नाइट क्रीम, गार्नियर नाइट क्रीम

5. त्वचा को दमकने दें:

डॉक्टर जमुना पई के मुताबिक एक्सफोलिएशन सबसे जरूरी है। प्रदूषण भरे वातावरण में डेड सेल्स की समस्या आम होती है। एकसफोलिएट इस्तेमाल करने से त्वचा के मृत कोश भी निकल जाते हैं और त्वचा रेशम सी कोमल और चमकदार हो जाती है। डेड सेल्स को हटाने के लिए माइक्रोडर्माब्रेजन और ग्लाइकॉलिक पील्स ट्रीटमेंट करा सकती हैं।

इसे आजमाएं: न्यूट्रोजेना डीप क्लीन स्क्रब, वेजटेबल पील-ऑफ मास्क

6. सही शेप में हों आइब्रोज:

पार्लर में जब आप जाती हैं तो वहा हमेशा जूनियर ब्यूटीशियन ही आइब्रोज बनाने के लिए क्यों तैयार रहती है? आइब्रोज बहुत महत्वपूर्ण फीचर है। वह जैसी शेप बना देंगे आप वैसी ही दिखने लगेंगी। इनके साथ एक्सपेरिमेंट न करें। सीनियर ब्यूटीशियन से ही बनवाएं। आइब्रोज की शेप से पता चलता है कि आप गुस्सैल हैं, हंसमुख, खुशमिजाज, चतुर या सौम्य हैं। इसलिए परफेक्ट शेप रखें। यह ध्यान दें कि आपकी आइब्रोज आपकी आखों की लाइन के पास से ही शुरू हों और आखों के कोनों के बाहर तक खत्म हों। जब आपको लगे कि आपकी आइब्रोज की शेप बिगड़ रही है, लापरवाही न करें और थ्रेडिंग जरूर कर लें।

7. मेहंदी और ऑयल ट्रीटमेंट:

रेशमी बाल और चमकदार त्वचा हर स्त्री का गहना होते हैं। इसलिए हफ्ते में एक बार हॉट ऑयल मसाज बेहद जरूरी है। स्कैल्प में तेल जज्ब हो जाए इसलिए मसाज के बाद बालों में गर्म तौलिया लपेटें। मसाज के लिए कोकोनट ऑयल का ही इस्तेमाल करें। ऑलिव ऑयल बालों के लिए हेवी हो सकता है। इसके अलावा महीने में एक बार मेहंदी ट्रीटमेंट भी ले। मेहंदी पाउडर में कॉफी पाउडर और अंडे की जर्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। वेजटेरियन लोग अंडे की जगह शहद का प्रयोग कर सकते हैं और अगर आप बालों में मेहंदी का रंग नहीं चढ़ाना चाहती हैं तो उससे पहले तेल लगाना न भूलें।

8. एक अच्छा हेयर कट: जब कुछ समझ न आए तो एक अच्छा हेयर कट लें। लेकिन अपनी पर्सनैल्टी और चेहरे पर सूट करने वाला। प्रत्येक दो-चार माह में हेयरकट जरूरी है। बिखरे, उलझे, दो मुंहे, बेजान बाल आपके व्यक्तित्व के आकर्षण को खत्म कर देते हैं। एक अच्छा हेयरकट आपकी पर्सनैल्टी में वॉल्यूम भर देता है। अपने हेयर एक्सपर्ट की सलाह से ऐसा हेयरकट लें, जो आप पर सूट करे और आपको स्मार्ट बनाए।

9. लकीरों को करें बाय-बाय: अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखकर आप असमय झुर्रियों से बच सकती हैं। अगर यह कल्पना नहीं कर सकतीं कि मॉयस्चर की कमी से आपकी त्वचा का क्या हाल हो सकता है तो एक फ्रेश ब्लैक ग्रेप को किशमिश का रूप लेते देख सकती हैं। मॉयस्चर की कम और सूखने पर वही ताजा अंगूर सिकुडी हु किशमिश में बदल जाता है। उसी तरह नम की कमी के कारण त्वचा भी सिकु सकती है। बेजान, रूखी हो सकती है बेहतर होगा कि ऑयल फ्री मॉयस्चराइज हमेशा अपने साथ रखें। जब भी त्वच रूखी लगे थोडा सा मॉयस्चराइजर जरू लगाएं।

इसे आजमाएं निविया बॉड मॉयस्चराइजिंग लोशन

10. सेहत का रखें खयाल:

स्वास्थ्य सही हो तो सौंदर्य दोगुना हो जात है। स्वास्थ्य तभी सही रह सकता है ज आप अपना खयाल रखें। सही वक्त प सही, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लें। हफ में कम से कम 5 बार 30 से 40 मिनट तक एक्सरसाइज करें। वजन पर नियंत्रण रख के लिए जंक फूड, ऑयली चीजें और मि मसालों से दूर रहें। एक्सरसाइज से रक्त संचार बढ़ता है और चेहरे पर ग्लो आता है तो स्मार्ट गर्ल बनने के लिए थोडी मेहन करनी होगी। आज ही और अभी से..।

देखभाल नीलम की..

इस रत्न की साफ-सफाई करने के लिए अल्ट्रासोनिक क्लीनर्स और साबुन के झागदार पानी का इस्तेमाल कर सकती है। साफ-सफाई के लिए मुलायम ब्रश का प्रयोग कर सकती है।

* नीलम अन्य रत्नों की तुलना में कठोर होता है। इसलिए तुलनात्मक रूप से मुलायम समझे जाने वाले रत्नों को नीलम के साथ नहीं रखना चाहिए। मुलायम रत्नों पर खरोंच या स्कैच आदि पड़ सकते है।
* अंगूठी व अन्य आभूषणों में जड़े नीलम की ग्रिप को समय-समय पर देखती रहे कि यह ग्रिप से बाहर तो नहीं निकल रहा है। यदि ग्रिप सही नहीं है तो किसी प्रतिष्ठित दुकान से इसे ठीक करवा सकती है।
* व्यायाम या अन्य कोई शारीरिक श्रम करते समय इस रत्न के आभूषणों को निकालकर सुरक्षित रख देना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि रत्न पर कोई दाग-धब्बा न लगे।
* विश्वसनीय और प्रतिष्ठित रत्न विक्रेता से ही रत्न खरीदें। रत्न के विभिन्न प्रकारों को देखकर आकलन करे कि कौन सा पसंद है? साथ ही रत्न की कीमत का भी आकलन करे।
* नीलम में रंगों का सही संयोजन करने के लिए इसे उच्चताप पर गर्म किया जाता है। रत्न खरीदते समय यह सुनिश्चित कर लें कि आप जो रत्न खरीदने जा रही है, वह गर्म किया हुआ [हीटेड] है या नहीं? वैसे बाजार में अनहीटेड नीलम भी उपलब्ध होते है। अनहीटेड नीलम दुर्लभ होते है और इनकी कीमत भी ज्यादा होती है।
* बाजार में विभिन्न आकार और कटिंग्स में नीलम उपलब्ध है। ओवल और 'कुशन' कटिंग भी प्रचलन में है। आजकल इमराल्ड कट्स और हार्ट कट्स भी प्रचलन में है।

नाखून लगें स्टाइलिश

हाथों में मेहंदी और नाखूनों पर नगीने। शादियों के सीजन में यह कमाल लुक आजमा रही हैं

कानपुर की दुल्हनें

शादी की रात के लिए हाथों में मेहंदी तो सभी वधुएं लगवाती हैं, लेकिन नया ट्रेंड है नेल आर्ट का। इस कला में नाखूनों को इस ढंग से सजाया जाता है कि वे कांप्लीमेंट देते हैं जूइलॅरि और मेकअप को। जी हां, नाखूनों को पहले आकर्षक बनाने के लिए नेल पॉलिश का प्रयोग होता था, लेकिन अब इन्हें बारीक नग और जूइँलि से सजाया जा रहा है।

आजमा रही है नेल आर्ट

नवविवाहिता सारिका दीक्षित जिन्होंने बीते माह अपनी शादी में नेल आर्ट आजमाई थी, कहती हैं, शादी, पार्टी में जब हर अंग को सजाया जाता है तो फिर नाखून क्यों छोड़े जायें? नाखूनों को यदि इंपोर्टेड नग और बेहतरीन डिजाइन से सजाया जाये तो यह न सिर्फ हाथों को नया लुक देते हैं, बल्कि सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं।

नजर आएंगी अलग

ब्यूटी एक्सपर्ट निहारिका त्रिपाठी कहती हैं, जितने तरह के हाथ, उतने तरह के नाखून और उतनी तरह की सजावट। नेल आर्ट में बहुत सावधानी रखनी पड़ती है। नाखूनों पर नगों, जूइँलि और नेलपेंट से कई तरह की सजावट की जाती है। यदि नाखूनों की बनावट के साथ कास्ट्यूम कांबीनेशन पर ध्यान रखकर सजावट की गई तो बेशक हाथ भीड़ में अलग ही नजर आयेगा।

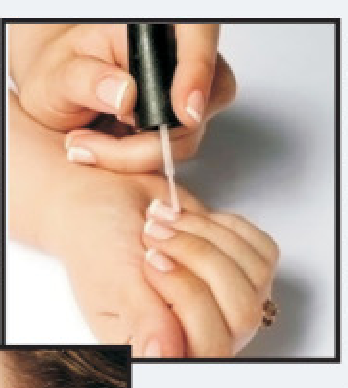

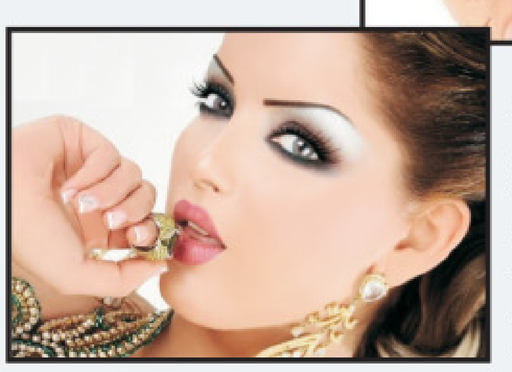

हर तरह का लुक

इस ट्रेंड पर एट्रेक्सन लेडीज ब्यूटी सैलून की ब्यूटी एक्सपर्ट नूरी शौकत कहती हैं, %%नेल आर्ट की सारी सामग्री काफी बारीक होती है। सारी सजावट निडिल के सहारे से की जाती है। एक्सपर्ट महज 30 मिनट में आपके नाखूनों की रंगत बदल देती हैं। शादी में तो खैर कोई सीमा ही नहीं है, लेकिन साधारण पार्टी की बात करें तो नेल्स के इस मेकअप का खर्च 100 रुपये से 400 रुपये तक आता है और नववधुओं के बाद इसे आजमाने वालों में टीन गर्ल्स अधिक होती हैं।

तैयार हों पार्टी के लिए

एक बेहतरीन पार्टी के लिए कैसे तैयार हों, बता रही हैं।

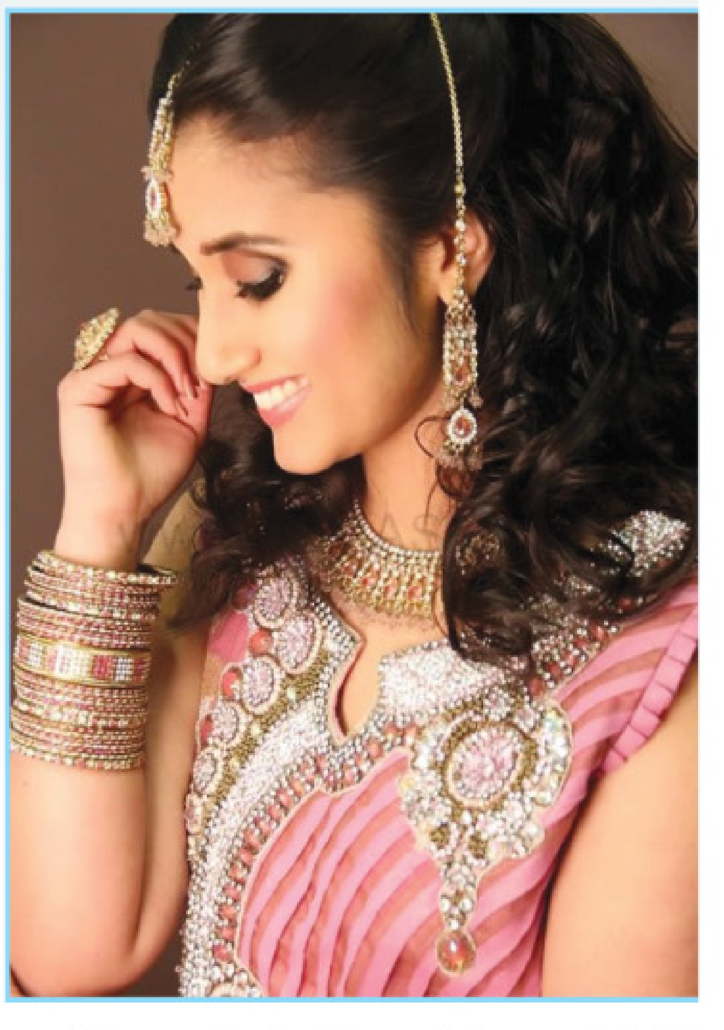

- सबसे पहले चेहरे पर क्लेंजिंग मिल्क लगाएं और रुई की सहायता से चेहरा साफ करें। फिर अपनी त्वचा के मुताबिक टोनर लगाएं। सबसे अंत में मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की कोमलता बनी रहे।
- अपनी त्वचा की रंगत से मेल खाता फाउंडेशन ऊपर से नीचे और भीतर से बाहर की दिशा में लगाएं। गर्दन पर भी ठीक से लगाएं। फिर चीक बोंस [गाल के उभार वाले स्थान पर] क्रीम ब्लशर लगाएं ताकि चेहरा चमकदार हो जाए। आप बेबी पिंक या पीच शेड चुन सकती हैं।
- अपने कपड़ों या त्वचा की रंगत से मेल खाता आइशैडो लगाएं। हलका काजल और पलकों पर आई पेंसिल से पतली रेखा खींचे। फिर अपनी उंगली के टिप से हलका फैलाएं ताकि रेखा अलग से नजर न आए।
- मस्कारा का दो कोट जरूर लगाएं। बरौनियों [आइलैशेज] पर भीतर से बाहर की ओर फैलाते हुए लगाएं।
- शाम के लिए ऑरेंज, रेड बेरी, मोव या रेड रंग की लिपस्टिक चुनें। क्रीमी मैट लिपस्टिक लगाएं। फिर एक बार टिश्यू पेपर होंठों के बीच रखकर दबाएं। दोबारा लिपस्टिक लगाएं। फिर होंठों के बीचोंबीच हलका लिप ग्लॉस लगाएं ताकि होंठ आकर्षक नजर आएं।

शाम के लिए

- अपनी त्वचा की रंगत से मेल खाता फाउंडेशन चुनें। चेहरे व गर्दन पर अच्छी तरह लगाएं। चेहरे के उभार वाले स्थान पर, जिसे आप खासतौर से उभारना चाहती हों, वहा थोड़ा गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं।
- कॉम्पैक्ट पाउडर लगाएं, ऊपर से नीचे की दिशा में। चीक बोंस पर ब्लशर लगाएं। थोड़ा ब्लशर माथे और ठोढ़ी पर लगाएं ताकि आकर्षण बढ़े।
- भौहों के थोड़ा नीचे हाइलाइटर लगाएं। हलके शेड वाला आइशैडो पलकों पर लगाएं। जहा पलकें मुड़ती हैं वहा हलका गहरा आइशैडो लगाएं। फिर अच्छी तरह फैलाएं।
- नीचे की बरौनियों के पास हलका गहरा शैडो लगाएं। पतले ब्रश की सहायता से अच्छी तरह फैलाएं। बाहरी कोने से थोड़ा बाहर तक फैलाएं।
- भूरे रंग का काजल लगाएं। आइलाइनर से पतली व बारीक रेखा खींचें। मस्कारा का दो कोट लगाएं। चाहें तो कलर्ड मस्कारा लगा सकती हैं। गहरे रंग की लिपस्टिक लगाएं। उस पर हलकी गोल्डन डस्ट पाउडर लगाएं ताकि आप ग्लैमरस नजर आएं।

विटामिन ए और सी की कमी से दमे का खतरा बढ जाता है

यदि आप अपने आहार में विटामिन ए और सी की मात्रा कम है तो आपको अस्थमा होने की दर बढ सकती है। ब्रिटिश वैज्ञानिकों द्वारा की गई एक शोध यह साबित करती है कि आहार में विटामिन ए और सी की कमी अस्थमा होने की दर को बढा देती है।

इस शोध के लिए वैज्ञानिकों के पिछले 30 सालों के दौरान किए गए करीब 40 अध्ययनों का विश्लेषण किया। इन विश्लेषणों से पता चला कि इन इन वर्षों के दौरान जिन लोगों ने विटामिन सी युक्त फलों और सब्जियों का कम सेवन किया था उनमें दम का रोग होने की सम्भावना 12त्न बढ गई थी।

वैज्ञानिकों का मानना है कि विटामिन ए जो कि चीज, अंडे तथा तेल आदि से प्राप्त होता है कि कमी से भी दमे का रोग बढता है। हालाँकि विटामिन ए के मामले में इसकी दर कम है, लेकिन फिर भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दमे के रोगियों को अपने लिए ऐसा आहार चुनना चाहिए जिसमें अधिक मात्रा में विटामिन सी तथा विटामिन ए हो।

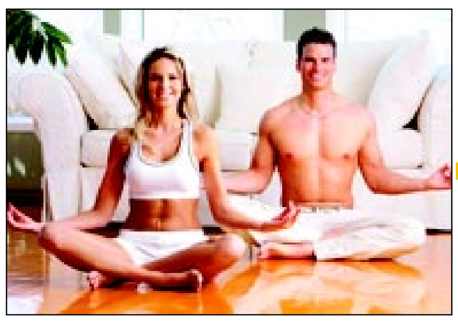

हेल्थ प्लस

योग से वजन कम हो सकता है?

योग से शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है, यह सच है। लेकिन क्या योग करने से वजन भी कम हो सकता है? यदि एक नई शोध पर यकीन करें तो ऐसा ही है। फ्रेंड हचीसन कैंसर रिसर्च सेंटर के संशोधकों ने अपने अभ्यास में पाया कि नियमित योग करने वाले लोग अपने बढते वजन पर काबू रख पाते हैं।

इस शोध के दौरान करीब 15,500 स्वस्थ लोगों को उनके 45–55 वर्ष की आयु के दौरान किए गए शारीरिक कार्यकलापों के विषय में पूछा गया और यह भी पता लगाया गया कि इस दौरान उन लोगों का वजन कितना बढा या घटा था।

शोध के नतीजों ने दर्शाया कि जो लोग नियमित योग करते थे उनका वजन अन्य लोगों की अपेक्षा कम बढा। वजन का यह अंतर कम से कम 3 पोंड तक रहा।

लेकिन क्या योग ही वजन कम करने के लिए जिम्मेदार है? विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा हो सकता है लेकिन उसके लिए काफी सारे आसन अपनाने पड़ते हैं और पूरी लगन के साथ योग करना होता है। लेकिन जिन लोगों पर अभ्यास किया गया उन लोगों ने ऐसा कुछ नहीं किया था। लेकिन फिर भी उनका वजन कम हुआ।

इसकी वजह यह मानी गई है कि योग करने से इंसान अपने शरीर के प्रति अधिक जागरूक हो जाता है और आहार लेते समय सचेत रहता है, भूख हो उतना ही खाता है और तैलीय खाद्य सामग्रियों का कम से कम सेवन करता है। इससे उसका वजन बढता नहीं है।

इसप्रकार प्रत्यक्ष रूप से ना सही परंतु परोक्ष रूप से योग शरीर का वजन कम करने में योगदान देता है।

कम्पयूटर पर अधिक समय तक बैठने से आँखें सूख सकती हैं

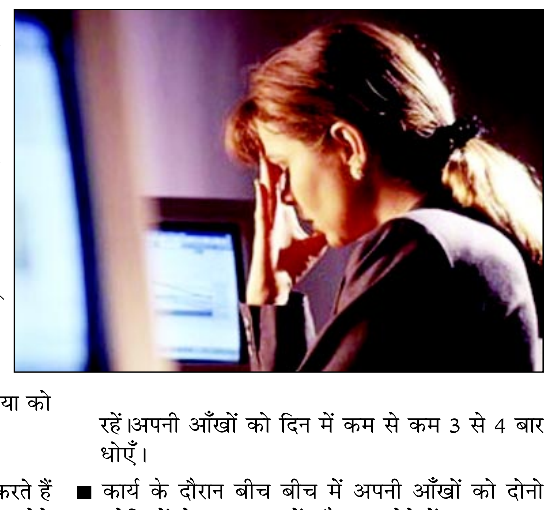

क्या आपकी आँखों में आजकल काफी जलन होती है? तो आपको पता करना चाहिए कि आप दिन में कितने घंटें कम्प्यूटर स्क्रीन के आगे बिताते हैं।

चिकित्सकों की राय है कि रोज 12 घंटे और उससे अधिक समय तक कम्प्यूटर स्क्रीन के आगे बैठकर काम करने से ड्राय आई सिंड्रोम हो सकता है।

आंसू हमारी आँखों को गिला रखते हैं। इससे आँखों का बचाव होता है और वे साफ होती रहती हैं। ड्राय आई सिंड्रोम होने से आँखों के द्वारा आंसू बनाने की प्रक्रिया बाधित होती है इससे आँखे सूखने लगती है और फिर जलन पैदा होती है।

यदि लम्बे समय तक इस तरफ ध्यान ना दिया जाए तो आँखो के टिस्यू नष्ट हो सकते हैं और कोर्निया को भी नुकसान पहुँच सकता है।

इसका इलाज:

- 10 से 12 घंटे तक यदि आप कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो बीच बीच में 10–15 मिनट के लिए ब्रेक लेते रहें।अपनी आँखों को दिन में कम से कम 3 से 4 बार धोएँ।
- कार्य के दौरान बीच बीच में अपनी आँखों को दोनो हथेलियों से ढक कर रखें और नम होने दें।

खास-उल-खास खजूर

खजूर विश्व के सबसे पौष्टिक फलों में से एक है। चार खजूरों में लगभग 230 कैलोरीज 2 ग्राम प्रोटीन, 62 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 570 मिग्रा पोटाशियम और 5 फाइबर होते हैं। इसमें कोलेस्ट्रॉल और फैट की मात्रा बिल्कुल नहीं होती। ताजे खजूर के मुकाबले सूखे खजूर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है।

इसके सेवन से हमारे शरीर को ग्लूकोज और फुक्टोज के रूप में नैसर्गिक शक्कर मिलती है। खजूर अपने आप में एक टॉनिक भी है। खजूर के साथ उबला हुआ दूध पीने से ताक़त मिलती है। खजूर को रात भर पानी में भिगोकर रखें। फिर इसी पानी में खजूर को थोड़ा मसलकर उसके बीज निकाल दीजिए। हफ्ते में कम से कम दो बार सुबह इसे लेने से दिल को मजबूती मिलती है। यदि कब्ज की शिकायत है, तो रात भर भीगा हुआ खजूर सुबह महीन पीसकर खाने से यह शिकायत दूर हो सकती है।

फल खाएं पीलिया भगाएं

पीलिया के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत इलाज करवाना चाहिए। यदि यह बहुत बढ़ जाए, तो दिमाग को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जरूरी है पहले ही सावधानी रखी जाए...

रैड ब्लड सैल्स रोजाना बनते व टूटते रहते हैं। इनके टूटने से बिलिरूबीन कैमिकल और आयरन निकलते हैं। आयरन हमारे शरीर में रह जाता है और दोबारा रैड ब्लड सैल्स बनाने में मदद करता है, जबकि बिलिरूबीन यूरिन व स्टूल्स के द्वारा शरीर में से बाहर निकल जाता है। यदि किसी कारण रैड ब्लड सैल्स ज्यादा टूटते हैं या बिलिरूबीन शरीर में से बाहर नहीं निकलता और वापस खून में आ जाता है, तो इनकी संख्या खून में बढ़ जाती है। खून में जब इनकी मात्रा एक मिग्रा. फीसदी से ज़्यादा हो जाती है, तो इसे पीलिया या जॉन्डिस कहते हैं।

पीलिया वायरस से होने वाला रोग है। कई लोग इससे ग्रस्त तो नहीं होते, मगर इसके वाहक (कैरीयर) होते हैं। रोगी व्यक्ति का खून स्वस्थ व्यक्ति को चढ़ा देने से भी यह रोग हो जाता है। वायरस के अलावा शरीर में पित्त तत्व की मात्रा बढ़ने, अम्लता की वृद्धि, बहुत दिनों तक मलेरिया से ग्रस्त रहने, पित्त–नली में पत्थरी के अटक जाने, अधिक शराब, चाय, तम्बाकू, खट्टे पदार्थ, खाने, दिन में अधिक सोने व खून में लाल कणों की कमी होने से भी पीलिया हो सकता है।

पीलिया की पहचान

पीलिया के वायरस के शरीर में प्रवेश करने के करीब एक महीने बाद इस रोग के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। लक्षण दिखाई देने से एक सप्ताह पहले ही रोगी के मल में वायरस निकलने लगते हैं। लिवर पर पीलिया का असर अधिक होता है। भूख लगनी बंद हो जाती है, जी मचलाने लगता है, कब्ज हो जाती है, शरीर थका–थका– सा रहता है। शारीरिक जांच करने पर लिवर कुछ बढ़ा हुआ महसूस होता है। यूरिन का रंग सरसों के तेल की भांति पीला होता है। इसका कारण यूरिन में बाइलीरूबिन का बढ़ जाना है।

इन शुरुआती लक्षणों के प्रकट होने के करीब एक सप्ताह बाद पीलिया की चरम सीमा शुरू हो जाती है। इसके एक सप्ताह बाद से ये लक्षण कम होने लगते हैं और एक से डेढ़ मास के भीतर रोग ठीक हो जाता है। आमतौर पर अस्सी फीसदी रोगी ठीक हो जाते हैं, जबकि बीस फीसदी में यह रोग लंबे समय बाद ठीक होता है।

रखें ध्यान

- पानी को उबाल कर पीएं।
- चलने–फिरने से वायरस का दुष्प्रभाव लिवर पर अधिक होता है, इसलिए रोगी को दोतीन सप्ताह तक या जब तक रोग के लक्षण खत्म न हो जाएं, तब तक बैडरैस्ट करनी चाहिए। कई बार खून में बाइलीरूबिन की मात्रा 20 फीसदी प्रति मिली. तक बढ़ जाती है। जब यह मात्रा एक से डेढ़ फीसदी प्रति मिली. से कम न हो जाए, तब तक आराम करना जरूरी है।
- पाचन तंत्र को ठीक एवं सुपाच्य रखने पर विशेष ध्यान दें। प्रतिदिन तीन लीटर तक पानी पीएं। पीलिया होने पर ग्लूकोज को मौसम्मी या संतरे के रस में मिलाकर पीने से फायदा होता है। गन्ने का रस सबसे अधिक उपयोगी है। मीठे फल और मीठे पेय भी हितकर हैं।

क्या खाएं?

पीलिया के रोगी को खाने के लिए गेहूं, जौ या चने की रोटी दें। आटा मोटा भूसे समेत हो, तो अधिक लाभकारी है। मूंग, अरहर, मसूर या कुल्थी का सूप, चिकनाई निकाला हुआ तथा लोहे की कड़ाही में गर्म किया गाय का दूध, पतला दलिया, पतली खिचड़ी, हरे पत्तों वाली सब्जियां, गाय के दूध का पतला मट्ठा या दही और फल लाभकारी हैं। लौकी, सफेद कद्दू, चावल, परवल आदि लाभकारी हैं। मुनक्का व आंवला खाएं।

क्या न खाएं?

मांस, मछली, मिर्च, तेल, गर्म–मसाला, पूरी, कचौरी न खाएं। टमाटर, सिरका, खट्टे फल, ब्रैड, इडली, तले हुए पदार्थ तथा सूखे मेवे जैसे बादाम, अखरोट आदि का सेवन कतई न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख–सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक–2–4–6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक–3–4–5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक–2–4–5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान–पान में सावधानी रखें। शुभांक–4–6–7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन–देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभांक–4–6–8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक–2–5–7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह–सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन–भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा–सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक–3–5–7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद–प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक–2–4–6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक–4–6–8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख–आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक–6–7–9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन–भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक–3–5–7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक–2–4–6

काकुरो पहेली - 1998

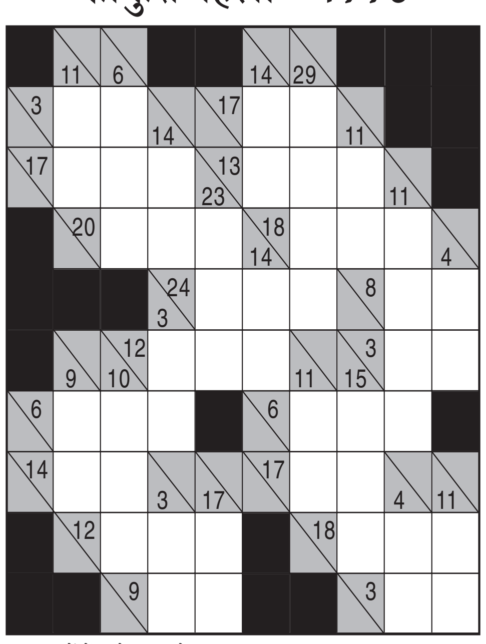

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

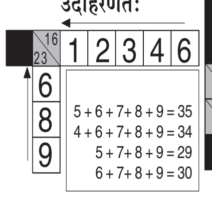

काकुरो - 1997 का हल

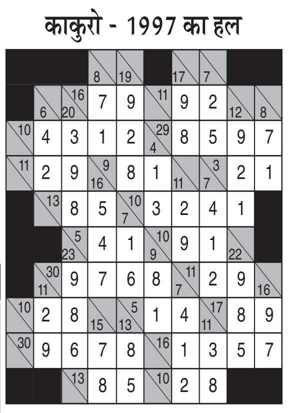

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज,''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1998

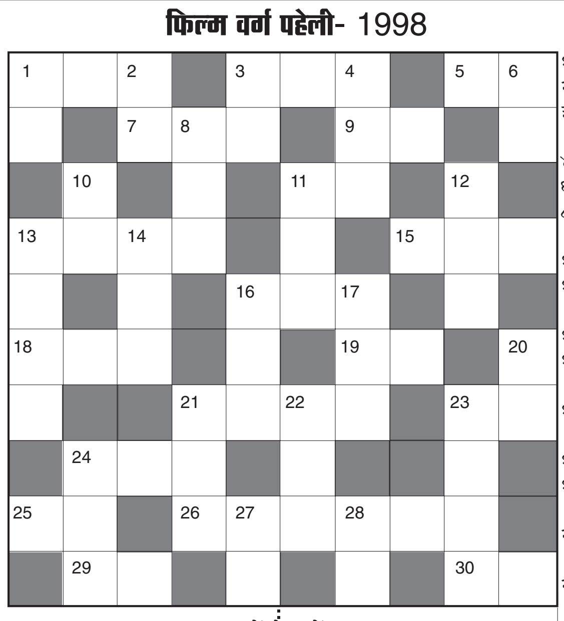

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म–३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म–३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म–२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म–३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म–२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म–२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म–४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी–३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म–३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म–२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म–४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी–२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी–३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म–२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म–३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी–२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी–२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म–२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म–२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म–२
४. जीतेंद्र, रामेश्ररी, सारिका की फिल्म–३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म–२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म–३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म–२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म–३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म–३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म–४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म–३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म–३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म–३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म–२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म–३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म–३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म–४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म–३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म–२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 1997

सूडोकु -1998

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1997 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 1998

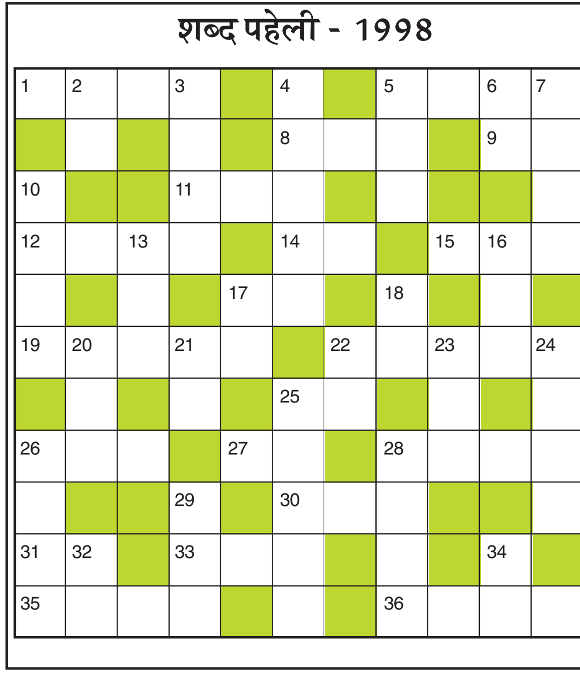

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर–4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी–4)
8.हवा,समीर–3
9.रुष्ट,गुस्सा होना–2
11.सफेद,श्वेत–3
12.हमेशा,सदैव–4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा–2
15.सिर्फ,महज–3
17.अनाज का कण–2
19.आधुनिक,नया–5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा–5
25.सदैव–2
26.ध्वजा–3
27.अधिकार–2
28.असमकक्ष–4
30.चिलमन,नकाब–3
31.वायु रोग–2
33.नल,टोंटी–3
35.आवश्यकता–4
36.शमशीर–4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी–2
3.नीच,अपराधी–4
4.बिजली कौंधना–5
5.बंदर,मर्कट–3
6.जूं का अंडा–2
7.दक्षता,होशियारी–4
10.उपकार,दया भार–4
13.कुचलना,दबाना–3
16.आमदनी–3
17.मूल्य,कीमत–2
18.वाद्य यंत्र–2
20.बहादुरी–3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं–2
22.नाज,नखरा–2
23.उत्तराधिकारी–3
24.आधुनिकता–4
25.झिझकना–5
26.हौसला, ताकत–4
28.शत्रुता,दुश्मनी–4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू–3)
32.पेड़,दरख्त–2
34.औषधि–2

शब्द पहेली - 1997 का हल

डीग और भरतपुर मुख्यमंत्री भजन लाल के गृह जिले होने के कारण विकास के लिए संवेदनशील : सुरेश रावत

एजेंसी

डीग। जल संसाधन एवं मंत्री सुरेश सिंह रावत ने पंचायत समिति सभागार में बैठक लेकर अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में डीग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेष सिंह, कामां विधायक सुश्री नौक्षम चौधरी, जिला प्रभारी सचिव वी सरवन कुमार, जिला कलेक्टर उत्सव कौशल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला प्रभारी मंत्री सिंह ने विभिन्न विभागों से बजट घोषणाओं को लेकर चर्चा की और सुनिश्चित किया कि सभी योजनाओं और परियोजनाओं का समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट में घोषित सभी योजनाओं और परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के हित में कार्य करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभागों को एकजुट होकर काम करना होगा। जिला प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों में बजट घोषणाओं के अनुसार काम में तेजी लाएं और किसी भी प्रकार की देरी या अड़चनों को तुरंत सुलझाने का प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति व सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने को प्राथमिकता दे।

एनएफएसयू का तीसरा दीक्षांत समारोह 28 को, राष्ट्रपति का आशीर्वचन मिलेगा विद्यार्थियों को

अहमदाबाद। राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) गांधीनगर का तीसरा दीक्षांत समारोह आगामी 28 फरवरी 2025 को गांधीनगर में होने जा रहा है, जिसमें देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि हैंद्य इस वृहद और प्रतिष्ठित शैक्षिक समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, गृहमंत्री गुजरात हर्ष संघवी अतिथि होंगे द्य एनएफएसयू गांधीनगर के वाइस चांसलर डॉ. जेएम व्यास ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में सम्माननीय राष्ट्रपति जी से भेंटकर कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र दियाद्य कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल सहित 1562 विद्यार्थियों को डिग्री तथा 13 विद्यार्थियों को पीएचडी व एलएलडी की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, ताइवान, पोलैंड सहित विभिन्न देशों की प्रतिष्ठित हस्तियां एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे, साथ ही सरकारी निगम एवं बोर्ड के प्रतिनिधियों सहित विद्यार्थियों के अभिभावक और विद्यार्थी शामिल होंगे द्य यह जानकारी कैंपस निदेशक प्रोफेसर डॉ. एसओ जुनारे ने दी द्य कार्यपालक कुलसचिव सीडी जाडेजा ने बताया कि आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक तैयारियां की जा रही है।

श्यालावास सेंट्रल जेल से मुख्यमंत्री को धमकी मामला: जेलर एपीओ, दो प्रहरी निलंबित; हाई सिक्योरिटी पर उठे सवाल

दौसा। सेंट्रल जेल श्यालावास से मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी के मामले को गंभीरता से लेते हुए जेल डीजी गोविंद गुप्ता ने कड़ा एक्शन लिया है। डीजी ने सेंट्रल जेल श्यालावास के जेलर राजेश डूकिया को एपीओ कर दिया है। साथ ही मुख्य जेल प्रहरी रामप्रसाद मीणा, प्रहरी महेंद्र मीणा को सस्पेंड किया गया है। विकास भागोरिया को सेंट्रल जेल श्यालावास में नया जेलर लगाया गया है। जेल में शनिवार को धमकी प्रकरण के पहले सर्च अभियान चलाया गया था। लेकिन कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं पकड़ी जा सकी थी। जबकि सर्च के कुछ घंटे बाद ही कैदी ने दो बार कॉल कर सीएम को जान से मारने की धमकी दे डाली। ऐसे में जेल में चलाए जाने वाले सर्च अभियान और निरीक्षण पर सवाल खड़ा हो गया है। बता दें कि 28 जुलाई 2024 को पॉक्सो मामले के कैदी दार्जिलिंग निवासी नीमो ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर सीएम को जान से मारने की धमकी दी थी। उस दौरान पुलिस द्वारा जेल में चलाए गए सर्च अभियान में 11 मोबाइल मिले थे। इसके बाद अवैध मादक पदार्थ तस्करी में जेल प्रहरी की भूमिका मिलने पर उसे निलंबित किया गया था। श्यालावास का सेंट्रल जेल पिछले एक साल से लगातार सुर्खियों में है। यहां सजायाफ्ता बंदियों द्वारा अलग-अलग तीन बार कॉल करके मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी जा चुकी हैं।

काशी-तमिल संगमम: एनडीआरएफ के जवानों ने गंगा में डूबते दो श्रद्धालुओं को बचाया

वाराणसी। काशी-तमिल संगमम के पावन अवसर पर वाराणसी के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। यह महोत्सव उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जहां हजारों श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर रहे हैं।श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनडीआरएफ की टीम उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में लगातार कार्यरत है। एनडीआरएफ के प्रशिक्षित बचावकर्मी किसी भी आपात स्थिति में तत्पर रहते हैं और मानव जीवन की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इसी तत्परता और साहस का परिचय देते हुए आज मणिकर्णिका घाट पर दो श्रद्धालुओं को सुरक्षित बचाया गया। चेरला, आंध्र प्रदेश से आए 40 वर्षीय नरसिंहा राजू और 13 वर्षीय निहार बाला जी स्नान के दौरान गहरे पानी में बहने लगे और डूबने की स्थिति में आ गए। जैसे ही यह जानकारी मिली, एनडीआरएफ के बहादुर जवान चंदन कुमार ने बिना देर किए

कुछ नेता हमारे पर्व-परंपरा को गाली देते हैं, विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देती हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

छतरपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि नेताओं का एक दल ऐसा है, जो धर्म का मखौल उड़ाता है और लोगों को तोड़ने में जुटा है। ये हमारे पर्व और परंपराओं को गाली देते रहते हैं। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। ये हमारी मान्यताओं, संस्कृति और मंदिरों पर हमला करते रहते हैं। विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी की मानसिकता में जकड़े ये लोग हमारे मंदिरों, हमारे संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहे हैं। हमारे समाज को बांटना, उसको तोड़ना इनका एजेंडा है। इस माहौल में मेरे छोटे भाई धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से एकता के मंत्र को लेकर लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। अब बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन

तीनों का आशीर्वाद मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी आज मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में बालाजी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर का डिजिटल शिलान्यास के बाद यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने प्रधानमंत्री मोदी को बालाजी का विग्रह भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सनातन धर्म पर लिखी किताब और स्मृति चिह्न भी प्रधानमंत्री को भेंट किया। प्रधानमंत्री ने जय जटाशंकर धाम की जय से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बहुत ही कम दिनों में मुझे दूसरी बार वीरों की इस धरती बुंदेलखंड पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस बार तो बालाजी का बुलावा आया है। ये हनुमानजी की कृपा है कि आस्था का केंद्र आरोग्य का केंद्र बनने जा रहा है। अभी यहां बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस सेंटर का भूमिपूजन किया है। यहां 10 एकड़ में बनेगा। पहले चरण में 100 बेड की सुविधा तैयार होगी। इस कार्य के लिए धीरेंद्र शास्त्री का अभिनंदन करता हूं। बुंदेलखंड के लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि दूसरों की सेवा, दूसरों की पीड़ा का निवारण ही धर्म है। इसलिए नर में नारायण, जीव में शिव इस भाव से जीव मात्र की सेवा, यही हमारी परंपरा रही है। आजकल हम देख रहे हैं। महाकुम्भ की हर तरफ चर्चा हो रही है। हमारे मंदिर एक ओर पूजा के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें आयुर्वेद और योग का वो विज्ञान दिया, जिसका परचम आज पूरी दुनिया में लहरा रहा है। हमारे ऋषियों ने ही हमें वो विज्ञान दिया।

आईजीआई से वन्यजीव तस्करी में तीन गिरफ्तार, कई दुर्लभ वन्यजीव बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर कस्टम विभाग ने वन्यजीव तस्करी के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा है। यह तीनों भारतीय यात्री बैंकाक से आने वाली फ्लाइट से दुर्लभ वन्यजीव लेकर आईजीआई पर उतरे थे। कस्टम के अधिकारियों ने उनके बैग से विदेशी और दुर्लभ वन्यजीव बरामद किये।

कस्मट विभाग के अनुसार बैंकॉक से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया फ्लाइट एआई 303 से तीन यात्री उतरे थे। कस्टम अधिकारियों ने इन तीनों यात्रियों को देर रात 1:30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके बैग से विदेशी और दुर्लभ वन्यजीव बरामद हुए। कस्टम विभाग के अनुसार तीनों यात्रियों के बैग से अलग-अलग प्रजाति के वन्यजीव मिले। इन वन्यजीव में अलग-अलग प्रजाति के कई सांप थे। इनमें से पांच कॉर्न सांप, आठ मिल्क स्नेक और नौ बॉल पाइथन स्नेक हैं। इनके अलावा कई अलग-अलग प्रजाति की छिपकलियां भी बरामद हुई हैं। छिपकलियों में चार बियर्डेड ड्रैगन , सात क्रेस्टेड गेको, 11 कैमरून ड्वार्फ गेको और एक

गेको है। इसके अलावा 14 गजरा कीड़ा और एक मकड़ी भी बरामद हुई है। इन वन्यजीवों को कस्टम अधिकारियों ने बरामद जब्त कर लिया है और तीनों यात्रियों को आगे की जांच के लिए संबंधित एजेंसियों के हवाले कर दिया है। अब उनसे पूछताछ की जाएगी और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस का अगला अधिवेशन 8 व 9 अप्रैल को अहमदाबाद में होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस का अगला अखिल भारतीय अधिवेशन गुजरात राज्य के अहमदाबाद में 8 और 9 अप्रैल को होगा। इसमें अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के देशभर के प्रतिनिधि भाग लेंगे। माना जा रहा है कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ राजनीतिक मुहिम तेज करने और पार्टी की भविष्य की कार्ययोजना पर विचार कियाजाएगा।

पार्टी ने वक्तव्य जारी कर बताया कि 8 अप्रैल को विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के साथ अधिवेशन शुरू होगा। इसके बाद 9 अप्रैल को एआईसीसी प्रतिनिधियों की बैठक होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दोनों बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसमें कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी, कांग्रेस-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और अन्य एआईसीसी प्रतिनिधि शामिल होंगे। पार्टी का कहना है कि यह आगामी अधिवेशन न केवल महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा बल्कि आम लोगों की चिंताओं का समाधान करने और राष्ट्र के लिए एक मज़बूत वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए कांग्रेस पार्टी के सामूहिक संकल्प की पुष्टि भी करेगा। यह अधिवेशन बेलगावी में हुए एआईसीसी अधिवेशन में विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) व नव सत्याग्रह बैठक में अपनाए गए प्रस्तावों की निरंतरता के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

आजादी के बाद छत्तीसगढ़ के कुख्यात नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में पहली बार हुआ मतदान : उपमुख्यमंत्री शर्मा

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पूवर्ती गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि यह गांव आजादी के बाद से अब तक किसी भी चुनाव का हिस्सा नहीं रहा। पूवर्ती और केरलापेंदा सहित 10 गांव में पहली बार बना मतदान केंद्र बने हैं। आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का अंतिम चरण है।

आज जगदलपुर में पत्रकारों बातचीत में उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि पूवर्ती गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना ऐतिहासिक है, क्योंकि यह गांव अब तक किसी भी चुनाव का हिस्सा नहीं रहा। हिड़मा जैसे कुख्यात नक्सली का घर होने के बावजूद इस गांव के लोग आजादी के बाद पहली बार अपने वोट के अधिकार का पूरे उत्साह से इस्तेमाल कर रहे हैं। पूवर्ती गांव के ग्रामीणों ने इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जो न

केवल उनके लोकतांत्रिक अधिकार की विजय है, बल्कि यह नक्सलवादके खिलाफ उनके संघर्ष का भी प्रतीक है। सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित कोंटा ब्लॉक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदाताओं का अभूतपूर्व उत्साह यह साबित करता है कि अब इन इलाकों में नक्सलवाद का असर कम हो चुका है और लोग अपने भविष्य के लिए संजीदगी से मतदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यहां सुरक्षा बलों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों ने नक्सलियों के प्रभाव को कम किया है, जिससे ग्रामीणों में अब बदलाव की बयार महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव ने यह साफ कर दिया कि जब प्रशासन और स्थानीय नेतृत्व ईमानदारी से काम करते हैं, तो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो सकती हैं। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के सबसे कुख्यात नक्सली हिडमा के गांव पूवर्ती और केरलापेंदा सहित 10 गांव में आजादी के बाद पहली बार गांव की सरकार के लिये यहां के ग्रामीणों ने अपने गांव में मतदान कर आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में इतिहास रच रहे हैं। पूवर्ती में मतदान का आयोजन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी के बीच ग्रामीण उत्साह से वोट डाल रहे हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो इसकी तस्दीक करता है। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में चल रहे इस मतदान ने क्षेत्र में शांति और विकास की नई उम्मीद जगाई है। पहली बार इस गांव में मतदान हो रहा है।

लोक सभा अध्यक्ष ने शांति एवं सद्भाव के लिए आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विश्व में शांति, समृद्धि और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए आध्यात्मिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन और नैतिक जीवन को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत विश्व में आध्यात्मिक ज्ञान के क्षेत्र में हमेशा से अग्रणी रहा है और इन शाश्वत शिक्षाओं को संरक्षित करना राष्ट्रीय प्रगति और मानव कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। बिरला ने यह टिप्पणी द्वारकेश भगवान बाहुबली महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति द्वारा यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भगवान बाहुबली महामस्तकाभिषेक समारोह में मुख्य भाषण देते हुए की। इस आध्यात्मिक समागम में संत, विद्वान और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए जिन्होंने वर्तमान समय में आस्था, विश्वास और धर्मपरायणता के महत्व पर बल दिया ।

बिरला ने अशांति, मतभेद और अन्य सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए आध्यात्मिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2500 साल पहले भगवान महावीर द्वारा दी गई शिक्षाएं आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने पूरे देश में भगवान महावीर के संदेश का प्रचार-प्रसार करने में संतों और

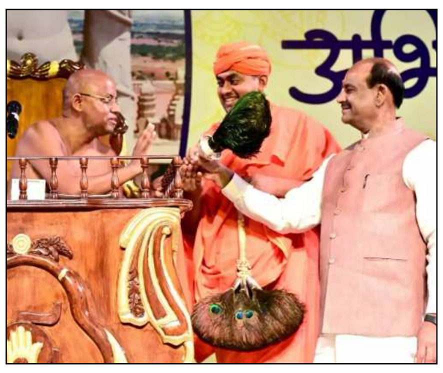

आध्यात्मिक नेताओं द्वारा निभाई जा रही भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनका ज्ञान और मार्गदर्शन समाज को नई दिशा प्रदान करता है तथा सकारात्मकता और नई ऊर्जा का संचार करता है।

बिजली कंपनियों के खाली पदों को जल्द भरे भजन लाल सरकार : अशोक गहलोत

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने प्रदेश की सात प्रमुख सरकारी बिजली कंपनियों में उच्च पदों पर हो रही देरी को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि निदेशक से लेकर CMD (मुख्य प्रबंध निदेशक) तक के कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से खाली पड़े हैं, जिससे आमजन से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं। गहलोत ने कहा कि कुछ पद तो एक साल से रिक्त हैं, लेकिन सरकार अभी तक इन पर नियुक्तियां करने में असफल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए इन पदों को खाली रख रही है, जिससे प्रदेश की विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड , जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड , अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड , राजस्थान राज्य पारेषण निगम लिमिटेड , राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड और राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड जैसी सरकारी कंपनियां बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण का काम संभालती हैं। इन कंपनियों में उच्च पद रिक्त होने के कारण प्रशासनिक निर्णयों में देरी हो रही है, जिससे जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है। गहलोत ने कहा कि बिजली कंपनियों के शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में देरी का सीधा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ रहा है। आम नागरिकों, किसानों और उद्योगों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन कंपनियों में कुशल नेतृत्व का होना आवश्यक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन नियुक्तियों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे और जनहित के कार्य प्रभावित न हों। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से गहलोत ने कहा कि इन नियुक्तियों को राजनीतिक और अन्य स्वार्थों की पूर्ति के लिए जानबूझकर रोका जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि बिजली कंपनियों में रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाए, जिससे जनता को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके और प्रशासनिक कार्यकुशलता बनी रहे।

समाज परिवर्तन के लिए पञ्च परिवर्तन आवश्यक: डॉ मोहन भागवत

एजेंसी

लखनऊ। गुवाहाटी, 23 फरवरी (हि.स.)। नगर के वर्षापाड़ा स्थित साउथ प्वाइंट स्कूल परिसर में कार्यकर्ताओं के लिए एक बौद्धिक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. भागवत ने गुवाहाटी में कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

(आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अपने संबोधन में समाज परिवर्तन के लिए पञ्च परिवर्तन को एक महत्वपूर्ण कुंजी के रूप में रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गुवाहाटी महानगर ने आयोजित किया। इसमें बड़ीसंख्या में दायित्वधारी कार्यकर्ता उपस्थित

रहे। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने समाज परिवर्तन के लिए आवश्यक पांच परिवर्तनों, अर्थात् सामाजिक समरसता, परिवारिक मूल्यबोध, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समाज में विभिन्न जातियों, मतों, क्षेत्रों और भाषाओं के बीच मित्रता और एकता को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया, ताकि एक समरस समाज का निर्माण किया जा सके। डॉ. भागवत ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा कि सभी को हिंदू मंदिरों, जलाशयों और श्मशान भूमि के संरक्षण के लिए आपसी सम्मान और सहयोग के साथ एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने परिवार में भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देना समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए मार्ग प्रदान करेगा।

डॉ. भागवत ने पर्यावरण संरक्षण में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डाला, जिसमें जल संरक्षण, पॉलीथिन न्यूनता और वृक्षारोपण जैसी क्रियाओं को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय परिवार को अपनी भाषा, वस्त्र, भोजन, आवास और भ्रमण में स्वदेशी को अपनाना चाहिए। डॉ. भागवत ने सभी से विदेशी भाषाओं के उपयोग को कम करने और अपनी मातृभाषा में संवाद करने का आह्वान किया। डॉ. भागवत ने कहा कि जहां तक नागरिक कर्तव्यों की बात है, हमें सभी राजकीय नियमों और कानूनों का पालन करना चाहिए, साथ-साथ यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह पारंपरिक सामाजिक नैतिक मानदंडों का भी पालन करें, जो किसी भी नागरिक नियम पुस्तक में उल्लेखित नहीं होते हैं, ताकि समाज की भलाई हो सके। कार्यक्रम में उत्तर असम प्रांत के संघचालक डॉ. भूपेश शर्मा और गुवाहाटी महानगर के संघचालक गुरु प्रसाद मेधी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ. मोहन भागवत वार्षिक कार्यक्रम के तहत पांच दिवसीय असम दौरे पर 21 फरवरी की शाम को गुवाहाटी पहुंचे थे। गुवाहाटी के बाद उनका अगला प्रवास अरुणाचल प्रदेश में निर्धारित है।

ओडिशा के सीएम, उत्तराखंड के राज्यपाल, संबित पात्रा व कैलाश खेर ने लगाई आस्था की डुबकी

एजेंसी

महाकुंभ नगर। महाकुंभ 2025 में श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिल रहा है। करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के बड़े नेता, संत-महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी इस महापर्व में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने पुण्य की डुबकी लगाई। करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम स्नान आने के साथ ही यहां चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया।उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त)

गुरमीत सिंह ने महाकुंभ के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं... यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा, 'मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं।'

भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा, 'यह पुण्य का क्षण है। मैं आज पुरी से प्रयागराज पहुंचा हूं। यहां की व्यवस्था बहुत अच्छी है।'भक्ति संगीत के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, 'भारत श्रद्धा की भूमि है।

गांव-गरीब-शोषित तक समय पर पहुंचे सरकार की योजनाओं का लाभ : हेमन्त मीणा

एजेंसी

उदयपुर। उदयपुर जिले के प्रभारी तथा राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्यरत है। बजट 2025-26 में सरकार ने युवा, कृषक, मजदूर वर्ग, महिलाओं सहित सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए घोषणाएं की हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि वे आपसी समन्वय से काम करते हुए गांव-गरीब-शोषित तक सरकार की योजनाओं और घोषणाओं का लाभ समय पर पहुंचाएं। प्रभारी मंत्री मीणा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिला परिषद सभागार में प्रभारी सचिव टी. रविकांत की उपस्थिति में बजट घोषणा - 2025-26 के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति में विलंब नहीं होना चाहिए, इसलिए रविवार का अवकाश होने के बावजूद प्रभारी मंत्री व प्रभारी सचिवों को अपने-अपने जिलों में भेज कर समीक्षा बैठकें ली जा रही हैं। सरकार योजनाओं का त्वरित लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से संकल्पित है। प्रभारी सचिव टी रविकांत ने कहा कि अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। समन्वय के अभाव में कोई कार्य टाइम पर पूरा नहीं होता है तो यह अच्छी स्थितियां नहीं कही जा सकती। उन्होंने जिला कलक्टर नमित मेहता को उदयपुर से जुड़ी सभी बजट घोषणाओं की टाइम लाइन शीट तैयार कराने के निर्देश दिए। इसमें घोषणा से जुड़े सभी कार्यों यथा प्रस्ताव, भूमि आवंटन, टेण्डर, वर्कऑर्डर आदि का अनुमानित तिथि सहित उल्लेख हो।

जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें युवा: सीएम योगी

एजेंसी

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने व निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की योजना पर मंथन करने आगरा पहुंचे। दुनिया में अपने नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में लोहा मनवा चुके 100 यूनिकॉर्न ताजनगरी में जुटे। होटल अमर विलास में आयोजित यूनिकॉर्न कंपनीज के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें। पहले यूपी में अवसर नहीं थे, लेकिन प्रतियोगी छात्रों ने आइडिया पर काम किया है। जो पहले टेक्नोलॉजी में आगे थे, वह स्टार्टअप में भी आगे हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रोथ इंजन के तौर पर युवाओं ने प्रेरणा के रूप में काम किया है। हर क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2019 में बुंदेलखंड प्रवास के दौरान पांच महिलाएं मेरे पास आईं। उन्होंने नौकरी की मांग की, किसी ने बताया कि वे पांचवीं पास हैं। इस पर राज्य सरकार ने पहल की। मिल्क प्रोड्यूसर का गठन किया गया, उनकी ट्रेनिंग कराई, फिर कार्य प्रारंभ कराया गया। आप आश्चर्य करेंगे कि उनका टर्नओवर 1500 करोड़ का है और इससे 42 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। उससे भी अच्छा कार्य आगरा की

मिल्क प्रोड्यूसर कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि यूपी केवल कृषि ही नहीं, बल्कि सनातन-ज्ञान और परंपरा की भी भूमि है। यूपी में निवेश को बढ़ावा देने को लेकर यहां कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। इसमें देशभर के यूनिकॉर्न कंपनी के लोग विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। कोई भी यूनिकॉर्न कंपनी बिना निवेशकों के आगे नहीं बढ़ती है। उन्होंने कहा कि विचारों की परंपरा प्राचीन काल से है। वाल्मीकि रामायण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लोकप्रिय होने का कारण महर्षि वाल्मीकि की व्यावहारिक समझ थी। रामायण की रचना से पहले उनके मन में श्लोक आ रहा था। वे नारद जी के पास गए, तब नारद जी ने भगवान श्रीराम को आधार रखने की सलाह दी। महर्षि ने ऐसा करके ही रामायण की रचना की। अगर विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता तो रामायण नहीं रची जाती। आप लोगों के विचारों का आदान-प्रदान एक नई रामायण की आधारशिला जैसा है।

चुनें मेकअप अपनी आंखों के अनुरूप

न जाने कितनी कविताएं और गीत आंखों पर लिखे गए है। अंतर्मन का झरोखा है आंखें। हर आंख खास है, अलग है, इसलिए हर आंख चाहती है अपने लिए कुछ अलग मेकअप। यहां दिए गए चित्रों के जरिये जानें क्या है आपकी आंखों का शेप और उसके अनुसार करे अपना आई-मेकअप।

गहरी आंखें

ऐसी आंखें भीतर की ओर धंसी हुई दिखती है और ब्रो बोन कम उभरी होती है। इसलिए मेकअप ऐसा करे, जिससे आंखें उभरी दिखें। पलकों पर हलका दबा हुआ पिंक या बेज शैडो लगाएं और आंखों की ऊपरी रेखा की तरफउसे हलका करें। अब मीडियम-टोंड आईशैडो लें और ब्रो बोन से शुरू करके ब्रो के किनारों तक ले जाएं। आंखों के ऊपरी हिस्से में बनी रेखा को स्मोकी-कलर शैडो से गहरा करे। यह पूरे मेकअप से मैच करने वाला हो। अंत में ब्लैक या ब्राउन पेंसिल से काजल लगाएं।

उभरी आंखें

ये बाहर की तरफ निकली हुई आंखें होती है। इसलिए इन्हे बल्जिंग या प्रोट्रूडिंग आईज भी कहा जाता है। मीडियम कलर से गहरे रंग तक के आई शैडो से पलकों पर शेड दें। कभी भी फ्रॉस्टेड शेड्स या हाईलाइटर न प्रयोग करे, क्योंकि इससे आंखें और ज्यादा उभरी नजर आएंगी। आंखों के निचले किनारों पर काजल पेंसिल लगाएं। ऊपरी आईलैशेज पर मसकारा के एक-दो हलके कोट्स लगा सकती हैं।

उनींदी आंखें (हूडेड आई)

इसमें आईलैशेज बहुत कम नजर आती है जिससे आंखें उनींदी लगने लगती है। इसलिए इसमें ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जिससे आंखें थोड़ी सजग दिखें, यानी सोई-सोई सी या नशीली सी न दिखें। पलकों के भीतरी आधे हिस्से पर मैट या न्यूट्रल कलर का आई शैडो लगाएं। उसके आसपास के हिस्से पर थोड़ा गहरा रंग लगाएं, लेकिन बाहरी हिस्से में इसे न लगाएं। गहरे रंग केप्रयोग से बचें, क्योंकि इससे पलकें भारी लगने लगेंगी। आंखों के ऊपरी और निचले किनारों परभी गहरे रंग न लगाएं। ऊपरी लैशेज को थोड़ा कर्ल करे और मसकारा के एक-दो कोट्स लगाएं। ब्रो बोन पर न तो बहुत चटख और चमकीले रंगों का प्रयोग करे और न ही बहुत हलके रंगों का।

क्लोज-सेट आई

इनमें दोनों आंखों के बीच की दूरी कम दिखती है। यानी नाक से इनकी दूरी कुछ कम होती है।

पलकों के भीतरी हिस्से पर हलका और बीच के हिस्से पर मीडियम शेड प्रयोग करे। ऊपरी पलकों के बाहरी किनारों पर रेखा सी खींचें।

अब ब्रो बोन के बाहरी यानी कान की तरफ वाले हिस्से पर गहरा शैडो लगाकर उसे अच्छी तरह एकसार करें। आंखों में ब्लैक काजल लगा सकती हैं। मसकारा लगाना चाहती है तो भीतरी लैशेज पर हलके रंग का और बाहरी तरफ थोड़ा गहरे रंग का मसकारा प्रयोग करे। बाहरी तरफ उसे थोड़ा उभारने की कोशिश करे और भौंहों की ओर थोड़ा कम उभारे। भीतरी लैशेज पर ब्राउन और बाहरी लैशेज पर हलका काला मसकारा प्रयोग करे।

वाइड सेट आईज

क्लोज-सेट आई की तुलना में इनकी दूरी नाक से थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जो आंखों को संतुलित दर्शाए। सबसे पहले आंखों और नाक के बीच वाले हिस्से पर छोटे ब्लशर ब्रश से अपने स्किन टोन से थोड़ा गहरे टोन वाला पाउडर लगाएं। नाक की तरफ ब्रश करते हुए पाउडर को एकसार कर लें। ब्रो की बाहरी रेखा पर न्यूट्रल-टोंड हाईलाइटर प्रयोग करे। क्रीज लाइन (आंखों के ऊपरी हिस्से पर पड़ने वाली रेखा) पर शेड दें और आंख के भीतरी किनारे यानी नाक की तरफ वाले हिस्से को उभारे। आंख के बाहरी किनारे पर हलके मैट शैडो से ब्रश करके आई मेकअप को पूर्णता दें। मसकारा लगाते समय लैशेज सीधी रखें। उसके बाहरी

हिस्से पर दाहिनी तरफ ज्यादा मसकारा लगाएं।

एशियन आई

ये आंखें नाक की तरफभीतरी किनारों की ओर थोड़ी झुकी हुई नजर आती है। इनमें शैडो का प्रयोग करते समय लेयरिंग इफेक्ट देने के लिए तीन रंगों का प्रयोग करे। आई लैशेज के पास हलका शैडो लगाएं, पलकों पर मीडियम कलर और ब्रो बोंस पर बेहद हलके रंग का प्रयोग करे। आंखों के किनारे रेखा या ऊपरी तरफ क्रीज बनाने से बचें। आई लाइनर का प्रयोग केवल आंखों के ऊपरी हिस्से पर करे।

आमंड शेप्ड आई

बादाम के शेप वाली ये आंखें सर्वोत्तम मानी जाती है। इनमें कई तरह का मेकअप किया जा सकता है। जैसे बारीक आई लाइनर, कृत्रिम आई लैशेज, ब्राइट कलर्स।

सबसे पहले ब्रो बोन में स्किन टोन के मुताबिक हलके रंग का शैडो इस्तेमाल करे। आई लिड (पलकों) से कुछ शेड गहरा रंग चुनें। आंख के निचले किनारों पर ब्लैक या ब्राउन काजल पेंसिल से रेखा बनाएं। इसे आंखों के बाहरी किनारों की तरफ उभारने की कोशिश करे। अगर आपकी आंखें नीली है तो ब्लू पेंसिल भी प्रयोग कर सकती हैं।

राउंड आई

गोल आंखों के लिए गहरे रंग का शैडो चुनें। नाककी ओर से शुरू करके ब्रो के बाहरी तरफऊपर ले जाते हुए शैडो को अच्छी तरह एकसार करे। निचली पलक पर हलके टोंड शैडो या पेंसिल का प्रयोग करे और इसे ऊपर की ओर बाहरी हिस्से तक ले जाएं। ब्रो लाइन के पास म्यूटेड हाईलाइटर लगाएं।

छोटी आंखें

आंखें यदि ये छोटी है तो इन्हे बड़ा दिखाने के लिए पलकों के बाहरी किनारे पर ऊपर की तरफहलके रंग का पाउडर शैडो छोटे ब्लशर की मदद से लगाएं। क्रीज के पास गहरा शैडो प्रयोग करे। लेकिन नाक की तरफआंखों के भीतरी हिस्से पर कोई रंग न प्रयोग करे, क्योंकि इससे आंखें और छोटी दिखने लगेंगी। किनारों पर शैडो लगाने के लिए ब्रश का प्रयोग करे। इसके बाद आंख के निचले हिस्से पर हलकी ग्रे कलर की काजल पेंसिल से रेखा बनाएं।

निस्तेज आंखें

ड्रूपिंग या निस्तेज आंखों के लिए आई मेकअप आंख के भीतरी हिस्से से शुरू किया जाना चाहिए। ऊपरी और बाहरी तरफमीडियम टोंड शैडो ब्रश की मदद से लगाएं। इसे ब्रो लाइन के ठीक पास तक लाकर छोड़ दें। पलकों की बाहरी रेखा पर किसी भी रंग का प्रयोग न करे। लेकिन आंख की ऊपरी क्रीज लाइन को थोड़ा उभारने की कोशिश करें, मीडियम ब्राउन आई शैडो से रेखा बनाएं, फिर अपनी पलकों को थोड़ा कर्ल करें। मसकारा के कुछ कोट्स भी इसमें मदद करेंगे।

किचन में है स्किन मैजिक

सौंदर्य विशेषज्ञों का कहना है कि खूबसूरत दिखने के लिए जरूरी नहीं है कि आप बाजार में मिलने वाले कीमती उत्पादों के सहारे रहें। किचन में भी सौंदर्य बढ़ाने वाले ढेर सारे उत्पाद मौजूद रहते हैं। इनके इस्तेमाल से सौंदर्य को निखार सकती हैं

आलू

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं तो कच्चे आलू के टुकड़ों को प्रभावित स्थान पर रगड़ें। आप चाहें तो आलू को कुचलकर इसका गूदा भी प्रभावित जगह पर लगा सकती हैं। आलू के प्रयोग से काले घेरों से छुटकारा मिलेगा।

पालक

इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन और विटामिन ए त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका जूस निकालकर या इसे उबालकर त्वचा पर मलने से सौंदर्य में निखार आता है।

बंदगोभी

अगर आपके चेहरे पर असमय झुर्रियां पड़ गई हैं तो बंदगोभी के पत्तों का रस निकालकर इसमें एक टीस्पून शहद मिलाकर चेहरे पर लगाने से लाभ मिलेगा।

गाजर

गाजर का रस निकालकर त्वचा पर लगाकर कुछ समय के लिए छोड़ दें। तत्पश्चात साफ पानी से धो लें।

टमाटर

टमाटर का सेवन करने से एक ओर जहां स्वास्थ्य सही रहता है। वहीं इसका उपयोग सौंदर्य निखारने में भी किया जा सकता है। टमाटर का रस निकालकर नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन मुलायम होती है और उसमें निखार आता है।

संतरा

संतरे का रस निकालकर इसे रुई के फाहे से या साफ हाथों से चेहरे पर लगाने से त्वचा मुलायम होती है। यही नहीं संतरे के छिलकों को गुलाबजल एवं बेसन में मिलाकर लगाने से मुहांसों से राहत मिलती है। साथ ही त्वचा में निखार भी आता है।

क्या रूप निखरा है

- एक अंडे की सफेदी को एक चम्मच शहद के साथ मिला कर चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। उसके बाद पानी से चेहरा धो लें।
- एक केले में शहद और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन व हाथ-पैरों पर लगाएं। आधा घटे बाद पानी से धो लें।
- आम के छिलकों को पीस लें। इसमें एक चम्मच पाउडर मिल्क मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से मलें। इसे हाथ, पैर और गर्दन पर भी लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।
- दो चम्मच कॉर्नफ्लोर को एक अंडे की सफेदी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 20-25 मिनट लगा रहने दें। जब पेस्ट सूख जाए तो हाथों को हलके गरम पानी में डुबोएं और चेहरे को मलें। फिर चेहरा धो लें। ऐसा 10-15 दिन तक लगातार करें।
- खीरे का रस, गुलाबजल और नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में लेकर मिला लें। फिर चेहरा धोकर सुखाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह चेहरा धोकर फर्क महसूस करें।
- इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस को चार चम्मच दही के साथ मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं।
- खीरे का रस और दही 1-1 चम्मच लें। चुटकी भर हल्दी पाउडर मिला लें। चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धोएं।
- अनन्नास का रस और नारियल पानी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- एक अंडे का पीला भाग लें। इसमें एक टुकड़ा सीताफल का पेस्ट मिला लें। इसे आधा घटा चेहरे पर लगा कर रखें और इंस्टेंट ग्लो पाएं।

युगांडा ने फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की

एजेंसी

कंपाला। युगांडा टीन क्रेन्स के मुख्य कोच शेरिल बोट्स ने आगामी फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2025 क्वालीफायर के लिए टीम की घोषणा कर दी है। युगांडा की टीम 8 मार्च को क्वालीफायर के दूसरे दौर में केन्या की मेजबानी करेगी, जबकि रिटर्न लेग आठ दिन बाद नैरोबी में खेला जाएगा।युगांडा ने पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए नामीबिया को 18-1 के बड़े अंतर से हराया था। यदि टीन क्रेन्स अगले चरण में आगे बढ़ती है, तो तीसरे दौर में उसका मुकाबला कैमरून और इथियोपिया के बीच विजेता से होगा। इस चरण की विजेता टीमों में से चार को फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि मोरक्को, जो इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, पहले ही स्वचालित रूप से विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है। यह प्रतियोगिता 17 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2025 तक आयोजित होगी।

दलिबोर सवरचिना ने जीता महा ओपन एटीपी चैलेंजर 100 का खिताब

पुणे। चेक गणराज्य के 22 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी दलिबोर सवरचिना ने पीएमआरडीए महा ओपन एटीपी चैलेंजर 100 पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस स्टेडियम में खेला गया। फाइनल में दलिबोर सवरचिना ने अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त ब्रैंडन होल्ट को 7-6 (3), 6-1 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। 1 घंटे 29 मिनट तक चले इस मुकाबले में पहला सेट रोमांचक रहा, लेकिन दूसरे सेट में सवरचिना ने अपनी सटीकता और आक्रामक खेल से मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया। सवरचिना की यह जीत भारत में उनके शानदार प्रदर्शन का हिस्सा रही। इससे पहले उन्होंने चेन्नई चैलेंजर के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और दिल्ली में दूसरे दौर में पहुंचे थे। पुरस्कार राशि और एटीपी अंक-विजेता- दलिबोर सवरचिना को 100 ATP रैंकिंग अंक और स्न्न 22,730 (लगभग ?19.90 लाख) की पुरस्कार राशि मिली।उपविजेता- ब्रैंडन होल्ट को 60 ATP अंक और SD 13,350 (लगभग 11.70 लाख) मिले। इस अवसर पर पीएमआरडीए के अधिकारी राहुल महिवाल (आईएएस), एमएसएलटीए के मानद सचिव सुंदर अय्यर, एटीपी सुपरवाइज़र आंद्रेई कोर्निलोव (उज्बेकिस्तान), और एमएसएलटीए के संयुक्त सचिव राजीव देसाई व शीतल भोसले ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

एसडीएच भद्रवाह ने प्रमोशनल क्रिकेट मैच में एसडीएच गंडोह को हराया

गंडोह। नशा मुक्त भारत अभियान और नशा विरोधी अभियान के तहत रविवार को उप जिला अस्पताल गंडोह और उप जिला अस्पताल भद्रवाह के बीच स्पोर्ट्स ग्राउंड किल्होत्रान में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में एसडीएच भद्रवाह 26 रन से विजयी हुआ। टॉस जीतकर एसडीएच भद्रवाह ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 171 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। डॉ. यासिर रियाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 गेंदों पर 77 रन बनाए जबकि डॉ. तौसीफ मलिक ने 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। एसडीएच गंडोह की ओर से डॉ. फारूक सलीम, आरिफ राथर, जहांगीर मेहता और आरिफ बट्ट ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में एसडीएच गंडोह ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 20 ओवर में 5 विकेट पर 145 रन ही बना सकी। डॉ. फारूक सलीम ने सर्वाधिक 42 रन बनाए जबकि आरिफ राथर ने 21 रन का योगदान दिया। एसडीएच भद्रवाह के लिए गेंदबाज डॉ. मोहम्मद अशरफ, कलवंत सिंह, अंजार शाह और डॉ. तौसीफ मलिक ने एक-एक विकेट लिया जिससे विपक्षी टीम के रन चेज पर प्रभावी रूप से अंकुश लगा। डॉ. यासिर रियाज को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया जिन्होंने एसडीएच भद्रवाह की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान पर जीत मधुर, रोहित और शमी की फिटनेस पर भी श्रेयस अय्यर ने दिया अपडेट

दुबई। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 6 विकेट से मिली जीत को 'मधुर' बताया क्योंकि यह एक प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ मिली और इसे लेकर काफी 'बाहरी दबाव' था। भारत ने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह भी पक्की कर ली। श्रेयस ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 67 गेंद में 56 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रेयस ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैने पाकिस्तान में उतने मैच नहीं खेले तो मुझे नहीं पता कि कैसा लगता। लेकिन यह तटस्थ स्थान है और दोनों टीमों के लिये चुनौतीपूर्ण था। पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी जीत मधुर होती है क्योंकि मैच हमेशा प्रतिस्पर्धी होते हैं। यह बड़ी चुनौती है क्योंकि काफी बाहरी दबाव भी होता है। यह पाकिस्तान के खिलाफ मेरा तीसरा मैच था।'

क्रिकेट में शतक का अपना रोमांच होता है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और क्रिकेट में शतक का अपना रोमांच होता है। इसके साथ उन्होंने राष्ट्रीय खेलों उल्लेख करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' के मासिक कार्यक्रम में चैंपियंस ट्रॉफी और क्रिकेट में बनाये जाने वाले शतक के रोमांच का जिक्र किया और उत्तराखंड में हाल ही में हुए राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन के मोटापे को लेकर दिये टिप्स का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में शतक का रोमांच क्या होता है, ये तो

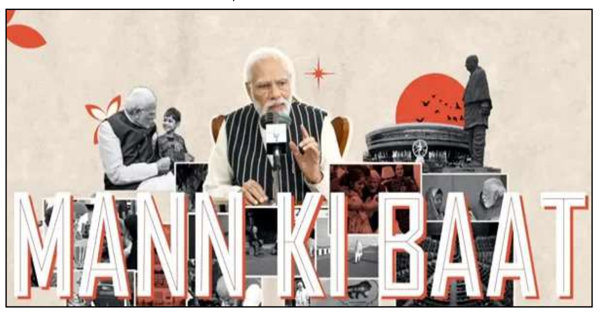

हम सब भली-भांति जानते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी की भी मैं सराहना करता हूं। हमारे बहुत से खिलाड़ी 'खेलो-इंडिया' अभियान की देन हैं। हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल, महाराष्ट्र के किरण मात्रे, तेजस शिरसे या आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी, सबने, देश को नई उम्मीदें दी हैं। उत्तर प्रदेश के भाला फेंक एथलीट सचिन यादव और हरियाणा की ऊंची कूद एथलीट पूजा और कर्नाटका की तैराक धिनिधि देसिन्घु ने देशवासियों का दिल जीता। इन्होंने तीन नए राष्ट्रीय रिकार्ड बनाकर सबको चौंका दिया। इस बार के राष्ट्रीय खेलों में किशोरों ने शानदार प्रदर्शन किया। 15 साल के निशानेबाज गेविन एंटनी, यूपी की हैमर थ्रो खिलाड़ी 16 साल की अनुष्का यादव, मध्य प्रदेश के 19 साल के पोलवाल्टर देव कुमार मीणा ने साबित किया कि भारत का खेल भविष्य बेहद प्रतिभावान पीढ़ी के हाथों में है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय ने ये भी दिखाया कि कभी हार ना मानने वाले 'जीतते' जरूर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज जी आपका बहुत-बहुत आभार। जानी-मानी एथलीट निखत जरीन जी ने भी इस विषय पर अपनी बात रखी है। निखत जरीन ने कहा, हॉय मेरा नाम निखत जरीन है और मैं दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन हूं। जैसे कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात' में मोटापे को लेकर जिक्र किया है और मुझे लगता है कि यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है हमें अपनी स्वास्थ्य को लेकर गंभीर होना चाहिए क्योंकि मोटापा जितनी जल्दी से फैल रहा है हमारे इंडिया में, उसको हमें रोकना चाहिए।

डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड के मुख्य कोच बने रॉबिन वैन पर्सी

एजेंसी

द हेग। डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड ने अपने पूर्व खिलाड़ी रॉबिन वैन पर्सी को तत्काल प्रभाव से मुख्य कोच नियुक्त किया है। 42 वर्षीय वैन पर्सी, एससी हीरेनवीन से ब्रायन प्रिस्के की जगह लेंगे, जिन्हें 10 फरवरी को बर्खास्त कर दिया गया था। अंतरिम रूप से पास्कल बॉसचार्ट टीम का नेतृत्व कर रहे थे। नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर वैन पर्सी ने 2027 के मध्य तक फेयेनोर्ड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब ने सहायक कोच के रूप में रेने हेक को भी शामिल किया है, जिन्होंने पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हाग के सहायक के रूप में काम किया था।

फेयेनोर्ड के महाप्रबंधक डेनिस ते क्लोसे ने कहा, हमें खुशी है कि हम क्लब के एक सच्चे आइकन को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। रॉबिन क्लब को अच्छी तरह से जानते हैं और सफलता के लिए आवश्यकताओं को समझते हैं।

खिलाड़ी से कोच तक का सफरः रॉटरडैम में जन्मे वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड की युवा अकादमी से आगे बढ़ते हुए 2001-02 सीज़न में पहली टीम में अपनी शुरुआत की और उसी वर्ष टीम को यूईएफए कप जिताने में मदद की।

2004 में वे आर्सेनल गए, जहां उन्होंने दुनिया के शीर्ष स्ट्राइकरों में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ प्रीमियर लीग जीती और तुर्की के फेनरबाश में अपने खेल करियर का समापन किया। 2019 में वे फेयेनोर्ड में लौटे और वहां सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड में कोचिंग करियर की शुरुआत की और विभिन्न युवा टीमों को प्रशिक्षित किया। 2024 की गर्मियों में, उन्होंने एससी हीरेनवीन में मुख्य कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, उनकी टीम का प्रदर्शन मिश्रित रहा, लेकिन उनकी आक्रामक खेल शैली ने ध्यान आकर्षित किया। फेयेनोर्ड के नए मुख्य कोच के रूप में वैन पर्सी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। क्लब वर्तमान में इरेडिविसी में अजाक्स और पीएसवी के पीछे तीसरे स्थान पर है। वहीं, मार्च में टीम का मुकाबला चैंपियंस लीग के 16वें दौर में इंटर मिलान से होगा।

विराट कोहली का ऐतिहासिक शतक, भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अहम मुकाबले में पाकिस्तान को आज 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पाकिस्तान द्वारा दिए गए 242 रनों के लक्ष्य को 42.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ग्रुप ए में भारत पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पाकिस्तान लगभग टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। मैन ऑफ़ द मैच रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 111 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा (20), शुभमन गिल (46) और श्रेयस अय्यर (56) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। कोहली और अय्यर के बीच 114 रनों की

साझेदारी ने जीत की नींव रखी।

इससे पहले, बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम को ठोस शुरुआत नहीं मिली। सऊद शकील (62) और मोहम्मद रिज़वान (46) ने तीसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़े, लेकिन अन्य बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे सके। बाबर आज़म (23), खुशदिल शाह (38) और सलमान आगा (19) ने संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार झटके देकर पाकिस्तान को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। वहीं, गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने दम दिखाया। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, हार्दिक पंड्या ने 2 विकेट, जबकि हर्षित राणा और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट लिए। अक्षर ने अपनी गेंदबाजी के अलावा 2 रन आउट भी किए। 2017 का बदला हुआ पूराइस जीत के साथ भारत ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पाकिस्तान से मिली हार का बदला ले लिया। साथ ही, यह टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की तीसरी जीत रही। पाकिस्तान ने भी अब तक भारत के खिलाफ 3 मुकाबले जीते हैं।

भारत से हार के बाद मोहम्मद रिजवान ने माना, टूर्नामेंट में पाकिस्तान का सफर समाप्त

एजेंसी

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रविवार को भारत के खिलाफ छह विकेट से हार झेलने के बाद पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम का सफर लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, फिलहाल, हम कह सकते हैं कि यह खत्म हो गया है। यह सच्चाई है। हालांकि, पाकिस्तान अभी आधिकारिक रूप से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच से पहले उसे अन्य मैचों में कुछ अनुकूल परिणामों की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से, उसे न्यूजीलैंड पर बांग्लादेश की अप्रत्याशित जीत की उम्मीद होगी। रिजवान ने कहा कि वह किसी और के प्रदर्शन पर निर्भर रहकर आगे बढ़ना पसंद नहीं करते। उन्होंने स्पष्ट किया, एक कप्तान के रूप में, मुझे यह पसंद नहीं है। अगर आप जीत सकते हैं, तो ऐसा करें। यदि आप नहीं कर सकते,

तो इसके बारे में चिंता न करें। अगर आप किसी और की छाया में बैठे हैं, तो मुझे इसकी परवाह नहीं है। भारत ने इस मुकाबले में तीन स्पिनरों के साथ मैदान संभाला, जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ एक विशेषज्ञ स्पिनर अबरार अहमद को मौका दिया। इस फैसले पर सफाई देते हुए रिजवान ने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि हमने सिर्फ एक स्पिनर चुनकर गलती की। भारतीय टीम के पास कुलदीप यादव एक फ्रंटलाइन स्पिनर हैं, जबकि रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ऑलराउंडर हैं। हमारे पास भी सलमान अली आगा और खुशदिल शाह थे, जिन्होंने अतीत में अच्छी गेंदबाजी की है।

न्यूजीलैंड दबदबा कायम रखने और बंगलादेश वापसी के लिए उतरेगा

एजेंसी

रावलपिंडी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में होने वाले ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम जहां टूर्नामेंट में अपनी जीत की लय कायम करने उतरेगी वहीं बंगलादेश पिछले मैच में भारत से मिली करारी हार के बाद वापसी करने मैदान में उतरेगा।

न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तानी धरती पर एकदिवसीय मुकाबलों में दबदबा बनाए रखते हुए लगातार चार जीत दर्ज की हैं और वह अगले मैच को लेकर उत्साहित है। अब देखना होगा कि टूर्नामेंट में भारत से मिली करारी के हार के बाद बंगलादेश वापसी कर पायेगा या न्यूजीलैंड अपना दबदबा कायम रखता है। बंगलादेश पिछले मैच के तौहीद हृदोय के जूझारू शतक को ध्यान में रखते हुए निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर एक बार फिर से अपने अभियान को शुरू करना चाहेगा। वहीं न्यूजीलैंड ने विल यंग

और टॉम लैथम की अगुआई में शानदार बल्लेबाजी की है। मैट हेनरी और विल ओ'रूर्के की अगुआई में उनकी गेंदबाजी इकाई ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वे बंगलादेश की कमजोर बल्लेबाजी का फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। बंगलादेश के सलामी बल्लेबाजों फॉर्म में न होना उनके लिए परेशानी का सबब बना हुआ है भारत के खिलाफ दोनों बल्लेबाज पावरप्ले में ही आउट हो गए, जिससे मध्यक्रम की शुरुआत ही हो गई। न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उन्हें एक और हार से बचने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले चार मैचों में 215 रन बनाए हैं और इस दौरान तीन बार नाबाद रहे हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण उन्हें खेल बदलने वाला खिलाड़ी बनाती है। वहीं गेंदबाजों की बात की जाये तो मैट हेनरी पिछले दो सालों में पाकिस्तान की पिचों पर 15 विकेट चटकाए हैं जोकि किसी भी अन्य विदेशी गेंदबाज से अधिक। न्यूजीलैंड को उनसे बहुत उम्मीद होगी। बल्लेबाजी की बात की जाये तो विल यंग ने बंगलादेश के खिलाफ आठ पारियों में 50 से अधिक की औसत से 360 रन बनाए हैं और उनकी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए बंगलादेश की चिंता बढ़ सकती है।

कोहली एकदिवसीय में 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

एजेंसी

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये है। विराट कोहली ने दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ

चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में यह रिकार्ड बनाया। उन्होंने मात्र 287 पारियों में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। कोहली ने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 350 पारियों में बनाये गये रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 378 पारियां अपने 14 हजार रन पूरे किये थे। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय इतिहास में 14 हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए। वह जून 2017 में 175 पारियों में आठ हजार एकदिवसीय रन पूरे करने के बाद से हर 1000 रन के मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज रहे हैं। वह जल्द ही कुमार संगकारा (14,234) को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच सकते हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 18,426 रनों के साथ शीर्ष पर हैं।

एफआईएच प्रो लीग : इंग्लैंड की चुनौती के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखना चाहेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ जीत की लय बनाए रखने के इरादे से उतरेगी। यह मैच 24 और 25 फरवरी को खेले जाएंगे। भारतीय टीम टूर्नामेंट में छह मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

टूर्नामेंट में भारतीय टीम की शुरुआत मिली-जुली रही, जहां उसने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ एक-एक मैच जीता और हारा। हालांकि, इसके बाद टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए आयरलैंड को हराया। अब हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की चुनौती होगी, जो अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड के लिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा, क्योंकि वह अपने पिछले मैचों में

संघर्ष करता नजर आया है। उसने स्पेन के खिलाफ शूटआउट में जीत दर्ज की, लेकिन दूसरे मुकाबले में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी सैम वॉर्ड, जिन्होंने अब तक नौ गोल किए हैं, टीम की उम्मीदों का केंद्र होंगे।

इंग्लैंड ने अब तक प्रतियोगिता में 20 गोल किए हैं और उनकी आक्रमण पंक्ति मजबूत दिख रही है, लेकिन भारतीय डिफेंस इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में अब तक भारत की रक्षा पंक्ति सबसे सशक्त रही है, जिसने केवल आठ गोल खाए हैं जो कि लीग में सबसे कम है। पिछले तीन मैचों में भारत ने केवल एक ही गोल खाया है, जो उसके रक्षात्मक मजबूती का प्रमाण है। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम के सामने तीसरे नंबर की इंग्लैंड टीम की चुनौती होगी। यह मुकाबला आक्रमण और रक्षण के बीच रोमांचक जंग साबित हो सकता है। भारतीय टीम अपनी जीत की लय को बरकरार रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मैचों में जीत हासिल करने का लक्ष्य रखेगी।

रोहित शर्मा 9000 रन का आंकड़ा पार करने वाले छठे ओपनर बने

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत भारत बनाम पाकिस्तान मैच के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बतौर ओपनर 9000 रन बनाने में सफल हो गए। रोहित अब इस यूनीक लिस्ट में छठे स्थान पर आ गए हैं। पहले नंबर पर सचिन तेंदुलकर है जबकि पांचवें पर सौरव गांगुली बने हुए हैं। मैच से पहले रोहित को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी। बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में रोहित ने वनडे क्रिकेट में 11000 रन पूरे किए थे और विराट कोहली के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए थे। बता दें कि रोहित के नाम सर्वोच्च वनडे व्यक्तिगत स्कोर (264) का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 173 गेंदों में 264 रन की पारी खेली थी।

अंडर-17 अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस फुटबाल लीग जेडएफए की टीम ने मेथोडिस्ट को 3-0 से दी शिकस्त

एजेंसी

मुरादाबाद। मॉडर्न पब्लिक स्कूल मुरादाबाद के मैदान पर अस्मिता खेलो इंडिया व भारतीय खेल प्रधिकारण के प्रयोजन से उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के तत्वावधान में अंडर-17 अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस फुटबाल लीग 2024-25 तीसरे दिन भी जारी रही। आज जेडएफए की टीम और मेथोडिस्ट कालेज की टीम के बीच मैच हुआ। जिसमें डएफए की टीम ने 3-0 से टूर्नामेंट जीत लिया। जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि अंडर-17 अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस फुटबाल लीग में नियमानुसार 6 टीमें प्रीतिभाग कर रही है। आज जेडएफए और मेथोडिस्ट कालेज की टीम के बीच मैच हुआ। मैच के पहले माध्यन्तर के खेल में जेडएफए की सोना ने पहला गोल कर अपनी टीम के हौसले बुलंद कर दिए। लेकिन दाद देनी होगी

मेथोडिस्ट की खिलाडियों की जिन्होंने जेडएफए पर बराबर हमले किये जिसे जेडएफए की रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिए। खेल के दूसरे माध्यन्तर मे जेडएफए की वर्षा ने जबरदस्त मूव बनाते हुये गोल में किक कर टीम कर स्कोर 2-0 कर दिया, उसके बाद मैच के अंतिम क्षणों मे वर्षा ने एक और गोल कर जीत का अंतर 3-0 कर अपनी टीम को अश्वस्त कर दिया। इस प्रकार जेडएफए ने ये मैच 3-0 से जीता। आज के निर्णायक मण्डल मे माधुरी देवी, राजकुमारी, मुहम्मद फरमान, औरंगजेब आलम, सरताज मुमताज रहे।

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को तीन विकेट से हराया

एजेंसी

हरारे। ट्रेवर ग्वांडू ने (तीन विकेट), सिकंदर रजा और रिचर्ड एन्गारावा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद टोनी मुनयोंगा (नाबाद 43) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने दूसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को चार गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया हैं। आयरलैंड के 137 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 14 के स्कोर परअ पने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद कप्तान सिकंदर रजा और रायन बर्ल ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हैरी टेक्टर ने रायन बर्ल (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कप्तान सिकंदर रजा (22) पर आउट होकर पवेलियन लौट गये। ताशिंगा मुसेकीवा (15) और वेलिंग्टन मसाकाट्ज़ा (छह) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि इस दौरान टोनी मुनयोंगा एक छोर थामे खड़े रहे। टोनी मुनयोंगा ने (नाबाद 43) और रिचर्ड एन्गारावा (नाबाद12) पारी खेलते हुए 19.2 ओवर में सात विकेट पर 141 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

आयरलैंड की ओर से क्रेग यंग ने चार विकेट लिये। जॉश लिटिल, बेन व्हाइट और हैरी टेक्टर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी पॉल स्टर्लिंग (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद लोर्कान टकर और हैरी टेक्टर की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 53 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में सिंकदर रजा ने हैरी टेक्टर (28) को आउट इस साझेदारी को तोड़ा। 14वें ओवर में ट्रेवर ग्वांडू ने लार्कान टकर (46) को आउट कर आयरलैंड को बड़ा झटका दिया। कर्टिस कैमफर (26) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 137 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से ट्रेवर ग्वांडू ने तीन विकेट लिये। सिकंदर रजा और रिचर्ड एन्गारावा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। ब्लेसिंग मुजरबानी को एक विकेट मिला।

युजवेंद्र चहल से तलाक की खबरों के बीच काम पर निकलीं धनश्री वर्मा एयरपोर्ट पर हुईं स्पॉट

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर कोर्ट का आखिरी फैसला आना बाकी है. युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा ने साल 2020 में शादी की थी और अब 5 साल बाद ही उनके तलाक का केस कोर्ट में चल रहा है. इसी बीच धनश्री मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं.

भारत के स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के बीच तलाक की खबरें लगातार सुर्खियों में हैं. जहां एक तरफ ये खबर आई थी कि दोनों के बीच तलाक हो गया है, वहीं धनश्री वर्मा के परिवार ने उन खबरों का खंडन किया था. ऐसे में अभी ये बात साफ नहीं हो पाई है कि दोनों में तलाक हुआ है या नहीं.

डिवोर्स और एलिमनी की खबरों के बीच धनश्री वर्मा एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं.
ये दावा किया गया था कि उन्होंने चहल से 60 करोड़ रुपये की एलिमनी मांगी है. बता दें कि युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर कोर्ट का आखिरी फैसला आना बाकी है. युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा ने साल 2020 में शादी की थी और अब 5 साल बाद ही उनके तलाक का केस कोर्ट में चल रहा है.

धनश्री मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं

हाल ही में धनश्री मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं. पैप्स ने उन्हें कैमरे में कैद किया. धनश्री ने इस दोरान मस्ती भरे अंदाज में कहा कि वो काम पर जा रही है. उन्होंने पैप्स के लिए पोज भी दिया. इसके बाद एक चाइल्ड फैन के साथ फोटो भी खिचवाई. धनश्री का एयरपोर्ट लुक भी काफी स्टाइलिश और गेट टू गो था. उन्होंने ब्लू डेनिम के साथ ब्लैक टैंक टॉप को पेयर किया था.

मिल रहा है काफी हेट

इसके साथ ही धनश्री ने खुले स्ट्रेट बालों से लुक को कम्पलीट किया. धनश्री को तलाक की खबरों के बाद से ही सोशल मीडिया पर काफी हेट मिल रहा है. उनके परिवार ने कई बार लोगों से गुजारिश भी की है कि बिना पूरी बात जानें इस तरीके से आंकलन ना लगाएं, लेकिन फिर भी वो काफी ट्रोल हो रही हैं. बता दें कि कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल की शादीशुदा जिंदगी में परेशानियों की खबरों ने पिछले काफी समय से खूब सुर्खियां बटोरी हैं.

न कोई इंटिमेट सीन, न लड़ाई झगड़ा फिर भी 19 साल पहले रिलीज हुई फिल्म ने किया था कमाल, 4 गुना ज्यादा की थी कमाई

बॉलीवुड की फिल्मों में कई सारे जॉनर हैं, जिसमें कई सारी ऐसी फिल्में बनती है, जिसमें आइटम नंबर, एक्शन, थ्रिलर, सस्पेंस जैसी चीजें रहती हैं. इस तरह की फिल्मों को लोग देखना पसंद करते हैं. हालांकि, इन्हीं में से कुछ ऐसी फिल्में भी हैं, जो इन सभी के बिना बनाई गई है और वो बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट साबित हुई है. जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम 'विवाह' है, जो कि शाहिद कपूर और अमृता राव की मूवी है.'विवाह' साल 2006 में रिलीज हुई थी, इस फिल्म ने अपनी सादगी से ही लोगों के दिलों में खास जगह बनाई हुई है. फिल्म को आए इतना वक्त बीत चुका है, लेकिन आज भी लोग इसे रिपीट पर देखना पसंद करते हैं. ये फिल्म रिलीज के वक्त ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. सूरज बड़जात्या की डायरेक्शन में बनी ये फिल्म रोमांटिक फिल्म है. फिल्म की कहानी के साथ ही इसका गाना भी काफी फेमस हुआ था. 'विवाह' की कमाई की बात करें, तो इस फिल्म ने अपने बजट से लगभग 4 गुना ज्यादा कमाई की थी.

बाकी कहानियों से अलग थी फिल्म

इस फिल्म के बाद से अमृता राव का कैरेक्टर पूनम और शाहिद कपूर का कैरेक्टर प्रेम काफी पसंद किए गए. सैकनिल्क के मुताबिक, ये फिल्म 8 करोड़ रुपए के बजट पर बनाई गई थी. वहीं फिल्म ने 31.20 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था. हालांकि, रिलीज से पहले फिल्म के फ्लॉप हो जाने की बात कही जा रही थी. 'विवाह' की कहानी बाकी लव स्टोरी से काफी अलग थी, जिसमे परिवार के बारे में भी दिखाया गया है. हालांकि, हम आपके हैं कौन, हम साथ-साथ हैं, जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर के लिए एक लव स्टोरी को इतना खास बनाना आम था.

ओटीटी पर भी देखी जा सकती है

टीवी पर अक्सर ये फिल्म आ जाती है, हालांकि ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी देखी जा सकती है. 'विवाह' जी 5 पर अवेलेबल है. रेटिंग की बात करें, तो IMDb ने इस फिल्म को 5.6 की रेटिंग दी है. शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ ही इस फिल्म में आलोक नाथ, अमृता प्रकाश, अनुपम खेर, समीर सोनी, मनोज जोशी और लता सभरवाल जैसे बेहतरीन कलाकारों का भी नाम शामिल है.

36 साल पहले डेब्यू करने वाली वो एक्ट्रेस, जिसने पहली फिल्म के लिए वसूले थे सलमान से 4 गुना ज्यादा पैसे

साल 1989 में सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में 'मैंने प्यार किया' के नाम से एक फिल्म आई थी. इसी फिल्म के जरिए सलमान खान ने बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था. इस फिल्म की रिलीज के बाद वो रातोंरात छा गए थे और आज वो बॉलीवुड में एक बड़े मुकाम पर हैं. हालांकि, 36 साल पहले आई इस फिल्म में उन्हें फीस काफी कम मिली थी.

आज कल ज्यादातर फिल्मों को लेकर ऐसी खबरें आती हैं कि एक्टर्स की तुलना में एक्ट्रेस को काफी कम फीस मिली. हालांकि, 'मैंने प्यार किया' में ऐसा नहीं हुआ था. इस फिल्म में उनके अपोजिट भाग्यश्री नजर आई थीं और उन्होंने सलमान से ज्यादा पैसे चार्ज किए थे. आज 23 फरवरी को भाग्यश्री का जन्मदिन है.

वो अपना 56वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. इस मौके पर चलिए पहली फिल्म के लिए उनकी फीस जानते हैं.

भाग्यश्री की पहली फिल्म

सलमान ने 'मैंने प्यार किया' से पहले साल 1988 में 'बीवी हो तो ऐसी' में सपोर्टिंग एक्टर के तौर पर काम किया था. हालांकि, 'मैंने प्यार किया' भाग्यश्री की पहली फिल्म थी. दोनों की फीस में काफी अंतर थे. भाग्यश्री को सलमान से 4 गुना से भी ज्यादा पैसे मिले थे.

रिपोर्ट्स की मानें तो इस पिक्चर के लिए सलमान खान को सिर्फ 31 हजार रुपये मिले थे. वहीं भाग्यश्री को 1.5 लाख रुपये मिले थे. इस फिल्म से भाग्यश्री खूब पॉपुलर हुई थीं. इस पिक्चर सलमान और उनकी जोड़ी काफी पसंद की गई थी. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी. इसका बजट 4 करोड़ रुपये था और फिल्म ने वर्ल्डवाइड 27.50 करोड़ रुपये की कमाई की थी.

गाने भी हुए थे हिट

मोहनिश बहल, दिलीप जोशी, रीमा लागू,राजीव वर्मा और आलोक नाथ जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा थे. पिक्चर तो पॉपुलर हुई ही थी, साथ ही इसके तमाम गाने भी काफी हिट रहे थे. 'कबूतर जा', 'दिल दीवाना', 'मेरे रंग में रंगने वाली' इस फिल्म के कुछ फेमस गाने हैं.

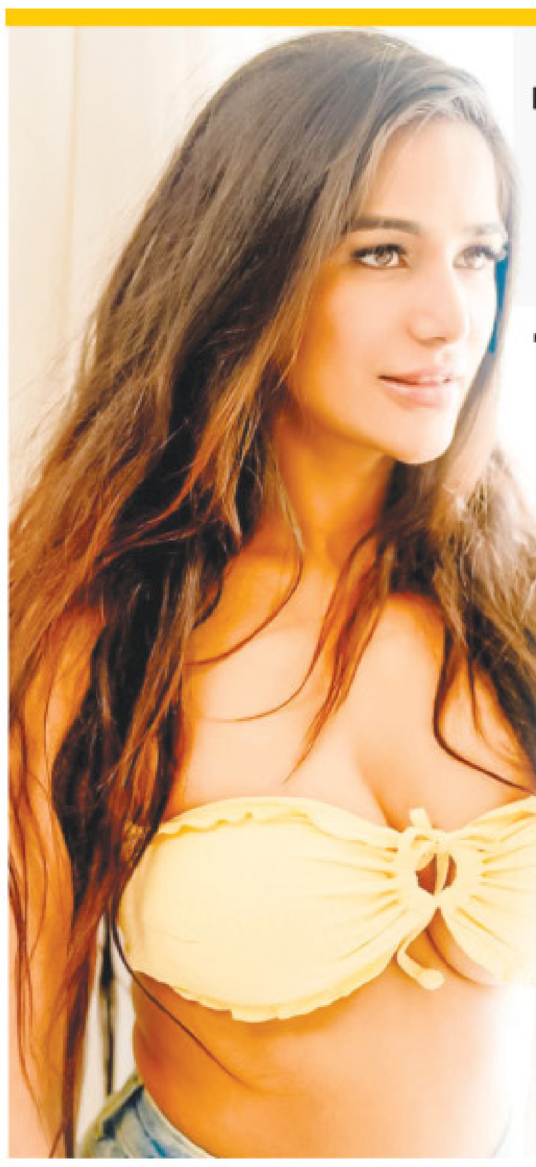

पूनम पांडे से शख्स ने की बदतमीजी... राखी सावंत ने उदित नारायण और मीका सबको याद कर लिया

एक्ट्रेस पूनम पांडे अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. पूनम के फैन्स अक्सर उनके साथ फोटो खिचवाने के लिए बहुत एक्साइटेड रहते हैं. हालांकि, इस बार कुछ ऐसा हुआ जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. पूनम पांडे सड़क पर खड़ी पैप्स के लिए पोज कर रही थीं, कि इसी बीच एक शख्स उनके पास आया, उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश की और फि उन्हें किस करने की कोशिश करने लगा. ये देखकर वहां खड़े लोगों ने उसे पकड़ लिया. अब इस पूरे मामले पर राखी सावंत ने भी रिएक्ट किया है.बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत ने पूनम के इस 'किस' वीडियो पर रिएक्ट किया है. राखी ने अपने अंदाज में पूनम को काफी सुनाया. उन्होंने नाम नहीं लिया लेकिन इस पूरी वीडियो को एक पीआर स्टंट बताया. उन्होंने ना सिर्फ पूनम को लताड़ लगाई बल्कि अपनी बातों में सिंगर उदित नारायण और मिका का भी नाम ले लिया. आइए जानते हैं राखी ने क्या कहा ?

राखी ने वीडियो में क्या कहा ?

राखी ने एक वीडियो में इस पूरे घटना पर रिएक्ट किया. राखी ने पूनम को कहा कि 'तुम पहले एक बार मर गईं थीं, फिर जिंदा हो गईं. थोड़ा संभल कर रहा करो. तुम थोड़ा बाहर निकलो को संभल कर निकलो. पुनम तुम समझदार हो, मेरी बहन हो. तुम डरने कब से लग गईं.' इसके बाद राखी ने सिंगर उदित नारायण का भी जिक्र किया. उन्होंने पूनम को जबरदस्ती किस करने वाले शख्स को उदित नारायण का ड्राइवर बता दिया. राखी ने मीका का भी नाम लिया, हालांकि वो रुक गईं.

अपशब्दों का इस्तेमाल

राखी ने अपने वीडियो में पूनम के लिए काफी अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया है. आपको बता दें कि राखी और पूनम की ये कैट फाइट कोई नई नहीं है. इससे पहले भी राखी और पूनम एक दूसरे को खुले मंच से कुछ ना कुछ बोलती रही हैं. पूनम पांडे भी अपनी अजीबो गरीब हरकतों के लिए सुर्खियां बटोरती हैं, वहीं राखी भी इस रेस में पीछे नहीं हैं.